E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -166 | प्रयागराज, शुक्रवार 19 सितम्बर, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प ने भारत-पाक समेत 23 देशों को ड्रग तस्कर बताया,कहा- ये खतरनाक केमिकल बना रहे, इससे हमारे यहाँ इमरजेंसी जैसे हालात

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 23 देशों को ड्रग तस्करी और अवैध ड्रग प्रोडक्शन करने वाले देशों की लिस्ट में शामिल किया है। इन देशों में भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, चीन, कोलंबिया, बोलिविया और वेनेजुएला जैसे देश शामिल हैं। ट्रम्प ने सोमवार को अमेरिकी संसद को सौंपी गई 'प्रेसिडेंशियल डिटरमिनेशन रिपोर्ट' में कहा कि इन देशों में अवैध ड्रग्स उत्पादन और तस्करी अमेरिका और उसके नागरिकों की सुरक्षा के लिए खतरा हैं। ट्रम्प ने कहा कि ड्रग तस्करी, खासकर फेंटेनाइल जैसे घातक ड्रग्स ने अमेरिका में नेशनल इमरजेंसी जैसे हालात पैदा कर दिए हैं। यह पब्लिक हेल्थ संकट का कारण बन रहा है और 18 से 44 साल के अमेरिकियों की मौत की प्रमुख वजह है। ट्रम्प ने कहा कि चीन फेंटेनाइल जैसे खतरनाक ड्रग्स बनाने वाले केमिकल का सबसे बड़ा सोर्स है। इसके साथ ही वो मेथामफेटामाइन जैसे अन्य नशीले पदार्थों को भी बढ़ावा दे रहा है। ट्रम्प ने चीन से इन रसायनों को रोकने और तस्करों पर कार्रवाई करने को कहा। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अफगानिस्तान, बोलिविया, म्यांमार, कोलंबिया, और वेनेजुएला जैसे देश ड्रग्स के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने में पूरी तरह नाकाम रहे हैं। इन देशों से ड्रग कंट्रोल के लिए और सख्त कदम उठाने की मांग की गई है। हालांकि मंत्रालय ने क्लियर किया कि इस लिस्ट में किसी देश का

नाम होने का मतलब यह नहीं कि उसकी सरकार ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही। ट्रम्प बोले- अफगानिस्तान से ड्रग्स अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहुंच रही- ट्रम्प ने अफगानिस्तान पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि तालिबान ने अवैध ड्रग्स पर प्रतिबंध का ऐलान किया था, लेकिन ड्रग्स का भंडार और मेथामफेटामाइन का प्रोडक्शन जारी है। यह ड्रग्स अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पहुंच रहे हैं और इससे होने वाली इनकम से इंटरनेशनल क्रिमिनल गैंग्स की फंडिंग हो रही है। ट्रम्प ने कहा कि तालिबान के कुछ सदस्य इस व्यापार से मुनाफा कमा रहे हैं, जिसकी वजह से अफगानिस्तान को ड्रग कंट्रोल करने में नाकाम माना गया है। दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद ड्रग्स पर ट्रम्प की कार्रवाई- फरवरी 2025: मेक अमेरिका हेल्दी अगेन कमीशन स्थापित किया, जिसमें कहा गया कि युवाओं में ड्रग यूज से 77फीसदी मिलिट्री सर्विस के लिए अयोग्य हैं। 1 अप्रैल 2025: ट्रम्प सरकार ने नेशनल ड्रग कंट्रोल स्ट्रैटजी जारी की, जिसमें ड्रग ओवरडोज मौतों को कम करने और अवैध ड्रग्स का इस्तेमाल घटाने पर जोर दिया। 31 जुलाई 2025: को ट्रम्प ने कनाडा पर टैरिफ बढ़ाकर 25फीसदी से 35फीसदी करने का एक्जीक्यूटिव ऑर्डर साइन किया। उन्होंने कहा कि फेंटेनाइल की तस्करी से नेशनल इमरजेंसी पैदा हो गई है। 4 सितंबर 2025: ट्रम्प ने ड्रग तस्करों को वॉर एनिमि (युद्ध शत्रु) मानकर सैन्य कार्रवाई का दावा किया। कहा कि वे ड्रग तस्करों को बिना मुकदमे के मारने की पावर रखते हैं। 15 सितंबर 2025: ट्रम्प ने दावा किया कि 2024 में ड्रग्स से 300 मिलियन अमेरिकियों (30 करोड़) की मौत हुई। यह आंकड़ा अमेरिका की कुल आबादी (34 करोड़) के बराबर है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के आंकड़ों के मुताबिक, 2024 में सिर्फ 79,383 मौतें हुई थीं। ड्रग्स तस्करी के आरोप में वेनेजुएला की बोट पर हमला किया- अमेरिकी सेना ने सोमवार को ही वेनेजुएला के ड्रग तस्करों की बोट पर हमला किया था। इस हमले में 3 लोग मारे गए। राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी थी। उन्होंने इन तस्करों को नार्को टेररिस्ट यानी ड्रग कार्टेल से जुड़ा आतंकवादी बताया था। ट्रम्प ने कहा था कि- 'मेरे आदेश पर अमेरिकी सेना ने ड्रग तस्करी करने वाले कार्टेल और नार्को टेररिस्ट पर स्ट्राइक की। ये लोग वेनेजुएला से नशीले पदार्थ अमेरिका की ओर ले जा रहे थे।' उन्होंने कहा था कि ड्रग कार्टेल अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति और हितों के लिए बड़ा खतरा हैं। ट्रम्प ने यह भी बताया कि इस हमले में अमेरिकी बलों को कोई नुकसान नहीं हुआ। दो हफ्ते पहले भी अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के कुख्यात ट्रेन डी अरागुआ गैंग से जुड़े 11 लोगों को मार गिराने का दावा किया था।

सऊदी-पाक के बीच रक्षा समझौता,एक पर हमला, दोनों पर हमला माना जाएगा,दावा- इसमें एटमी हथियार इस्तेमाल का भी प्रावधान

रियाद। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को एक रक्षा समझौते पर साइन किए। इस समझौते के तहत एक देश पर हमला दूसरे पर भी हमला माना जाएगा।सऊदी प्रेस एजेंसी के मुताबिक, दोनों देशों ने एक जॉइंट स्टेटमेंट में कहा कि यह समझौता दोनों देशों की सुरक्षा बढ़ाने और विश्व में शांति स्थापित करने की प्रतिबद्धता को दिखाता है। इस समझौते के तहत दोनों देशों के बीच डिफेंस कॉर्पोरेशन भी डेवलप किया जाएगा। सऊदी अरब की राजधानी रियाद के यमामा पैलेस में हुई इस बैठक में एमबीएस और शहबाज शरीफ ने कई अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी बात की। एक सीनियर सऊदी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर रॉयटर्स न्यूज एजेंसी को बताया कि इस समझौते के तहत हर तरह का मिलिट्री सहयोग किया जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या इसमें जरूरत पड़ने पर पाकिस्तान के परमाणु हथियारों का इस्तेमाल शामिल है, तो उन्होंने 'हां' में जवाब दिया। शहबाज शरीफ के साथ पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसीम मुनीर, उप प्रधानमंत्री इशाक डार, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब और हाई लेवल डेलिगेशन सऊदी पहुंचा है।जिस वक्त इस रक्षा समझौते पर साइन किए जा रहे थे, तब पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसीम मुनीर भी वहां मौजूद थे।एक अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि यह समझौता किसी खास देश

या घटना के खिलाफ नहीं हुआ है, बल्कि दोनों देशों के बीच लंबे समय तक चलने वाले गहरे सहयोग का आधिकारिक रूप है। इजराइल ने 9 सितंबर कतर की राजधानी दोहा में हमास चीफ खलील अल-हय्या को निशाना बनाकर हमला किया था। इस हमले में अल-हय्या बच तो गया था, लेकिन 6 अन्य लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद 14 सितंबर को दोहा में मुस्लिम देशों के कई नेता इजराइल के खिलाफ एक खास बैठक के लिए इकट्ठा हुए थे। यहां पाकिस्तान ने सभी इस्लामी देशों को नाटो जैसी जॉइंट फोर्स बनाने का सुझाव दिया था।पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री मोहम्मद इशाक डार ने एक जॉइंट डिफेंस फोर्स बनाने की संभावना का जिक्र करते हुए कहा था कि न्यूक्लियर पावर पाकिस्तान इस्लामिक समुदाय (उम्माह) के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएगा। अफगानिस्तान और इराक में अमेरिका के राजदूत रह चुके जलमय खलीलजाद ने भी इस समझौते पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह समझौता हालांकि औपचारिक 'संधि' नहीं है, लेकिन इसकी गंभीरता को देखते हुए यह एक बड़ी रणनीतिक साझेदारी मानी जा रही है। खलीलजाद ने आगे कहा कि क्या यह समझौता कतर में इजराइल हमले के जवाब में किया गया है? या ये लंबे समय से चली आ रही अफवाहों की पुष्टि करता है कि सऊदी अरब, पाकिस्तान के एटमी हथियार प्रोग्राम का अघोषित सहयोगी रहा है। खलीलजाद ने पूछा कि क्या इस समझौते में सीक्रेट क्लॉज हैं, अगर हां, तो वे क्या हैं? क्या ये समझौता बताता है कि सऊदी अरब अब अमेरिका की सुरक्षा गारंटी पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहना चाहता है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार और ऐसे मिसाइल सिस्टम हैं जो पूरे मिडिल ईस्ट और इजराइल तक मार कर सकते हैं। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तान ऐसे हथियार भी डेवलप कर रहा है जो अमेरिका तक पहुंच सकते हैं। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रक्षा समझौते पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि सरकार को इसकी जानकारी थी। उन्होंने कहा- यह समझौता दोनों देशों के बीच पहले से मौजूद संबंधों को औपचारिक रूप देता है। सरकार इससे जुड़े भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता पर प्रभावों का अध्ययन करेगी। भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पाकिस्तान ने सऊदी जैसा रक्षा समझौता अमेरिका के भी साथ किया था। 1979 में ये समझौता टूट गया था। उससे पहले भारत पाकिस्तान के बीच 2 जंग हुईं लेकिन एक में भी अमेरिका ने उसकी सीधे मदद नहीं की। पाकिस्तान-अमेरिका का पुराना रक्षा समझौता: 1950 में कोल्ड वॉर के दौरान, अमेरिका ने सोवियत संघ के विस्तार को रोकने के लिए दक्षिण एशिया में सहयोगियों की तलाश की।

एक चूक जिससे हरियाणा के नूंह में रातों-रात लखपति बने,मोबिक्विक एप की गड़बड़ी से हुआ, यूजर्स ने निकाले 40 करोड़

नूंह। हरियाणा की गुरुग्राम बेस्ड डिजिटल पेमेंट कंपनी मोबिक्विक के खाते से यूजर्स द्वारा अवैध तरीके से 40 करोड़ रुपए निकालने की जांच चल रही है। इस अवैध ट्रांजैक्शन के कारण नूंह, पलवल व गुरुग्राम जिलों में कई लोग रातों-रात लखपति बन गए थे। अब कंपनी अपने पैसे वापस लेने के लिए रिकवरी कैंप लगा रही है। इस मामले में कंपनी की शिकायत पर गुरुग्राम के सेक्टर-53 की पुलिस ने नूंह के 5 और पलवल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। ये सभी कंपनी एप यूजर्स हैं। कंपनी अब तक करीब 2500 खाते फ्रीज कर चुकी है। इनमें से ज्यादातर व्यापारी और दुकानदारों के खाते हैं। सबसे ज्यादा रकम नूंह जिले से निकाली गई। कंपनी ने नूंह के लघु सचिवालय के कमरा नंबर 428 में 23 सितंबर तक के लिए कैंप लगाया है। जिन लोगों ने वॉलेट से पैसे निकाले हैं, उनको एक मौका दिया है। रकम न लौटाने पर

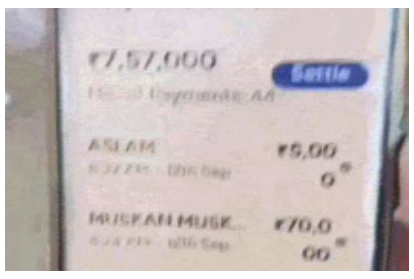

एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।शुरुआती जांच में सामने आया है कि सॉफ्टवेयर अपडेट करते वक्त गलती हुई। जिससे सिक्योरिटी चेक डिसेबल हो गया। कंपनी की वार्षिक मीटिंग होने वाली है, उसी को लेकर ऑडिट चल रहा था और तकनीकी टीम भी रात को काम कर रही थी। इसी दौरान सिस्टम फेल हुआ। कंपनी की टेक्निकल टीम जांच कर रही है। इस वित्तीय अनियमितता पर मोबिक्विक कंपनी को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) व नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को भी स्थिति स्पष्ट करनी पड़ी है। सेबी शेयर बाजार और वित्तीय बाजारों की निगरानी और नियंत्रण करती है। सेबी को भेजी 2 पेज की सूचना में कंपनी ने दावा किया कि इस मामले में कंपनी के किसी कर्मचारी की कोई मिलीभगत नहीं है। अपडेट के दौरान 3 स्टेप का सिक्योरिटी बाइपास हुआ मोबिक्विक ने एक सॉफ्टवेयर अपडेट जारी किया, जिसमें टेक्निकल गड़बड़ी की वजह से सिक्योरिटी का बाइपास हो गया। यानी एप अपडेट के वक्त सिक्योरिटी चेक डिसेबल हो गया। इसमें 3 स्टेप ओपन हो गए। जिससे ट्रांजैक्शन अनसक्सेसफुल होने के बावजूद सक्सेसफुल दिखाए जा रहे थे। किसी यूजर के पास पर्याप्त बैलेंस न होने पर भी पैसा ट्रांसफर हो रहा था। यूजर गलत यूपीआई पिन डाल रहे थे तब भी ट्रांजैक्शन सफल हो रहा था। 11-12 सितंबर को करीब 48 घंटे में 40 करोड़ की रकम निकली यह सिक्योरिटी चेक डिसेबल 11-12 सितंबर के बीच हुआ। यानी करीब 48 घंटे बाद कंपनी की पकड़ में यह मामला आया। तब तक कंपनी के अकाउंट से 40 करोड़ रुपए निकाल लिए गए। ये ट्रांजैक्शन यूपीआई से हुए।**आगे की खबर पेज न. 07 पर..**

मारुति की गाड़ियां रु1.11 लाख तक सस्ती,अल्टो, स्विफ्ट से लेकर ग्रैंड विटारा तक के दाम घटे

नयी दिल्ली। पैसेंजर व्हीकल्स पर जीएसटी रेट्स में बदलाव के बाद ऑटोमोबाइल कंपनियां अपनी कारों के दाम घटाने का ऐलान कर रही हैं। मारुति सुजुकी ने भी फेस्टिव सीजन से पहले अपनी कारों की कीमत में कटौती का ऐलान किया है। इससे छोटी कारों से लेकर एसयूवी तक सभी किफायती हो जाएंगी। नई कीमतें 22 सितंबर 2025 से लागू होंगी। मीडिया रिपोर्ट्स में जीएसटी कट के बाद सभी मॉडल्स की वैरिएंट वाइस नई कीमतों की लिस्ट सामने आई है। Maruti Suzuki Alto K10-Rs 52,910, Maruti Suzuki S-Presso-Rs 52,143, Maruti Suzuki WagonR-Rs 63,911, Maruti Suzuki Celerio Rs 62,845, Maruti Suzuki Eeco-Rs 67,929, Maruti Suzuki Swift-Rs 80,966, Maruti Suzuki Dzire Rs 86,892, Maruti Suzuki

Brezza-Rs 48,207, Maruti Suzuki Ertiga-Rs 46,224, Maruti Suzuki Ignis-Rs 69,240, Maruti Suzuki Baleno-Rs 80,667, Maruti Suzuki Fronx-Rs 1,10,384, Maruti Suzuki Jimny-Rs 51,052, Maruti Suzuki Grand Vitara-Rs 67,724, Maruti Suzuki XL6 Rs 51,155, Maruti Suzuki Invicto-Rs 61,301. जीएसटी दरों में बदलाव के बाद अब सभी इंटरनल कंबशन इंजन और हाइब्रिड कारें 18फीसदी और 40फीसदी स्लैब में आएंगी. छोटी कारें जैसे हैचबैक, कॉम्पैक्ट सेडान और कॉम्पैक्ट एसयूवी पर 18फीसदी जीएसटी लगेगा, जबकि बड़ी कारें और लग्जरी गाड़ियां 40फीसदी जीएसटी स्लैब में आएंगी. इस बार कोई सेस नहीं लगेगा. ये कंपनियां घटा चुकीं कीमत- महिंद्रा एंड महिंद्रा, हुंडई मोटर इंडिया, टाटा मोटर्स, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर, किआ इंडिया, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, होंडा कार्स इंडिया, रेनो इंडिया, स्कोडा ऑटो इंडिया और फॉक्सवैगन इंडिया जैसी कंपनियों ने भी जीएसटी के लाभ को कीमतों में कटौती के रूप में ग्राहकों तक पहुंचाया है. लग्जरी कार निर्माता कंपनियां जैसे मर्सिडीज-बेंज इंडिया, बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया, जगुआर लैंड रोवर इंडिया, ऑडी इंडिया और वोल्वो कार इंडिया ने भी ऐसा ही किया है.

एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर की थी फायरिंग करने वाले शूटरों के एनकाउंटर के बाद गैंगस्टर बोला-बदला लेंगे, माफी नहीं मिलेगी

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने वाले दो शूटरों के एनकाउंटर के बाद गैंग लीडर रोहित गोदारा ने धमकी दी है। उसने फेसबुक पोस्ट पर लिखा- हमारे जो दो शूटर्स मारे गए हैं, हम इसका बदला लेंगे। ये एनकाउंटर हमारे जीवन की बहुत बड़ी क्षति है। ये ढेर नहीं, शहीद हुए हैं। हम वो काम कर सकते हैं, जिसकी ये कल्पना भी नहीं कर सकते। इसमें जिसका भी हाथ है, वो चाहे कितना भी पैसे वाला हो या पावर वाला हो, वक्त लग सकता है। माफी नहीं है। दरअसल, 11 और 12 सितंबर को बरेली में एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर फायरिंग हुई थी। इस मामले में यूपी एसटीएफ ने हरियाणा और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर बुधवार शाम को गाजियाबाद में दो शूटरों को एनकाउंटर में मार गिराया। इनकी पहचान हरियाणा निवासी अरुण और रविंद्र के रूप में हुई। मारे गए रविंद्र और अरुण दोनों पेशेवर शूटर थे। रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ के गैंग के सदस्य थे। दोनों पर एक-एक लाख का इनाम था। इसके अलावा, 11 सितंबर को फायरिंग करने वाले शूटर बागपत निवासी नकुल और विजय अभी फरार हैं।गुरुवार सुबह 10.22 बजे रोहित गोदारा नाम की फेसबुक से पोस्ट हुआ है। इसमें लिखा है- इन भाइयों ने धर्म के लिए अपना बलिदान दिया है। अरे कुछ तो शर्म करो। एक मुंह से तुम सनातन-सनातन चिल्लाते हो। जो सनातन के लिए लड़ाई लड़े, उसको मार दिया जाता है।

ये इंसाफ नहीं है। ये जितने भी सनातन धर्म का नाम लेकर घूम रहे हैं, ये सिर्फ अपनी रोटी सेंक रहे हैं। ये एनकाउंटर नहीं, सनातन की हार हुई है। धर्म के लिए लड़ने वालों को इस हिंदुस्तान में मार दिया जाता है। अगर तुम इतने सच्चे हो तो उठाओ मुद्दा। हमारे शहीद भाइयों को इंसाफ दिलाओ। बाकी मैं पूरे देश को बता देना चाहता हूं, सनातन धर्म की आड़ में एक धंधा चला है। सभी देशवासी इनसे सावधान रहें। दरअसल, दिशा पाटनी के घर फायरिंग की जिम्मेदारी रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ गैंग ने ली थी। तब फेसबुक पोस्ट में लिखा था- संत प्रेमानंद महाराज और कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज पर टिप्पणी से नाराज होकर फायरिंग को अंजाम दिया गया है। यह सिर्फ एक ट्रेलर है। अगली बार ऐसी हरकत दोहराई गई तो किसी को जिंदा नहीं छोड़ा जाएगा।दो शूटरों के एनकाउंटर के बाद अभिनेत्री के पिता और रिटायर्ड डीएसपी जगदीश सिंह पाटनी ने सीएम योगी से फोन पर बात की। उन्होंने कहा- मैंने सीएम सर को थैंक्यू बोला। गुरुवार दोपहर मीडिया के सवाल- क्या अभी भी किसी तरह का डर या दहशत परिवार महसूस कर रहा? इस पर जगदीश पाटनी ने कहा- जब यूपी में योगी और डीजीपी सर मेरे साथ हैं। पूरे मामले का नेतृत्व कर रहे हैं, पूरा पुलिस प्रशासन मेरे साथ है तो डर किसी बात का नहीं है। उन्होंने कहा- निश्चित तौर पर अभी और बदमाश अंजाम तक पहुंचेंगे। अब कोई भी अपराधी प्रवृत्ति का व्यक्ति या तो हमारे प्रदेश में जमींदोज हो चुका है या पलायन कर चुका है। बता दें कि घर पर फायरिंग के बाद 15 सितंबर को सीएम योगी ने जगदीश पाटनी से बात की थी। तब योगी ने जगदीश पाटनी को आश्वासन दिया था कि अपराधी चाहे पाताल में हों, यूपी पुलिस उन्हें खोजकर कार्रवाई करेगी।

राहुल के प्रजेंटेशन में वोटर्स डिलीट कराने का दावा,जिनके नाम कटे, उन्हें स्टेज पर बुलाया, आयोग बोला- आरोप झूठे,नाम ONLINE डिलीट नहीं होते

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को 'वोट चोरी' पर दूसरी बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इससे पहले उन्होंने 7 अगस्त को मीडिया से बात की थी। राहुल ने 31 मिनट के प्रजेंटेशन में वोट चोरी के आरोप लगाए और सबूत दिखाने का दावा किया। उन्होंने कहा- चुनाव आयोग जानबूझकर कांग्रेस के वोटों को निशाना बना रहा है और उनके नाम डिलीट कर रहा है। राहुल इस बार अपने साथ कर्नाटक के ऐसे वोटर्स को भी लेकर आए, जिनके नाम वोटर्स लिस्ट से डिलीट किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार उन लोगों की रक्षा कर रहे हैं, जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने फिर कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा और यूपी में यही हो रहा है।चुनाव आयोग ने राहुल

के आरोपों को गलत और निराधार बताया। कहा-'कोई भी आम नागरिक ऑनलाइन किसी का भी वोट डिलीट नहीं कर सकता। किसी का वोट डिलीट करने से पहले संबंधित व्यक्ति को अपनी बात रखने का मौका दिया जाता है।' राहुल ने 4 बड़े आरोप- राहुल ने 'कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा 2023 के चुनाव में किसी ने 6,018 वोट डिलीट करने की कोशिश की। इसकी संख्या ज्यादा भी हो सकती है। हमें नहीं पता कि कुल कितने वोट डिलीट किए गए। इन्हें डिलीट करते समय गलती से मामला पकड़ में आ गया। , प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान 63 साल की गोदावाई का वीडियो दिखाया गया। जिसमें उन्होंने कहा- मेरा वोट डिलीट किया गया। मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं है। गोदावाई के नाम से फेक लॉगिन बनाया गया। 12 वोटर्स के नाम डिलीट किए गए।, राहुल ने दावा किया कि आलंद में जिन वोटर्स के नाम डिलीट किए गए उनको हटाने के लिए दूसरे राज्यों में ऑपरेट हो रहे मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किया गया। राहुल ने प्रजेंटेशन में उनके नंबर भी बताए। गोदावाई के 12 पड़ोसी के नाम भी हैं, जिन्हें इन मोबाइल नंबर्स से डिलीट किया गया।, राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयोग के ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरों की मदद का आरोप लाया। उन्होंने कहा- ज्ञानेश कुमार जी वोट-चोरों की रक्षा कर रहे हैं। इसके साफ सबूत हैं। इसमें कोई कन्फ्यूजन नहीं है। राहुल ने कहा- मैं ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इतने सीधे आरोप क्यों लगा रहा हूं। कर्नाटक में इस मामले की जांच जारी है। कर्नाटक सीआईडी ने 18 महीनों में चुनाव आयोग को 18 पत्र भेजे। कुछ बहुत ही सरल तथ्य मांगे हैं।

अतिउत्साह और हेलमेट की नज़रअंदाज़ी में बर्थडे बॉय समेत 4 दोस्तों की मौत,बाइक खंभे से टकराई,बिखरी लाशें

प्रयागराज। एक बाइक सवार चार दोस्तों की सड़क

हादसे में मौत हो गई। इनमें से एक का बुधवार को जन्मदिन था। चारों ने घर में ही पार्टी की। इसके बाद शोभायात्रा देखने जा रहे थे, तभी बाइक बेकाबू होकर बिजली के खंभे से टकरा गई।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एक्सीडेंट इतना भयानक था कि चारों की बॉडी सड़क पर बिखर गई। सड़क पर खून फैल गया। मांस के टुकड़े सड़क पर बिखर गए। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। चारों को एम्बुलेंस से एसआरएन अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। डॉक्टरों ने रात में ही तीन युवकों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक ने आज सुबह दम तोड़ा। हादसा बुधवार रात 11 बजे शिवकुटी इलाके में ओल्ड कैंट स्कूल के समीप हुआ। चारों की उम्र 16 से लेकर 24 साल तक की थी। पुलिस के मुताबिक, बाइक सवार युवक हेलमेट नहीं लगाए थे।

फंदे पर झूला इंटर का छात्र,मोबाइल में लड़की से चैटिंग मिली,परिजन बोले- किसी से कोई शिकायत नहीं

प्रयागराज।17 साल के लड़के ने फांसी लगाकर जान दे दी। वह इंटर का छात्र था। बुधवार सुबह

मां उसको जगाने गईं तो बेटे का शव फंदे से लटक रहा था। मां ने दरवाजा खटखटाया, तो वह अंदर से बंद था। मां ने खिड़की से झांककर देखा। इसके बाद शोर मचाने पर पड़ोसी पहुंचे और दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा। लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। पूरा मामला मंगलवार देर रात थरवई थाना क्षेत्र के चालीस नंबर गुमटी इलाके का है। थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। हालांकि, यश के मोबाइल की जांच में फेसबुक पर एक लड़की से चैटिंग की जानकारी सामने आई है। पुलिस का मानना है कि संभवतः किसी निजी तनाव या रिश्ते में उलझन के चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठाया।

आई.पी.एस. मनीष शांडिल्य जी प्रयागराज के संयुक्त पुलिस आयुक्त

आधुनिक समाचार टीम की ओर से-हम आई.पी.एस. मनीष शांडिल्य जी को प्रयागराज के संयुक्त पुलिस आयुक्त (Joint Commissioner of Police) नियुक्त किए जाने पर हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई देते हैं। आपके अनुभव, नेतृत्व क्षमता और ईमानदार कार्यशैली से निश्चित ही कानून-व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी तथा जनता को एक नई ऊर्जा और विश्वास प्राप्त होगा। हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ!

वर्तमान परिदृश्य में मीडिया का महत्व

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में मीडिया को 'चौथा स्तंभ' कहा जाता है। आज के समय में जब समाज, राजनीति और अर्थव्यवस्था निरंतर परिवर्तनशील हैं, तब मीडिया की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। मीडिया केवल समाचार देने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आम जनता और शासन-प्रशासन के बीच सेतु का कार्य करता है।

वर्तमान परिदृश्य में सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तीनों ही जनता की सोच और व्यवहार पर गहरा प्रभाव डाल रहे हैं। डिजिटल युग में सूचनाएँ तेज़ी से फैल रही हैं और जागरूक नागरिक समाज के निर्माण में मीडिया अहम भूमिका निभा रहा है। किसानों के मुद्दों से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार और पर्यावरण जैसे विषयों पर मीडिया द्वारा उठाई गई आवाज़ें न केवल शासन को उत्तरदायी बनाती हैं, बल्कि आमजन को भी अपने अधिकारों के प्रति सचेत करती हैं।

हालाँकि, यह भी सच है कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा और टीआरपी की दौड़ में मीडिया के कुछ हिस्से भटक भी रहे हैं। फेक न्यूज़ और भ्रामक प्रचार से समाज में भ्रम और तनाव की स्थिति पैदा होती है। ऐसे में जिम्मेदार और निष्पक्ष पत्रकारिता की आवश्यकता और भी अधिक हो जाती है।

आज के भारत में मीडिया को चाहिए कि वह केवल सनसनी फैलाने तक सीमित न रहे, बल्कि रचनात्मक और सकारात्मक पत्रकारिता के माध्यम से लोकतंत्र को मजबूत बनाए। जनहित, पारदर्शिता और सामाजिक न्याय की स्थापना तभी संभव है जब मीडिया अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाए।

निष्कर्षतः, मीडिया आज केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र के विकास और लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। जिम्मेदार, निष्पक्ष और सत्यनिष्ठ मीडिया ही भारत को सशक्त, जागरूक और प्रगतिशील दिशा दे सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमारे देश के गौरवः डॉ मनोज कुमार पांडेय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बुधवार को से ग्रसित लोगों को फाइलेरिया किट भी बांटी। अपने उद्बोधन प्राप्त की गई। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी सुनील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोर्ड के जन्मदिन पर सेवा पखवारा के अंतर्गत आयोजित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ऊंचाहार में स्वास्थ्य शिविर का उदघाटन ऊंचाहार विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ मनोज कुमार पांडेय ने किया। इस अवसर पर उन्होंने फाइलेरिया में उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा जनता के हित में किए जा रहे कार्यों को जनता को अवगत कराया। सामुदायिक केंद्र के कर्मचारियों ने उनका माल्यार्पण और बुके देकर स्वागत किया। शिविर में सैकड़ों लोग मौजूद रहे और अपना परीक्षण कराकर दवाएं कुमार सिंह,सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी प्रमुख मनोज कुमार शुक्ल,डॉ इफ्तिखार,डॉ दिवाकर त्रिपाठी,डॉ प्रवीण मौर्य, फार्मेसिस्ट राज बहादुर मौर्य,अभिलाष चंद्र कौशल, आशीष तिवारी स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी डॉ एस.के.पांडेय आदि उपस्थित रहे।

शादी के 9 महीने बाद गर्भवती पत्नी की हत्या,मां को भी बांका मारा,लोगों ने खंभे से बांधा

लखनऊ। लखनऊ में एक युवक ने शादी के 9 महीने बाद बांके से पत्नी की हत्या कर दी। पत्नी 8 महीने की गर्भवती थी। उसने अपनी मां पर भी बांके से हमला कर दिया। यह देख युवक की बहन चांदनी चीखते हुए घर के बाहर भाग भागी। शोर सुनकर आसपास के लोग घर की तरफ दौड़ पड़े। लोगों ने उसे पकड़ने की कोशिश की तो वह बांका लहराते हुए सब पर हमला करने के लिए ललकारने लगा। किसी तरह एक व्यक्ति ने उसे पीछे से पकड़ा। फिर लोगों ने उसे दबोच लिया और खंभे से बांधकर कंट्रोल लिया। इसके बाद पुलिस बुलाकर सौंप

दिया। घटना गुडंबा थानाक्षेत्र के दसौली गांव की है। आरोपी की पहचान अंकुर के रूप में हुई है। आरोपी, लखनऊ में परिवार के साथ राम सिंह के घर पर किराए पर रहता था। बहन चांदनी, पत्नी नीलम, मां फूलमती, भाई आकाश और पिता दिनेश साथ ही रहते थे।अंकुर ने राम सिंह के मकान में दो कमरे किराए पर लिए थे। अंतिम वाले कमरे में पत्नी से विवाद शुरू हुआ बहस की आवाज सुनकर मां ने सोचा पति-पत्नी का विवाद है। तभी अचानक से नीलम जोर से चीखने लगी। मां भागते हुए पहुंची तो देखा अंकुर उस पर ताबड़तोड़ बांके से वार कर रहा था।

माननीय सदस्य अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग, उत्तर प्रदेश श्री रमेश चंद्र कुण्डे का रायबरेली दौरा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बीते बुधवार को अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। छात्रावास में

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग, उत्तर प्रदेश के माननीय सदस्य श्री रमेश चंद्र कुण्डे ने जनपद रायबरेली का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों संग पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में बैठक कर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितों से संबंधित विभिन्न विषयों की समीक्षा की। माननीय सदस्य ने सरकारी योजनाओं एवं कल्याणकारी कार्यक्रमों के लाभार्थियों से संवाद किया तथा यह सुनिश्चित करने के लिए पात्र व्यक्तियों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुँचे। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा संचालित सभी कल्याणकारी योजनाएँ समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस क्रम में जनपद स्तरीय अधिकारियों को सतर्क एवं सक्रिय रहते हुए समयबद्ध कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया। दौरे के दौरान माननीय सदस्य ने बाबू जगजीवन राम छात्रावास रायबरेली का निरीक्षण भी किया और उपस्थित छात्रो से चल रहे निर्माण कार्य की गुणवत्ता भी परखी। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के अधिकारों की रक्षा तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए आयोग निरंतर कार्यरत है। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी, जिला पंचायती राज अधिकारी सौम्यशील सिंह, सीओ महाराजगंज अरुण कुमार, पीडब्लूडी अधिशासी अभियंता महिपाल सिंह सहित अन्य कर्मचारी और अधिकारी उपस्थित है।

अंगीकार अभियान 2025 का उद्देश अधिक से अधिक व्यक्तियों तक योजनाओं की जानकारी पहुँचाना व पात्र शहरी बेघरों का आवेदन कराकर गृह प्रवेश कराना: एडीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/ परियोजना निदेशक डूडा सिद्धार्थ ने बताया है कि भारत सरकार द्वारा अंगीकार अभियान 2025 शुरू किया गया है, जिसका उद्देश है कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों का चयन करने तथा सरकार की अन्य योजनाओं यथा- पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, पीएम स्वनिधि, पीएम विश्वकर्मा, पीएम उज्जवला योजना आदि से भी लाभान्वित कराने के उद्देश्य से 'अंगीकार 2025' अभियान शुरू किया गया है और इसकी अवधि 04 सितम्बर 2025 से 31 अक्टूबर 2025 तक होगी। अंगीकार अभियान-2025 के अन्तर्गत डोर-टू-डोर जागरूकता के उद्देश्य से 'प्रधानमंत्री आवास मेला शहरी दो चरणों में आयोजित किया जायेगा। पहला चरण 17-27 सितम्बर 2025 के बीच और दूसरा चरण 15-31 अक्टूबर 2025 के बीच होना है। अभियान का मुख्य उद्देश्य है कि अधिक से अधिक व्यक्तियों तक योजनाओं की जानकारी पहुँचाना तथा पात्र शहरी बेघरों का आवेदन कराते हुये डी0पी0आर0 प्रेषित करना एवं 'आवास माह' मनाते हुये अधिक से अधिक घरों को पूर्ण कराते हुये गृह प्रवेश कराना। अंगीकार अभियान 2025 के तहत सामुदायिक सक्रियता लक्षित सहभागिता और भारत सरकार की अन्य योजनाओं यथा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, पीएम स्वनिधि, पीएम विश्वकर्मा, पीएम उज्जवला योजनाओं के अभिसरण के माध्यम से अंतिम छोर तक वितरण को बढ़ावा देना है।

पंचायत सामान्य निर्वाचन 2026 की संपूर्ण निर्वाचन व्यवस्था के लिए एडीएम (प्रशासन) नोडल अधिकारी नामितः डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) रायबरेली हर्षिता माथुर ने राज्य निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश के अधीक्षण, निर्देशन एवं नियंत्रण में आगामी त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2026 को सकुशल, निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण निर्विघ्न सम्पन्न कराने के दृष्टिगत विभिन्न समस्त तैयारियों ससमय पूर्ण कराने, निर्वाचन सम्बन्धी सम्पूर्ण व्यवस्थाओं को सम्बन्धित अधिकारियो से समन्वय स्थापित करते हुए समयानुसार पूर्ण कराने तथा राज्य निर्वाचन आयोग, उ0प्र0 द्वारा जारी आदेशों/दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराने एवं जनपद स्तर पर निर्वाचन सम्बन्धी आयोजित होने वाली बैठकों/प्रशिक्षणों एवं निर्वाचन कार्यों का सुचारू रूप से पर्यवेक्षण किए जाने के लिए अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ को नोडल अधिकारी, सम्पूर्ण निर्वाचन व्यवस्था, पंचायत सामान्य निर्वाचन-2026 नामित किया है, जो जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) एवं मुख्य विकास अधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) रायबरेली के निर्देशन में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2026 से सम्बन्धित समस्त कार्यों/व्यवस्थाओं को सकुशल एवं सुचारू रूप से सम्पादित कराना सुनिश्चित करेंगे।

विभिन्न जनपदों से आये उद्यमियों को जेम पोर्टल के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। गुरूवार को प्रातः 11:00 बजे से गांधी सभागार, मण्डलायुक्त कार्यालय, प्रयागराज में मण्डल स्तरीय जेम कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें प्रयागराज मण्डल अधीनस्थ जनपदों के लगभग 70 अपंजीकृत सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला का संचालन भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षक टीम ने किया, जिसमें मण्डलन्तर्गत विभिन्न जनपदों से आये उद्यमियों को जेम पोर्टल के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गयी और उन्हें जेम से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही साथ कार्यशाला में 22 अपंजीकृत उद्यमियों का जेम पोर्टल पर पंजीयन भी कराया गया उक्त कार्यशाला में श्री नौशाद आलम नोडल जेम उद्योग विभाग, श्री उमेश वर्मा सहायक आयुक्त उद्योग, श्रीमती सारिका सिंह सहायक आयुक्त उद्योग, श्री पंकज मौर्या सहायक आयुक्त उद्योग, श्री कृष्ण कुमार यादव सहायक आयुक्त उद्योग, श्री सत्येन्द्र पटेल, वैयक्तिक सहायक, श्री प्रसून शुक्ला, श्री आशीष पाल, श्री प्रणव मिश्रा, श्री गौरव गुप्ता इत्यादि उपस्थित रहे।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

जनपद के मा0 प्रभारी मंत्री जी की अध्यक्षता में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दादरी में भी कार्यक्रम हुआ आयोजित

यशस्वी प्रधानमंत्री जी की अध्यक्षता में आयोजित रहे कार्यक्रम का हुआ सजीव प्रसारण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस के अवसर पर आज 'स्वस्थ नारी - सशक्त परिवार अभियान' एवं आठवें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ किया गया। इसी क्रम में जनपद के मा0 प्रभारी मंत्री श्री बृजेश सिंह जी द्वारा आज सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत झंडेवाला मंदिर परी चौक ग्रेटर नोएडा में आयोजित स्वच्छता अभियान में प्रतिभाग किया गया एवं रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया गया। इसके उपरांत माननीय प्रभारी मंत्री जी दादरी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस के अवसर पर 'स्वस्थ नारी - सशक्त परिवार अभियान' के तहत आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉक्टर शिवाकांत द्विवेदी द्वारा माननीय प्रभारी मंत्री जी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का प्रेरणादायी संबोधन और संदेश कार्यक्रम स्थल पर सीधा प्रसारण के माध्यम से दिखाया गया, जिसे मा0 प्रभारी मंत्री श्री बृजेश सिंह, विधायक श्री तेजपाल नागर, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अभिषेक शर्मा, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद दादरी गीता पंडित अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने बड़े उत्साह के साथ सुना। प्रधानमंत्री जी के संदेश ने उपस्थित जनसमूह को महिला स्वास्थ्य, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के महत्व को समझने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में महिलाओं ने शिविर का लाभ उठाते हुए स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श प्राप्त किया। साथ ही विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत पाँच लाभार्थियों को मा0 प्रभारी मंत्री श्री बृजेश सिंह जी द्वारा सिलाई मशीनें प्रदान की गईं। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोज़गार और आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बनाना है। इस अवसर माननीय

मा0 प्रभारी मंत्री जी ने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के पांच लाभार्थियों को सिलाई मशीन की वितरित,इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर का किया गया आयोजन

प्रभारी मंत्री जी द्वारा 17 वीं वर्ल्ड वुशु चैंपियनशिप ब्राज़ील में सिल्वर मेडल विजेता शिवानी प्रजापति को शॉल, पुष्पगुच्छ देकर एवं सिल्वर मेडल पहनाकर सम्मानित भी किया गया। मा0 प्रभारी मंत्री श्री बृजेश सिंह जी ने अपने संबोधन में कहा कि 'स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार की नींव है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देशभर में महिलाओं के स्वास्थ्य, सम्मान और आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।' उन्होंने बताया कि सरकार का लक्ष्य प्रत्येक महिला तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाना और उन्हें सुरक्षित, सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें, महिलाओं के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण को सुनिश्चित करें और सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएँ। आयोजित कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, तहसीलदार दादरी ओमप्रकाश पासवान, खंड विकास अधिकारी दादरी नेहा, स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से गाय की दर्दनाक हुई मौत,युवक को आई गंभीर चोट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/झूंसी। स्थानीय थाना क्षेत्र के गोविंद बल्लभ पंत संस्थान के बगल जीटी रोड पर तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से गाय की मौके पर ही दर्दनाक मृत्यु हो गई , जबकि हादसे में बाइक सवार युवक को भी गंभीर चोट आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाइक सवार दीपांशु निवासी त्रिवेणपुरम के पिता का लॉल चौक के पास जनता मेडिकल स्टोर के नाम से शॉप है ,घायल युवक को आनन फानन में नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाइक सवार युवक आर 15 बाइक से तेज

रफ्तार में झूंसी पावर हाउस से शहर की तरफ जा रहा था , तभी अचानक गाय के आ जाने से , गाय से टक्कर हो गई , टक्कर इतनी जबरजस्त थी कि गाय की मौके पर ही मृत्यु हो गई। गाय के साथ मौजूद उसके बच्चों मानसिक स्थिति देखकर स्थानीय लोगों आंखें नम हो गई। इस दौरान मौके पर पहुंचे राहगीरों ने पुलिस को सूचित कर गाय निजी वाहन से लेकर चले गए। गाय के टक्कर के बाद जीटी रोड कुछ देर तक जाम की स्थिति बनी रही।

प्रधानमंत्री मोदी जी के जन्मदिवस पर भाजपा युवा मोर्चा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भाजपा युवा मोर्चा द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर सेवा अखाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपा जिला कार्यालय पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि पिडब्लूडी राज्यमंत्री व जनपद प्रभारी मंत्री कुंवर बृजेश सिंह जी रहे। उनके साथ विशिष्ट अतिथि विधान परिषद सदस्य नरेंद्र भाटी, दादरी विधायक तेजपाल नागर, जिला अध्यक्ष भाजपा अभिषेक शर्मा, युवा मोर्चा अध्यक्ष राज नागर, प्रवासी क्षेत्रीय मंत्री युवा मोर्चा काजल त्यागी ने शिविर का फीता काटकर शुभारंभ किया। प्रभारी मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर सेवा के माध्यम से जनता के बीच पहुंचने का कार्य भाजपा कार्यकर्ता द्वारा किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि देश का युवा आज भी प्रधानमंत्री मोदी जी पर विश्वास करते हैं, युवा मोर्चा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूरे भारतवर्ष में सफलतापूर्वक महारक्तदान कार्यक्रम करने में सफल हुआ है. भाजपा जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें वॉटर बोतल और सर्टिफिकेट प्रदान किया उन्होंने भाजयुमो राज नागर ने बताया कि जिले में सैकड़ो युवाओं ने शिविर में प्रतिभाग किया। इस मौके पर धर्मेंद्र कोरी, दीपक भारद्वाज, मनोज गर्ग, अर्पित तिवारी, संजय चैची, सतेंद्र नागर, राजीव सिंघल, महेश शर्मा, सुशील भाटी, रवि जिंदल, मनोज भाटी, मनोज प्रधान, बिजेंद्र रावल, समरपाल चौहान, शक्ति सिंह, बालेश्वर नागर, अतुल गुर्जर, जीवन भाटी, आकाश सिंघल, गौरव पटेल, बृजेश ठाकुर, अनुभव दुबे, सुनील शर्मा,आदि कार्यकर्ता मौजूद है।

राम-राम वैलनेस क्लब' ने शुरू किया 'पुश-अप इंडिया अभियान, 108 दिन तक प्रतिदिन 108 पुश-अप,प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर नोएडा के युवा आईटी प्रोफेशनल्स द्वारा गठित 'राम-राम वैलनेस क्लब' ने आम जनमानस के बीच स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के लिए 'पुश-अप इंडिया अभियान' शुरू किया है। इस अभियान के अंतर्गत 2 जून से 17 सितंबर तक रोजाना 108 पुश-अप लगाए गए। नोएडा मीडिया क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में अभियान के संयोजक मनोज शर्मा और सहसंयोजक गिरीश पांडे ने बताया कि प्रत्येक दिन अलग-अलग प्रकार के पुश-अप लगाकर अंत में 108 पुश-अप की प्रतीकात्मक माला भगवान श्रीराम को अर्पित की गई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई। मनोज शर्मा ने कहा कि अभियान का उद्देश्य युवाओं में फिटनेस, सेवा और राष्ट्र निर्माण की भावना जगाना है। उन्होंने चिंता जताई कि खराब जीवनशैली के कारण कैंसर, मधुमेह, लिवर, किडनी और हृदय रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान अस्पतालों की संख्या बढ़ाने में नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में है। वरिष्ठ मीडियाकर्मी प्रशांत गुप्ता ने कहा कि 75 वर्ष की आयु में भी प्रधानमंत्री मोदी की ऊर्जा और कार्यशैली युवाओं के लिए प्रेरणा है। वहीं गिरीश पांडे ने कहा कि यह अभियान 'सेवा पखवाड़ा' के माध्यम से स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देता है। आमजन में फैलाई जाएगी स्वास्थ्य जागरूकता-'राम-राम वैलनेस क्लब' के संयोजक मनोज शर्मा ने बताया की 108 दिनों की पुश-अप सीरीज को 17 सितम्बर को नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर उन्हें समर्पित किया है,वहीँ आम जनमानस में स्वास्थ्य जागरूकता के उद्देश्य के साथ 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक 'राम-राम वैलनेस क्लब' नोएडा के पार्कों, स्कूलों में जाकर विभिन्न कार्यक्रम और पुश-अप प्रतियोगिता आयोजित कराई जाएंगी।

उ.प्र. उद्योग व्यापार मंडल ने प्रधानमंत्री का मनाया जन्मदिन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल द्वारा संजय जैन अध्यक्ष के नेतृत्व में सेक्टर 10 स्थित उनके कार्यालय पर भारत को निरंतर नए प्रगति के पथ पर ले जाने वाले राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अवतरण दिवस के पावन पर्व पर केक काटकर एवं एक दूसरे को बधाइयां देकर मनाया गया। इस अवसर पर अमित अग्रवाल वरिष्ठ महासचिव, नरेश बंसल कोषाध्यक्ष, राहुल भाटिया महासचिव, उमानंदन कौशिक उपाध्यक्ष, के के अग्रवाल सचिव, विक्रम सेठी उपाध्यक्ष, तनवीर सहसचिव समेत सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों की सहभागिता रही।

पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए एनएईसी और सोनू सूद फाउंडेशन का राहत अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। पंजाब में हाल ही में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए नोएडा अपेरल एक्सपोर्ट क्लस्टर ने मानवीय पहल जारी रखते हुए राहत सामग्री से भरा ट्रक ग्रेटर नोएडा से रवाना किया। इस सामग्री को सोनू सूद फाउंडेशन को भेजा गया है। रवाना किए गए ट्रक में पुरुषों की शर्ट्स, महिलाओं के सलवार, कुर्ती व सूट, बच्चों के कपड़े, दवाइयाँ, बच्चों के लिए दूध के पैकेट, मास्क और अन्य आवश्यक वस्तुएँ शामिल हैं।

इस अवसर पर जिला मजिस्ट्रेट मेधा रूपम ने ट्रक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डीएम गौतमबुद्ध नगर मेधा रूपम ने इस दौरान कहा कि पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए लगातार राहत सामग्री भेजना एक सराहनीय मानवीय प्रयास है। एनएईसी और सोनू सूद फाउंडेशन का यह कार्य समाज के लिए प्रेरणा है। मैं सभी से अपील करती हूँ कि ऐसे नेक अभियानों से जुड़कर ज़रूरतमंदों की मदद करें।' ललित ठुकराल, अध्यक्ष एनएईसी ने इस दौरान कहा कि हमारा प्रयास है कि पंजाब के बाढ़ प्रभावित परिवारों को लगातार सहयोग पहुँचाया जाए। सोनू सूद फाउंडेशन के माध्यम से यह सामग्री ज़रूरतमंदों तक पहुँच रही है, जो हमारे लिए संतोष की बात है। एनएईसी ने स्पष्ट किया है कि यह राहत अभियान लगातार जारी रहेगा और हर संभव मदद पंजाब तक पहुँचाई जाएगी जैसे अभी वहां बर्तन और दवाइयां पहुंचाई जाएंगी।

आईएमएस में इंटरनल हैकाथॉन का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा में इंटरनल हैकाथॉन (पीस कोड फॉर स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन) का सफल आयोजन हुआ। संस्थान के स्कूल ऑफ आईटी द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में 20 टीम में 120 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। बुधवार को कार्यक्रम के पहले दिन प्रतिभागियों ने रियल-टाइम चुनौतियों पर अपने प्रोग्रामिंग और समस्या-समाधान कौशल का प्रदर्शन करते हुए गहन कोडिंग राउंड में हिस्सा लिया। वहीं बृहस्पतिवार को प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन एवं प्रमाणपत्र वितरण किए गए। आईएमएस नोएडा के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि इंटरनल हैकाथॉन विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार करने का उत्कृष्ट माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रयास छात्रों को भविष्य की तकनीक चुनौतियों का सामना करने एवं स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन जैसे राष्ट्रीय मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता हैं। साथ ही विद्यार्थियों के ज्ञान को व्यावहारिक रूप देने के साथ-साथ उनमें टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता और नवाचार की सोच को भी मजबूती प्रदान करते हैं। स्कूल ऑफ आईटी के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) अजय कुमार गुप्ता ने बताया कि इंटरनल हैकाथॉन के दौरान विद्यार्थियों ने तकनीकी दक्षता के साथ-साथ टीमवर्क, रचनात्मकता एवं आत्मविश्वास की परीक्षा दी। जिससे वे आगामी स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार हो सके। उन्होने बताया कि कार्यक्रम के पहले दिन छात्रों को वास्तविक चुनौतियों के समाधान के लिए प्रोग्रामिंग एवं कोडिंग राउंड रखे गए। वहीं दूसरे दिन छात्रों ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन की समस्या-परक स्टेटमेंट्स पर आधारित अपने नवाचार पूर्ण प्रोटोटाइप प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के दौरान आईएमएस नोएडा की डीन प्रोफेसर (डॉ.) नीलम सक्सेना ने कहा कि इंटरनल हैकाथॉन (पीस कोड फॉर स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन) छात्रों के लिए अपनी तकनीकी प्रतिभा को प्रदर्शित करने और वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान खोजने का शानदार अवसर है। वहीं उप विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता पति ने बताया कि आज के कार्यक्रम का सफल आयोजन डॉ. ज्योति कुमारी त्रिपाठी के संयोजन में संपन्न हुआ। वहीं कार्यक्रम में बतौर समन्वय में प्रोफेसर जितेंद्र, प्रोफेसर स्वेच्छंदन एवं प्रोफेसर अंशुश्रव मुद्गल के साथ अन्य फैकल्टी का विशेष सहयोग रहा।

दशहरे पर राजा भैया दिखाएंगे अपने शस्त्रागार के हथियार,करीबी बोले- उस दिन पूजा होती है

प्रतापगढ़। रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के पास हथियारों का जखीरा है। यह शिकायत उनकी पत्नी भानवी सिंह ने पीएमओ से की है। इस पर राजा भैया के सबसे करीबी एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपाल जी ने कहा कि उनकी पत्नी 10 साल से अलग रह रही हैं। ऐसे में उन्हें हथियारों की फोटो कहां से मिल गई? पहले तो उनकी ही जांच होनी चाहिए। उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। राजा भैया के पास लाइसेंसी हथियार हैं। जिनको भी ये हथियार देखना हो, वो दशहरे वाले दिन हमारे शस्त्रागार में आकर देख सकता है। सारे हथियारों को एक साथ रखकर पूजा की जाती है। उन्होंने ये भी कहा कि राजा भैया के नौकरों के पास भी लाइसेंसी हथियार हैं। दरअसल, भानवी सिंह का आरोप है कि उनके पति के पास मास डिस्ट्रक्शन वाले हथियारों का बड़ा जखीरा है। यह जन सुरक्षा और आंतरिक शांति के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। कितने खतरनाक होते है ये हथियार? इन हथियारों से किन पर हमला हो चुका है ? Arms Act और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कौन से प्रावधान लागू होंगे? राजा भैया और उनकी पत्नी के बीच विवाद काफी पहले से चल रहा है। भानवी सिंह राजा भैया के ऊपर अवैध संबंधों से लेकर मारपीट करने तक के कई सनसनीखेज आरोप लगा

चुकी हैं। हालांकि, राजा भैया के सबसे करीबी माने जाने वाले गोपाल जी ने साफ कहा कि भानवी सिंह का मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। 10 साल से वो अलग रह रही हैं। ऐसे आरोप लगाकर अपने ही घर में आग लगा रही हैं। अपने बच्चों का भविष्य खराब कर रही हैं। राजा भैया के माता-पिता और बच्चों सभी के पास लाइसेंस है। वो क्यों अवैध हथियार रखेंगे? राजा भैया का एक भी ऐसा नौकर नहीं है, जिसके पास लाइसेंस और असलहा ना हो। दशहरे पर हम इनकी पूजा करते हैं। सारे लीगल शस्त्र हैं। राजा भैया को अवैध हथियार रखने की जरूरत ही नहीं है। जो आरोप लगा रहा है, जिस बेस पर लगा रहा, पहले उसकी खुद जांच होनी चाहिए। हालांकि, उनके पास खुद ही लाइसेंसी हथियार है। भानवी का दावा है कि राजा भैया के पास नाटो ग्रेड की जिगाना पिस्टल, ऑटोमैटिक असॉल्ट राइफल्स और कई अन्य घातक हथियार हैं। इनका इस्तेमाल किसी भी हमले में मास डिस्ट्रक्शन जैसे हालात पैदा कर सकता है। मास डिस्ट्रक्शन का मतलब हमले में तमाम लोग मारे जा सकते हैं। यानी राजा भैया के पास जो हथियार हैं, उनका उपयोग करने पर कई लोग मारे जा सकते हैं। कुंडा से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राज भैया की पत्नी भानवी सिंह ने अपने पति पर कई गंभीर आरोप लगाए। नवंबर, 2022 में उन्होंने दिल्ली की साकेत कोर्ट में तलाक के लिए अर्जी दायर की थी। उन्होंने क्रूरता के आधार पर तलाक मांगा था। भानवी सिंह ने अपनी ससुरालवालों पर भी आरोप लगाया था। कहा था कि उन्होंने घर छोड़ दिया है। राजा भैया का अवैध संबंध है। सितंबर, 2020 से ही राजा भैया ने उन्हें घर में आने से मना कर दिया है। भानवी सिंह ने राजा भैया पर घरेलू हिंसा, मार-पिटाई, खर्च के पैसे नहीं देने, बच्चों की उपेक्षा, महिला पत्रकार से अवैध संबंध रखने जैसे तमाम आरोप लगाए थे। इन्हीं आरोपों में एक आरोप यह भी था कि राजा भैया के अपनी साली साध्वी सिंह से भी नाजायज रिश्ते थे। इससे साध्वी प्रेग्नेंट हो गई थीं, लेकिन राजा भैया ने उनका अबॉर्शन करा दिया था। हालांकि, भानवी के आरोपों पर छोटी बहन साध्वी सिंह भड़क उठी थी। उन्होंने उल्टा भानवी पर ही आरोप लगा दिए थे। साध्वी ने कहा था कि असल में भानवी का ही मेरे पति आनंद सिंह से अवैध संबंध है। वो अक्सर आनंद से मिलने हमारे घर आती थी। मेरे घरवालों ने उसे कई बार मना भी किया था। इस बात पर पारिवारिक विवाद भी हुआ, जो अभी तक चल रहा।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल द्वारा जिलाधिकारी महोदय को बधाई दी गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल प्रदेश अध्यक्ष अतुल कुमार गुप्ता, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल जिला अध्यक्ष प्रभाकर गुप्ता अपने मंडल के साथियों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी हर्षिता माथुर जी को जन्मदिन की शुभकामनाओं के साथ-साथ जनपद में 2 वर्ष का सफल कार्य कल पूर्ण करने की भी बधाई दी। और कहा कि आज देश में आप जैसे अधिकारियों के नेतृत्व की जरूरत है, जिस तरह जिले के विकास के साथ-साथ आम जन एवं व्यापारियों की समस्याओं को भी आपके द्वारा दूर किया गया। अभी रायबरेली वासियों को आपकी जरूरत है आपके द्वारा रायबरेली की सूरत बदलेगी। आदर्श रायबरेली दिखेगा ऐसा विश्वास है।इस मौके पर जिला संरक्षक महेंद्र अग्रवाल,जिला महामंत्री संदीप शुक्ला, जिला कोषाध्यक्ष ,चंद्रप्रकाश गुप्ता,जिला मंत्री शिखर श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

यूपी में 16 आईपीएस के ट्रांसफर, 10 कप्तान बदले

लखनऊ। यूपी सरकार ने 10 जिलों के कप्तान समेत 16 आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए हैं। आजमगढ़ एसएसपी हेमराज मीणा, कुशीनगर एसपी संतोष मिश्रा और देवरिया एसपी विक्रांत वीर को पुलिस मुख्यालय से अटैच किया गया है।अभिषेक वर्मा की लंबे समय बाद फील्ड में वापसी हुई है। उन्हें सोनभद्र का एसपी बनाया गया है। उन्होंने एक दिन पहले मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। अभिषेक को हापुड़ से एक अस्पताल में कार्रवाई के वजह से हटाया गया था। हरदोई एसपी नीरज जादौन को अलीगढ़ का एसएसपी बनाया गया है। सोनभद्र एसपी अशोक कुमार मीणा को हरदोई की कमान सौंपी गई है। जयप्रकाश सिंह उन्नाव के नए एसपी होंगे। अलीगढ़ के एसएसपी संजीव सुमन को देवरिया का एसपी बनाया गया है।जिन जिलों के कप्तान बदले गए हैं, उनमें आजमगढ़, कुशीनगर, अलीगढ़, देवरिया, हरदोई, सोनभद्र, उन्नाव, प्रतापगढ़, अंबेडकरनगर और औरैया शामिल हैं।

पीएम के जन्मदिन पर सफाई कर्मियों का हुआ सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। बीते बुधवार को सफाई कर्मियों को सम्मानित करना उनके सामाजिक कार्यों और का संदेश देता है। ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक में ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केक काटा गया और सफाई कर्मियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश श्रीवास्तव व विशिष्ट अतिथि सदर विधायक भूपेश चौबे रहे.मुख्य अतिथि पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश श्रीवास्तव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उनके नेतृत्व में देश ने नई ऊँचाइयों को छूआ है। उनके जन्मदिन पर जनसेवा के सिद्धांतों का प्रतीक है। विशिष्ट अतिथि सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि मोदी ने गरीब से गरीब नागरिक तक की सेवा को महत्व दिया है। उनका जन्मदिन हमें उनकी जीवन दृष्टि से प्रेरित करता है और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रोत्साहित करता है। पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश मिश्रा, अशोक मिश्रा और डॉ. धर्मवीर तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने अनेक क्षेत्र में विकास और बदलाव देखा है। उनके जन्मदिन पर सफाई कर्मियों का सम्मान समाज में सेवा भाव और प्रेरणा मोदी का जीवन समाज सेवा और प्रेरणा का आदर्श है। उनके जन्मदिन पर सफाई कर्मियों को सम्मानित करना उनकी मेहनत और समर्पण के प्रति हमारी कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। हम चाहते हैं कि हर नागरिक उनके जीवन दृष्टि से प्रेरित होकर समाज और राष्ट्र की सेवा में योगदान करे। इस मौके पर विनय श्रीवास्तव, अनुपम तिवारी, दिलीप चौबे, आलोक रावत, देवेंद्र पाठक, रमेश भारती, संजय कनौजिया, मल्टी भारती, आसाराम, संजय पासवान, निर्मला देवी, मालती आदि रहे।

राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस पर युवा कांग्रेसियों ने चाय बेचकर जताया विरोध

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस के अवसर पर युवा कांग्रेस सोनभद्र

ने जिला मुख्यालय स्थित राबर्ट्सगंज रेलवे क्रासिंग के पास अनोखा सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व युवा कांग्रेस सोनभद्र के अध्यक्ष शशांक मिश्रा ने किया। विरोध को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने जिला अध्यक्ष समेत कई युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हाउस अरेस्ट करने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रशासन को चकमा देकर कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया। सरकार की रोजगार नीति की विफलताओं को उजागर करने के लिए कार्यकर्ताओं ने पकौड़े का ठेला लगाकर विरोध दर्ज कराया। इस दौरान जिलाध्यक्ष शशांक मिश्रा ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा किए गए '2 करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष' जैसे वादे आज केवल जुमले साबित हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि पढ़े-लिखे नौजवान रोजगार के अभाव में दर-दर भटक रहे हैं और मज़बूरी में स्वरोज़गार के नाम पर पकौड़े बेचने की स्थिति तक पहुँच गए हैं। महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी की मार ने युवाओं के भविष्य को अंधकारमय बना दिया है। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियाँ लेकर 'रोजगार दो - देश बचाओ' और 'नौकरी चोर गद्दी छोड़' जैसे नारे लगाए। जिला अध्यक्ष शशांक मिश्रा ने कहा - 'मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों से देश का नौजवान ठगा महसूस कर रहा है। कांग्रेस पार्टी युवाओं की आवाज़ बुलंद करती रहेगी और रोजगार के अधिकार की लड़ाई सड़क से संसद तक लड़ी जाएगी।' इसके बाद जिला उपाध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव और महासचिव रोहिल मिश्रा ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा - 'आज का विरोध प्रदर्शन यह स्पष्ट संदेश देता है कि नौजवान अब चुप नहीं बैठेगा। बेरोजगारी के खिलाफ हर सड़क पर, हर गाँव-शहर में युवा कांग्रेस संघर्ष करेगी। भाजपा सरकार को युवाओं का भविष्य बर्बाद करने की इजाज़त नहीं दी जाएगी।' वहीं, शहर अध्यक्ष अनुपम द्विवेदी ने कहा - 'रोजगार केवल नौजवान का ही नहीं बल्कि हर परिवार का सवाल है। जब युवाओं के हाथों में रोजगार नहीं होगा तो समाज और देश की प्रगति संभव नहीं है। युवा कांग्रेस बेरोजगारी हटाओ आंदोलन को हर स्तर पर तेज करेगी।' कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता जितेंद्र देव, प्रांजल श्रीवास्तव, रोहित मिश्रा, अनुज सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्म दिवस के शुभअवसर पर बांटे मोटराईज्ड ट्राईसाईकिल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बुधवार को माननीय

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्म दिवस के शुभअवसर पर विकास खण्ड परिसर घोरावल में माननीय विधायक महोदय घोरावल श्री अनिल कुमार मौर्य के कर-कमलो से 10 मोटराईज्ड ट्राईसाईकिल व 03 जोड़ी बैसाखी का वितरण किया गया। इस मौके पर श्री नितीन कुमार मौर्य, खण्ड विकास अधिकारी घोरावल, श्रीमती विद्या देवी, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, श्री सुरेन्द्र कुमार मौर्य, प्रतिनिधि माननीय विधायक घोरावल, श्री अनील कुमार शर्मा, एडीओ कापरेटिव, श्री अजय कुमार सोनकर, एडीओ समाज कल्याण व विकास खण्ड के श्री दयाराम साथ ही दिव्यांगजन विभाग के श्री विनय, मोहम्मद तलहा व अन्य ग्रामीण दिव्यांगजन मौजूद रहे।

डाइट सभागार में शुरू हुई दो दिवसीय शिक्षक संकुल बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज के उरमौरा

स्थित डाइट सभागार में बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से शिक्षक संकुलों की दो दिवसीय त्रैमासिक बैठक का शुभारंभ हुआ। बैठक में विभागीय योजनाओं, विद्यालयों को निपुण बनाने और शैक्षिक परिवेश सुधार पर चर्चा की गई। शिक्षक संकुलों ने कार्यों के निष्पादन में आ रही व्यावहारिक समस्याओं और सुझावों को साझा किया। पहले दिन के प्रथम सत्र में घोरावल और करमा ब्लॉक, जबकि दूसरे सत्र में रॉबर्ट्सगंज व म्योरपुर ब्लॉक के शिक्षक संकुल शामिल हुए। बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी करमा बृजेश सिंह, जयकिशोर वर्मा सहित डायट के प्रशिक्षकों ने मार्गदर्शन दिया। जयकिशोर वर्मा ने बताया कि 19 सितंबर को दूसरे दिन प्रथम सत्र में दुद्धी, चतरा और कोन, जबकि द्वितीय सत्र में नगवां, बभनी और चोपन ब्लॉक के शिक्षक संकुलों की बैठक होगी। इस दौरान एसआरजी विनोद कुमार, विद्यासागर, शैलेश, सुनील, हिमांशु मिश्र, नंदकुमार शुक्ल, प्रदीप सिंह, मनीष कुमार, प्रद्युम्न, राजेश बैस समेत कई शिक्षक संकुल उपस्थित रहे।

भाजपा नेतृत्व का विश्वास, बैकुण्ठ पुरी में अजीत रावत संभालेंगे मोर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र । बिहार विधानसभा

चुनाव को लेकर भाजपा ने रणनीतिक तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं रॉबर्ट्सगंज सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत को पार्टी ने गोपालगंज जिले की बैकुण्ठ पुरी विधानसभा का प्रवासी नियुक्त किया है। इसके पहले अजीत रावत को विधानसभा झारखंड के चुनाव में विधानसभा डालटेनगंज का प्रवासी बनाए जाने पर वहां पर आलोक चौरसिया को जीत दिलाने का काम रावत ने द्वारा किया गया उसके बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव में मंगोलपुरी में राजकुमार चौहान को जीतने का काम रावत द्वारा किया गया सिर्फ नेतृत्व वाला जो भी संघनन का काम श्री रावत को दिया जाता है निष्ठाव लग्न से कम कर पार्टी का मान सम्मान बढ़ाने का काम दौड़ द्वारा किया जाता है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से विश्वास प्राप्त करने पर खुशी जताते हुए अजीत रावत ने कहा कि 'मेरा लक्ष्य सिर्फ जीत नहीं, बल्कि बैकुण्ठ पुरी की जनता तक भाजपा की नीति और नीयत को पहुँचाना है। हम घर-घर जाकर लोगों से संवाद करेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास और सुशासन का संदेश देंगे। मुझे विश्वास है कि बैकुण्ठ पुरी विधानसभा में भाजपा ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी। सोनभद्र से लेकर गोपालगंज तक अजीत रावत की सक्रियता और संगठनात्मक पकड़ को देखते हुए माना जा रहा है कि बैकुण्ठ पुरी में भाजपा का जनाधार और मजबूत होगा। उनकी नियुक्ति से सोनभद्र के भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में जबरदस्त उत्साह का माहौल है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि जिस तरह रावत ने झारखंड और दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, उसी रणनीति के साथ वे अब बिहार में भी विजय सुनिश्चित करेंगे। गौरतलब है कि अजीत रावत सोनभद्र से अकेले ऐसे कार्यकर्ता हैं, जिन पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने भरोसा जताया है।

लोक अदालत के जनक शिवदयाल चौरसिया की जयंती मनाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। समाजवादी पार्टी

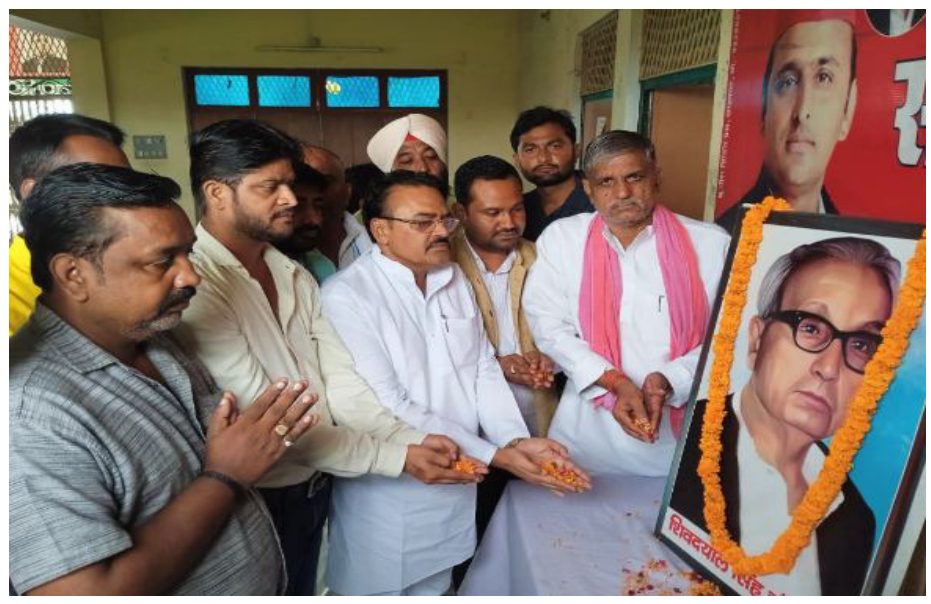

कार्यालय पर गुरुवार को लोक अदालत के जनक एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया की 122 वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष ने गोष्ठी कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की गई। वही उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया । जिला अध्यक्ष राम मनोहर यादव ने गोष्ठी में आए हुए लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि बाबू शिवदयाल चौरसिया के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बाबू शिवदयाल ने 1928 में एलएलबी की परीक्षा पास की। इसके बाद उन्होंने लखनऊ की निचली अदालतों, उच्च न्यायालय और बिहार उच्च न्यायालय में वकालत की। बाबू शिवदयाल ने 1953 में सुप्रीम कोर्ट में 'सेंट्रल लीगल एंड सोसाइटी' की स्थापना की। उनके प्रयासों से भारतीय संविधान में अनुच्छेद 39ँ जोड़ा गया। यह अनुच्छेद गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता का अधिकार देता है। इसी कारण उन्हें 'लोक अदालत के जनक' के रूप में जाना जाता है। इस मौके पर मोहम्मद शईद कुरैशी, अनिल प्रधान, सुनील गौड़ ,सरदार पारब्रह्म सिंह, अशोक पटेल, परमेश्वर यादव, कामरान खान, हरिशंकर विश्वकर्मा ,सनी पटेल, सौर्य त्रिपाठी ,विवेक सिंह पटेल, अजय कुमार भारती के साथ दर्जनों कार्यकर्ताओं ने नमन किया।

सड़क निर्माण की मांग अपना दल एस कार्यकर्ताओ ने सौंपा पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में सड़क निर्माण की मांग को लेकर अपना दल एस जिला बसों और सभी छोटी - बड़ी गाड़ियां डाला बस स्टैंड से सेक्टर बी चौराहे से होते हुए गजराज नगर बग्घानाला के रास्ते से सोनभद्र को स्थाई रूप से नई सड़क बनाने की तैयारी कर ली जानी चाहिए थी परंतु आज 15 महीने बीत जाने पर भी क्षतिग्रस्त

अध्यक्ष अंजनी पटेल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल द्वारा जिलाधिकारी से मुलाकात कर ज्ञापन देते हुए आवाज किया गया बुलंद। जिला अध्यक्ष अंजनी पटेल ने बताया कि बीते 23 जुलाई 2025 को उत्तर प्रदेश सरकार के प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले के मंत्री आशीष पटेल के पत्र का अवलोकन करें जिसमें उन्होंने लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री को पत्र प्रेषित कर जनपद - सोनभद्र के क्षतिग्रस्त डाला - ओबरा संपर्क मार्ग का पुनर्निर्माण कराए जाने के संदर्भ में अवगत कराया है जिसमें लगभग दो वर्षों पूर्व वैष्णो मंदिर डाला के पास रेलवे ओवर ब्रिज के क्षतिग्रस्त होने पर रूट डायवर्ट किया गया था जिससे सभी ट्रकों मिर्जापुर और बनारस जाती थी। इस दौरान लगभग 1 किलोमीटर की दूरी जो डाला बस स्टैंड से लेकर सेक्टर बी चौराहे हनुमान मंदिर तक की सड़क बहुत ही बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी जिसमें बहुत बड़े-बड़े गड्ढे पूरे रास्ते भर हो गए हैं जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है। बरसात के समय में स्थिति और भयावह हो जाती है। जब उन गड्?ढों में पानी भर जाता है और अचानक कोई भी गाड़ी उसमें एक्सीडेंट कर जाती है जिससे बड़ी दुर्घटना हो जाती है। आज लगभग 15 महीने बीत चुके है, जब वैष्णो मंदिर के पास का रेलवे ओवर ब्रिज बन गया है और सभी गाड़ियों का यातायात पूर्व के रास्ते से हो गया है। तब उसी समय लोक निर्माण विभाग डाला- ओबरा संपर्क मार्ग जो कि लगभग 1 किलोमीटर का है जो कि अभी तक कुछ भी नहीं बना है जिससे आए दिन दुर्घटनाएं घट रही हैं और जान माल की क्षति हो रही है जिससे स्थानीय डाला की जनता में बहुत ही आक्रोश है जिसको लेकर स्थानीय स्तर पर लोग अब आंदोलित करने को बाध्य हो रहे हैं। इस मौके पर विनोद यादव जिला उपाध्यक्ष, श्याम सुंदर पटेल जिला सचिव, चंद्रशेखर सिंह पटेल जिला कोषाध्यक्ष, पुष्पराज पटेल अरुण पटेल ,अंशु तिवारी संजय गुप्ता, आयुष मिश्रा, मुस्तकीम, आदित्य पटेल, लव कुश पटेल , दीपक पटेल, रोहित पटेल, चंद्रशेखर सिंह पटेल, सर्वेश पटेल , पंकज सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मतदाता सूची से नाम कटने से नाराज़ ग्रामीणो ने किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) चुर्क ,सोनभद्र। चुर्क चौकी क्षेत्र है कि गांव की राजनीति को लेकर ऐसा किया गया है। इस संबंध में मतदाता सूची में दर्ज था, लेकिन नवीन सूची में बीएलओ और गांव

के ग्राम पंचायत रौप के वार्ड नंबर एक और वार्ड नंबर दो के सभी निवासियों का मतदाता सूची से नाम कटने से आक्रोशित ग्रामीणों ने गुरुवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन करते हुए संबंधितो के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का आरोप ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा प्रधान प्रतिनिधि इंद्रजीत यादव के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन करने पहुंचे ग्रामवासी रामबली, अमित अनीता कमली परशुराम ममता सुशीला मुनिया विफनी ने बताया कि पूर्व की सूची में हम लोगों का नाम के कुछ जिम्मेदार लोगों की मिलीभगत से नाम काट दिया गया है। ग्रामीणों ने कहा कि अगर सूची में नाम नहीं दर्ज किया जाएगा तो वे पंचायत चुनाव में मतदान से वंचित हो जाएंगे। ग्रामीणों ने पंचायत चुनाव से पूर्व मतदाता सूची में नाम जोड़े जाने की मांग की है।

सेवा पखवाड़ा 2025 ' स्वस्थ नारी सशक्त परिवार उपलक्ष में विंध्य कन्या पी.जी. कॉलेज महाविद्यालय उरमौरा सोनभद्र पर न दहेज लेने न दहेज देने हेतु शपथ दिलाई गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सेवा पखवाड़ा 2025 ' स्वस्थ नारी सशक्त परिवार उपलक्ष मे' आज दिनाक 18/9/2025 को

जिलाधिकारी महोदय, एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी महोदय के निर्देशन में दहेज लेने न दहेज देने हेतु शपथ दिलाई गई जिसमें वन स्टॉप सेंटर केंद्र प्रशासक श्रीमती दीपिका सिंह व बाल संरक्षण इकाई से बाल संरक्षण अधिकारी श्रीमती रोमी पाठक के द्वारा बताया गया कि दहेज एक सामाजिक अभिशाप है। दहेज प्रतिषेध अधिनियम-1961 के अंतर्गत दहेज से कोई ऐसी सम्पत्ति या मूल्यवान प्रतिभूति अभिप्रेत है जो विवाह के समय या उसके पूर्व या विवाह के पश्चात किसी समय विवाह के एक पक्षकार द्वारा विवाह के दूसरे पक्षकार को या विवाह के किसी पक्षकार के माता-पिता द्वारा या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा विवाह के किसी भी पक्षकार को या किसी अन्य व्यक्ति को, या तो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष दी गई है, या दी जाने के लिए करार की गई । दहेज लेना व देना कानूनी अपराध है। कार्यक्रम में उपस्थित वन स्टॉप सेंटर से केंद्र प्रशासक श्रीमती दीपिका सिंह, केस वर्कर श्रीमती अनुराधा जायसवाल व कंप्यूटर ऑपरेटर सुश्री आकांक्षा पांडेय, बाल संरक्षण इकाई से बाल संरक्षण अधिकारी श्रीमती रोमी पाठक व सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती आकांक्षा उपाध्याय, चाइल्ड हेल्प लाइन से केस वर्कर श्रीमती सीमा शर्मा व सुपरवाइजर सुश्री सुधा गिरी एवं विंध्य कन्या पी.जी. कॉलेज महाविद्यालय उरमौरा सोनभद्र डॉ0 मालती शुक्ला, डॉ0 गीता श्रीवास्तव, डॉ विनीत केसरी आदि स्टाफ उपस्थित रहे।

21 सितंबर को फिर भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान,एशिया कप में सुपर-4 की दो टीमें फाइनल, दो टीमों का फैसला आज

नयी दिल्ली। एशिया कप में बुधवार को पाकिस्तान ने यूएई को हरा दिया। इसी के साथ यह भी तय हो गया कि टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान एक बार फिर 21 सितंबर को एक-दूसरे का सामना करेंगे। ग्रुप स्टेज में भारत ने पाकिस्तान को आसानी से 7 विकेट से हरा दिया था। वहीं, ग्रुप-बी में आज श्रीलंका और अफगानिस्तान के लिए करो या मरो का मैच है।भारत-पाकिस्तान मैच फिर एक बार क्यों? पाकिस्तान ने यूएई को हराकर ग्रुप-ए से भारत के साथ सुपर-4 स्टेज में जगह बना ली। सुपर-4 में अब बाकी 2 टीमें ग्रुप-बी से आएंगी। इस राउंड में हर टीम एक-दूसरे के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगी। इस कारण भारत और पाकिस्तान के बीच एक और मुकाबला तय हो गया है। भारत-पाक मैच 21 सितंबर को ही क्यों? टूर्नामेंट से पहले ही एशियन क्रिकेट काउंसिल ने सुपर-4 स्टेज का शेड्यूल भी बना लिया था। इसमें ग्रुप-ए से क्वालिफाई करने वालीं 2 टीमों को ए1 और ए2 नाम दिया गया। वहीं ग्रुप-बी से क्वालिफाई करने वाली टीमों को बी1 और बी2 नाम दिया गया। शेड्यूल के मुताबिक, ए1 और ए2 के बीच 21 सितंबर को दुबई में मैच खेला जाना है। इस तरह ग्रुप-ए की टीमें भारत और पाकिस्तान रविवार को एक बार फिर महामुकाबले में एक-दूसरे का सामना करेंगी। भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप स्टेज का मैच टीम इंडिया ने आसानी से 7 विकेट से जीत लिया था। मैच के बाद और टॉस के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया। जिसके बाद सलमान आगा ने मैच के बाद इंटरव्यू देने से मना कर दिया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हाथ नहीं मिलाने के मामले को खेल भावना के खिलाफ बताया। बोर्ड ने आईसीसी से मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग भी की, लेकिन आईसीसी ने इसे ठुकरा दिया। पूरे विवाद के बाद अब पाकिस्तान टीम फिर एक बार इसी टूर्नामेंट में भारत का सामना करेगी। ग्रुप-ए से ओमान और यूएई बाहर भारत और पाकिस्तान के सुपर-4 में पहुंचने के साथ ग्रुप-ए की बाकी 2 टीमें ओमान और यूएई टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। यूएई 3 में से 1 मैच ही जीत पाई। वहीं ओमान को 2 मुकाबलों में हार मिली, अब टीम का आखिरी मैच 19 सितंबर को भारत के खिलाफ होगा। ग्रुप-बी में रोमांचक हुई स्थिति ग्रुप-बी का आखिरी मैच आज श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच खेला जाएगा। इस ग्रुप से श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश अभी होड़ में है। अगर श्रीलंका ने अफगानिस्तान को हरा दियाः श्रीलंका और बांग्लादेश क्वालिफाई कर जाएंगे। अगर अफगानिस्तान ने श्रीलंका को हरा दियाः बांग्लादेश, श्रीलंका और अफगानिस्तान तीनों के 4-4 पॉइंट्स हो जाएंगे। अफगानिस्तान सबसे बेहतर नेट रन रेट के साथ क्वालिफाई कर जाएगा। श्रीलंका और बांग्लादेश में बेहतर रन रेट वाली टीम अगले राउंड में एंट्री कर लेगी। अगर बांग्लादेश को क्वालिफाई करना है तो श्रीलंका को 70 रन या उससे ज्यादा के अंतर से हारना होगा। अगर श्रीलंका की पहले बैटिंग आ गई तो टीम के 50 बॉल या उससे ज्यादा के अंतर से हारने पर ही बांग्लादेश क्वालिफाई कर पाएगी।

वर्ल्ड चैंपियनशिप फाइनल- नीरज चोपड़ा से आगे सचिन यादव,पहला थ्रो 86.27 मीटर का किया, नीरज चोपड़ा का तीसरा थ्रो फाउल

नयी दिल्ली। टोक्यो में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के जेवलिन थ्रो फाइनल में नीरज चोपड़ा ने पहला थ्रो 83.65 मीटर का थ्रो किया है। उनका दूसरा थ्रो 84.03 मीटर का रहा और तीसरा थ्रो फाउल रहा। वे अभी पाकिस्तान के अरशद नदीम से आगे चल रहे हैं। नदीम ने पहला थ्रो 82.73 मीटर का थ्रो किया है। नदीम का दूसरा थ्रो फाउल रहा है। तीसरे प्रयास में 82.75 मीटर का थ्रो किया। इन दोनों से आगे सचिन यादव हैं। सचिन ने 86.27 मीटर का पहला थ्रो किया। सचिन का दूसरा थ्रो फाउल रहा। तीसरे प्रयास में उन्होंने 85.71 मीटर का थ्रो किया। सचिन इस समय चौथे और नीरज आठवें नंबर पर हैं। नदीम 10वें नंबर पर हैं। त्रिनिदाद एंड टोबैगो के केशहॉर्न वाल्कॉट अपने दूसरे प्रयास में 87.83 मीटर के थ्रो के साथ टॉप पर चल रहे हैं।पहले प्रयास में फाइनल में पहुंचे थे नीरज एक दिन पहले क्वालिफाइंग राउंड हुआ था। इसमें 84.50 मीटर का मार्क पार करने वाले थ्रोअर को सीधा फाइनल में एंट्री मिलनी थी। नीरज ने पहले ही अटैम्प्ट में ही 84.85 मीटर के थ्रो के साथ फाइनल में जगह बना ली। अरशद को टाइम लगा। उनका पहला थ्रो 76.99 और दूसरा 74.17 मीटर का था। तीसरे थ्रो में उन्होंने 28 मीटर का थ्रो कर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। भारत के सचिन यादव ने 83.67 मीटर के बेस्ट स्कोर के साथ टॉप-12 में जगह बनाई। नीरज डिफेंडिंग वर्ल्ड चैंपियन हैं। उन्होंने 2023 में हंगरी में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप में 88.17 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड जीता था। वहीं, अरशद ने पेरिस ओलिंपिक में 92.97 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड जीता था। तब नीरज ने सिल्वर जीता था। डिफेंडिंग चैंपियन नीरज चोपड़ा ने अपने दूसरे प्रयास में 84.03 मीटर स्कोर किया है। उनसे पहले पीटर्स ने 87.38, येगो 85.54 और वीबर ने 86.11 मीटर स्कोर किया है। जेवलिन थ्रो इवेंट के फाइनल की शुरुआत जर्मनी के जुलियन वेबर ने की। उन्होंने पहले प्रयास में जर्मनी के जूलियन वेबर ने 83.63 मीटर स्कोर किया है। उनके बाद ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर ने 83.63 और पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 82.73 मीटर स्कोर किया। वहीं भारत के नीरज चोपड़ा ने 83.65 मीटर स्कोर किया। वे दूसरे नंबर पर आ गए हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम ही इस बार गोल्ड के दावेदार हैं। जर्मनी के जूलियन वेबर इस समय बेहतरीन फॉर्म में हैं। उन्होंने नीरज को पछाड़कर जुलाई में हुई डायमंड लीग का खिताब जीता था। दो बार के वर्ल्ड चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और पूर्व ओलिंपिक चैंपियन त्रिनिदाद एंड टोबैगो केशहॉर्न वाल्कॉट भी गोल्ड की रेस में होंगे। नीरज पिछले साल तक करियर में कभी 90 मीटर या इससे ऊपर का थ्रो नहीं कर पाए थे। इस साल फरवरी में दोहा डायमंड लीग में पहली बार वे 90 मीटर पार करने में सफल हुए थे। तब उन्होंने 90.23 मीटर का थ्रो फेंका था।जेवलिन थ्रो इवेंट टोक्यो के जापान नेशनल स्टेडियम में हो रहा है। इसी स्टेडियम में नीरज ने 2020 टोक्यो ओलिंपिक का गोल्ड जीता था। तब उनका बेस्ट थ्रो 87.58 मीटर का रहा था। अरशद उस इवेंट में 84.62 मीटर थ्रो के साथ पांचवें नंबर पर रहे थे। भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के ओलिंपिक चैंपियन अरशद नदीम टोक्यो में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में भिड़ेंगे। दोनों ने क्वालिफिकेशन राउंड में 84.50 मीटर से ज्यादा दूर भाला फेंका और फाइनल में जगह पक्की की। फाइनल गुरुवार को खेला जाएगा।

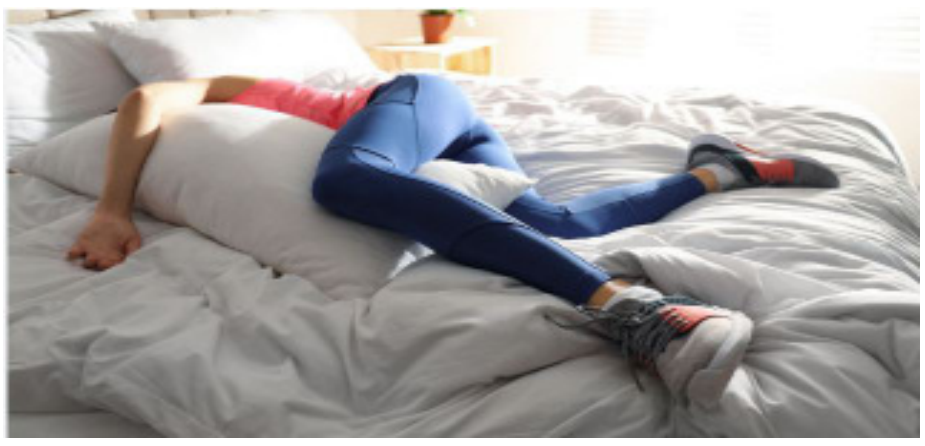

बाहर के कपड़े पहनकर सीधा बेड पर? न करें ये गलती, घर आते ही पहले बदलें कपड़े, डर्मेटोलॉजिस्ट से जानें ये क्यों जरूरी

नयी दिल्ली। दिनभर की थकान के बाद घर लौटते ही पहला ख्याल यह आता है कि बिस्तर मिले और लेट जाएं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जिन कपड़ों को पहनकर आप ऑफिस, बाजार या मेट्रो से गुजरते हैं, वही कपड़े सीधे आपके बिस्तर पर पहुंच जाएं तो क्या होगा? कई लोग इसे बिल्कुल भी स्वीकार नहीं करते और मानते हैं कि बाहर के कपड़े

गंदगी और कीटाणु लेकर आते हैं, जो नींद और स्वास्थ्य दोनों को प्रभावित कर सकते हैं। वहीं कुछ लोग कहते हैं कि यह बिल्कुल सामान्य बात है। इससे कोई खतरा नहीं है। समझते हैं सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- क्या सच में बाहर के कपड़े इतने गंदे होते हैं? जवाब- हां, बाहर पहने गए कपड़े घर के मुकाबले ज्यादा गंदे हो सकते हैं। जब आप सड़कों, ऑफिस, बाजार या पब्लिक प्लेस से होकर गुजरते हैं तो आपके कपड़े धूल, मिट्टी और बैक्टीरिया के संपर्क में आते हैं जो हमें नंगी आंखों से नहीं दिखते हैं। इंटरनेशनल लेवल पर हाइजीन से जुड़े काम देखने वाली संस्था ने घ्एँ छोटे से प्रयोग में पाया गया कि साफ पायजामे की तुलना में बाहर पहने गए जिम कपड़ों या ऑफिस के कपड़ों पर ज्यादा बैक्टीरिया पनपते हैं। यानी, साफ दिखने के बावजूद कपड़ों पर गंदगी मौजूद रहती है। सवाल- बाहर के कपड़ों में कौन-कौन से कीटाणु या गंदगी बिस्तर तक पहुंच सकती है? जवाब- बाहर बहुत सारी गंदगी हवा में उड़ती रहती है, जो हमारे कपड़ों में चिक जाती है। साथ ही पब्लिक प्लेस पर बहुत सारे लोग आते जाते रहते हैं। उनके संपर्क में आने से उनके बैक्टीरिया भी हमारे संपर्क में आ सकते हैं। जैसे मेट्रो स्टेशन के लिफ्ट की स्विच, नल का टैप, ऑफिस के दरवाजे का हैंडल आदि।

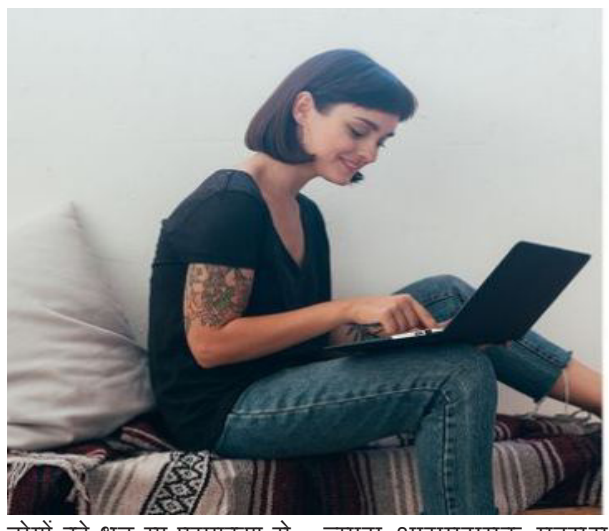

बाहर के कपड़े मुख्य रूप से तीन तरह के संक्रमण या गंदगी ला सकते हैं। सवाल- क्या इससे एलर्जी या स्किन प्रॉब्लम हो सकती है?जवाब- हां, बाहर के कपड़े पहनकर बिस्तर पर जाने से एलर्जी या त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। जिन

लोगों को धूल या परागकण से एलर्जी है, उनके लिए यह समस्या और बढ़ सकती है। बैक्टीरिया और पसीने के कारण कपड़े स्किन पर रैशेज, खुजली या फंगल इंफेक्शन तक पैदा कर सकते हैं। संवेदनशील त्वचा वाले लोगों के लिए यह और ज्यादा परेशान करने वाला होता है। हालांकि, सामान्य रूप से स्वस्थ लोगों के लिए यह खतरा बहुत बड़ा नहीं है, लेकिन समय के साथ यह असहजता और स्किन प्रॉब्लम्स बढ़ा सकता है। सवाल- किन लोगों को सबसे ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए? जवाब- हर किसी को सफाई का ध्यान रखना चाहिए, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह और भी जरूरी है। आइए इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं। सवाल- बाहर से लौटकर तुरंत कपड़े बदलना क्यों जरूरी है? जवाब- बाहर के कपड़े बदलने से आप धूल, बैक्टीरिया और एलर्जन को अपने बिस्तर और सोफे तक पहुंचने से रोकते हैं। इससे बिस्तर ज्यादा समय तक साफ और ताजा बना रहता है।मानसिक सुकून भी मिलता है क्योंकि आपको लगता है कि आप एक साफ माहौल में आराम कर रहे हैं। कई एक्सपर्ट मानते हैं कि साफ कपड़ों में सोने से नींद की गुणवत्ता बेहतर हो जाती है। सवाल- क्या कभी-कभी झपकी लेने के लिए बाहर के कपड़ों में बिस्तर पर जाना गलत है?जवाब- नहीं इससे बिस्तर जल्दी गंदा होगा और एलर्जी का खतरा बढ़ सकता है। मानसिक रूप से भी साफ कपड़ों में लेटना ज्यादा आरामदायक महसूस होता है। सवाल- घर और बिस्तर को साफ-सुथरा रखने के लिए कौन-सी बेसिक हाइजीन अपनानी चाहिए? जवाब- घर और बिस्तर को साफ-सुथरा रखने के लिए कुछ बेसिक हाइजीन का ख्याल रखना जरूरी है। सवाल- रोजमर्रा के कपड़े जैसे चादर-ब्लैंकेट कितनी बार धोना चाहिए ताकि संक्रमण से बचा जा सके? जवाब- रोजमर्रा के कपड़े 2-3 बार पहनने के बाद धोने चाहिए। जिम या पसीने वाले कपड़े हर बार धोना जरूरी है। चादर और तकिये का कवर हफ्ते में कम से कम एक बार धोना चाहिए। अगर घर में एलर्जी वाले लोग हैं तो हफ्ते में दो बार भी धो सकते हैं। कंबल और रजाई जैसे कपड़ों की क्लीनिंग सीजन में कम से कम दो से तीन बार होनी चाहिए।

सईम अयूब ने लगाई जीरो की हैट्रिक,कान पर गेंद लगने के बाद रिप्लेस हुए अंपायर, वसीम का बेहतरीन रनिंग कैच-मोमेंट्स

नयी दिल्ली। एशिया कप में बुधवार को ग्रुप-ए में पाकिस्तान ने यूएई ने को हरा दिया। इसी के साथ टीम ने सुपर-4 स्टेज में जगह भी बना ली। पाकिस्तानी ओपनर सईम अयूब लगातार तीसरे टी-20 में जीरो पर आउट हुए। वहीं कान पर गेंद लगने के बाद बीच मैच में फील्ड अंपायर को रिप्लेस कर दिया गया। यूएई बनाम पाक मैच के टॉप मोमेंट्स- 1. डीआरएस के कारण बचे साहिबजादा फरहान पाकिस्तान के ओपनिंग बैटर साहिबजादा फरहान पहले ओवर में डीआरएस के कारण आउट होने से बच गए। ओवर की दूसरी गेंद जुनैद सिद्दीकी ने गुड लेंथ पर लेग स्टंप की ओर फेंकी। गेंद फरहान के पैड्स पर लगी, यूएई ने एलबीडब्लू की अपील की और अंपायर ने आउट का फैसला दे दिया। फरहान ने रिव्यू लिया, रिप्ले में नजर आया कि गेंद ज्यादा उछाल के कारण स्टंप्स को मिस करते हुए निकल गई। अंपायर ने अपना फैसला बदला और फरहान आउट होने से बच गए। हालांकि, तीसरे ही ओवर में फरहान 5 रन बनाकर आउट हो गए। 2. सईम अयूब का लगातार तीसरा डक पाकिस्तान के लेफ्ट हैंड ओपनर सईम अयूब एशिया कप के लगातार तीसरे मैच में खाता नहीं खोल सके। इस बार वे दूसरी गेंद पर आउट हुए। पहले ओवर की पांचवीं गेंद पर जुनैद सिद्दीकी ने उन्हें थर्ड मैन पोजिशन पर कैच कराया। अयूब भारत और ओमान के खिलाफ पहली-पहली गेंद पर ही आउट हो गए थे। 3. मोहम्मद वसीम ने नवाज का बेहतरीन रनिंग कैच पकड़ा 17वें ओवर में पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद वसीम ने पीछे की ओर दौड़कर बेहतरीन रनिंग कैच पकड़ा। ओवर की पांचवीं बॉल जुनैद सिद्दीकी ने फुलर लेंथ पर स्लोअर फेंकी। मोहम्मद नवाज ने मिड-ऑफ के ऊपर से शॉट खेला, यहां यूएई कप्तान वसीम बाउंड्री की ओर दौड़े और डाइव लगाकर बेहतरीन कैच पकड़ लिया। नवाज 4 रन बनाकर आउट हुए। 4. मोहम्मद नवाज ने बेहतरीन रनिंग कैच पकड़ा यूएई की बैटिंग में पाकिस्तान के मोहम्मद नवाज ने बेहतरीन रनिंग कैच पकड़ा। पांचवें ओवर की तीसरी बॉल अबरार अहमद ने ऑफ स्टंप के बाहर कैरम फेंकी।

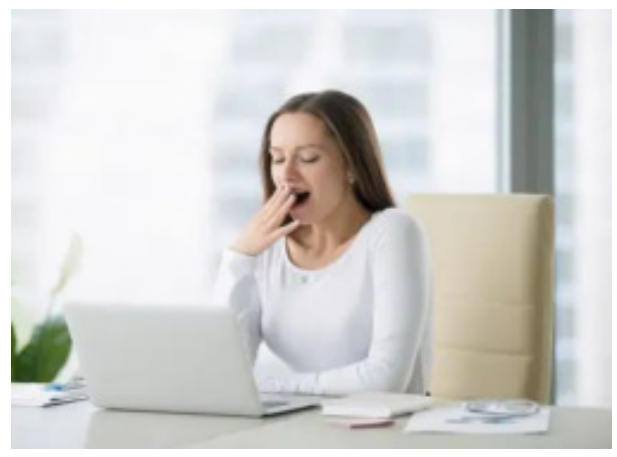

क्या आपको बहुत ज्यादा जम्हाई आती है:हो सकता है इन 7 हेल्थ प्रॉब्लम्स का संकेत

नयी दिल्ली। जम्हाई लेना हमारे शरीर की एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। यह अक्सर थकान, नींद या बोरियत की वजह से होती है। लेकिन अगर लगातार और बिना किसी वजह के बहुत ज्यादा जम्हाई आती है तो यह हार्ट डिजीज से लेकर न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर तक किसी अंदरूनी स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकती है। कभी-कभार ऐसा होना तो सामान्य है। लेकिन अगर नियमित रूप से बहुत ज्यादा जम्हाई आती है तो इसे नजर अंदाज नहीं करना चाहिए। हालांकि कुछ आसान उपायों से इससे राहत मिल सकती है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, जम्हाई आराम की भावना से जुड़ी होती है। इसे लंबे समय से बोरियत का संकेत माना जाता रहा है। यह संक्रामक भी है क्योंकि जम्हाई के बारे में देखने, सुनने, पढ़ने या यहां तक कि सोचने से भी जम्हाई आ सकती है। मामले को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. संचयन रॉय, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी से। सवाल जवाब के माध्यम से- सवालः जम्हाई क्या है? जवाब- जम्हाई वह प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपना मुंह चौड़ा खोलकर गहरी सांस अंदर लेता हैं और फिर छोड़ता है। यह ज्यादातर अनजाने में होती है यानी इसे रोकना मुश्किल होता है। अंग्रेजी में इसे ऑसीटेशन कहा जाता है। एक जम्हाई लगभग 4-7 सेकेंड तक चलती है और इसमें गले, मुंह और चेहरे की मांसपेशियां खिंचती हैं। यह अक्सर थकान, नींद या ऊब के कारण होती है। सवाल- उबासी या जम्हाई आने के क्या कारण हैं? जवाब- इसके कई कारण हो सकते हैं, जो अक्सर शरीर और ब्रेन की जरूरतों से जुड़े होते हैं। नींद की कमी- जब पर्याप्त नींद नहीं मिलती तो शरीर थकान महसूस करता है। इस थकान को दूर करने और शरीर को जगाए रखने के लिए उबासी आती है। मानसिक थकान या बोरियत- जब आप किसी नीरस काम में लगे होते हैं या दिमाग थक जाता है तो उबासी आ सकती है। यह दिमाग को फिर से एक्टिव करने का एक तरीका हो सकता है।ऑक्सीजन की कमी- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने पर भी उबासी आती है ताकि फेफड़ों में ज्यादा हवा भरी जा सके और ब्रेन तक ज्यादा ऑक्सीजन पहुंच सके। संक्रामक उबासी- किसी दूसरे व्यक्ति को उबासी लेते हुए देखने या सुनने पर हमें भी उबासी आ सकती है। यह सामाजिक व्यवहार का एक हिस्सा माना जाता है। कुछ दवाओं के कारण- कुछ खास दवाएं जैसे कि डिप्रेशन या दर्द की दवाएं भी उबासी का कारण बन सकती हैं।

सवाल- बहुत ज्यादा जम्हाई किन स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकती है? जवाब- भले ही जम्हाई आने के सबसे आम कारण थकान, सुस्ती या बोरियत हों। लेकिन यह कुछ अंदरूनी समस्याओं से भी जुड़ी हो सकती है। ऑक्सीजन की कमी- फेफड़ों से जुड़ी बीमारी या स्लीप एप्निया जैसी स्थितियां शरीर में ऑक्सीजन के लेवल को कम कर सकती हैं, जिससे ज्यादा ऑक्सीजन लेने के लिए बार-बार जम्हाई आती है। आयरन की कमी- शरीर में आयरन की कमी होने पर खून में ऑक्सीजन का संचार ठीक से नहीं हो पाता है। इस कमी को पूरा करने के लिए शरीर ज्यादा जम्हाई लेता है। मेटाबॉलिक या लिवर प्रॉब्लम्स- लिवर फेलियर या मेटाबॉलिज्म में गड़बड़ी भी ज्यादा थकान और जम्हाई का कारण बन सकती है। हार्ट संबंधी समस्याएं- कुछ मामलों में बहुत ज्यादा जम्हाई का संबंध हार्ट डिजीज से हो सकता है। यह वेगस नर्व के उत्तेजित होने के कारण हो सकता है। न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर- मिर्गी, मल्टीपल स्क्लेरोसिस या ब्रेन ट्यूमर जैसे न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर भी ब्रेन के संकेतों को प्रभावित कर सकती हैं। इससे जम्हाई की प्रक्रिया असामान्य हो जाती है। स्लीप डिसऑर्डर-स्लीप एन्निया के कारण भी बार-बार जम्हाई आ सकती है क्योंकि शरीर को अनिद्रा या दिन के दौरान अचानक आने वाली नींद से जूझना पड़ता है। मेंटल हेल्थ इशू- एंग्जाइटी या स्ट्रेस भी बार-बार जम्हाई का कारण बन सकते हैं क्योंकि शरीर भावनात्मक तनाव पर प्रतिक्रिया करता है। सवाल- किस स्थिति में डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है? जवाब- अगर जम्हाई के साथ कुछ अन्य लक्षण भी हों तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। जैसेकि- सीने में दर्द, चक्कर आना या सांस लेने में दिक्कत होना। कमजोरी, सुन्नता या अचानक संतुलन खोना। धुंधला दिखना, कन्फ्यूजन या बोलने में लड़खड़ाहट होना। गंभीर सिरदर्द या बेहोश होना। सवाल- कौन सी चीजें जम्हाई को ट्रिगर कर सकती हैं? जवाब- थकान, भूख, तनाव और किसी को जम्हाई लेते देखना, ये सभी जम्हाई को ट्रिगर करते हैं। सवाल- जम्हाई लेते वक्त कभी-कभी आंखों से पानी क्यों निकलता है? जवाब- जम्हाई के दौरान चेहरे की मांसपेशियां जोर से खिंचती हैं। जब ये मांसपेशियां खिंचती हैं तो आंखों के पास मौजूद आंसू की ग्रंथियों पर दबाव पड़ता है। इस दबाव के कारण ग्रंथियों से आंसू निकलने लगते हैं। सवाल- अगर जम्हाई ज्यादा आती है तो इससे राहत पाने के लिए क्या करना चाहिए? जवाब- अगर बिना किसी खास कारण के बहुत ज्यादा जम्हाई

आती है तो कुछ आसान उपायों से इसे कम कर सकते हैं।सवाल- एक दिन में कितनी बार जम्हाई लेना सामान्य है? जवाब- आमतौर पर एक स्वस्थ व्यक्ति दिन में 5 से 10 बार जम्हाई लेता है, जिसे सामान्य माना जाता है। हालांकि यह संख्या हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकती है। यह समय, थकान, नींद की पर निर्भर है। अगर दिन में 15 मिनट के अंदर 3 से ज्यादा बार जम्हाई आती है या यह इतनी ज्यादा है कि रोजमर्रा के काम में रुकावट आने लगे तो इसे असामान्य माना जा सकता है।

वर्ल्ड चैंपियनशिप फाइनल- पाकिस्तान के अरशद नदीम बाहर

नयी दिल्ली। टोक्यो में चल रही वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के जेवलिन थ्रो फाइनल में नीरज चोपड़ा आठवें स्थान पर चल रहे हैं। वहीं, ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट पाकिस्तान के अरशद नदीम मेडल की रेस से बाहर हो चुके हैं। एक अन्य भारतीय थ्रोअर सचिन यादव चौथे नंबर पर चल रहे हैं। नीरज चोपड़ा ने पहला थ्रो 83.65 मीटर का थ्रो किया। उनका दूसरा थ्रो 84.03 मीटर का रहा और तीसरा थ्रो फाउल रहा। चौथे प्रयास में उन्होंने 82.86 मीटर का थ्रो किया। इस तरह चार राउंड के बाद उनका बेस्ट स्कोर 83.65 मीटर का रहा। नदीम ने पहला थ्रो 82.75 मीटर का थ्रो किया था। नदीम का दूसरा थ्रो फाउल रहा है। तीसरे प्रयास में 82.73 मीटर का थ्रो किया। उनका चौथा प्रयास फाउल रहा और वे 10वें नंबर पर रहते हुए मेडल की रेस से बाहर हो गए। इन दोनों से आगे सचिन यादव हैं। सचिन ने 86.27 मीटर का पहला थ्रो किया। सचिन का दूसरा थ्रो फाउल रहा। तीसरे प्रयास में उन्होंने 85.71 मीटर का थ्रो किया। उनका चौथा थ्रो 84.90 मीटर का रहा। त्रिनिदाद एंड टोबैगो के केशॉर्न वाल्कॉट अपने दूसरे प्रयास में 87.83 मीटर के थ्रो के साथ टॉप पर चल रहे हैं। तीन थ्रो के बाद 11वें और 12वें नंबर पर मौजूद थ्रोअर रेस से बाहर हो चुके हैं। चौथे थ्रो के बाद नौवें और 10वें नंबर के थ्रोअर बाहर हो गए। पहले प्रयास में फाइनल में पहुंचे थे नीरज-एक दिन पहले क्वालिफाइंग राउंड हुआ था। इसमें 84.50 मीटर का मार्क पार करने वाले थ्रोअर को सीधा फाइनल में एंट्री मिलनी थी। नीरज ने पहले ही अटैम्प्ट में ही 84.85 मीटर के थ्रो के साथ फाइनल में जगह बना ली। अरशद को टाइम लगा। उनका पहला थ्रो 76.99 और दूसरा 74.17 मीटर का था। तीसरे थ्रो में उन्होंने 28 मीटर का थ्रो कर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। भारत के सचिन यादव ने 83.67 मीटर के बेस्ट स्कोर के साथ टॉप-12 में जगह बनाई। नीरज डिफेंडिंग वर्ल्ड चैंपियन हैं। उन्होंने 2023 में हंगरी में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप में 88.17 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड जीता था। वहीं, अरशद ने पेरिस ओलिंपिक में 92.97 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड जीता था। तब नीरज ने सिल्वर जीता था।

अच्छे पैरेन्ट्स बच्चों की जरूरतें पूरी करते हैं, चाहत नहीं!

7 साल की समायरा मुम्बई के चेम्बूर में एक बड़े रिटेल स्टोर की शेल्फ के बीच में खड़ी थी। उसने अपनी मां अमृता से पूछा, 'मम्मी मुझे ये मिठाई चाहिए'। अमृता ने इधर-उधर देखा और पाया कि वहां समायरा के कद का एक और बच्चा पहले से मिठाई खा रहा था और इसीलिए उसकी बच्ची ने भी उसी मिठाई की मांग की। वह जानती थी कि इस उम्र में यह स्वाभाविक है कि बच्चों को वो सब चाहिए, जो साथियों के पास है।अमृता ने ग्रोसरी शेल्फ की ओर देखना बंद किया, हालांकि उसे पता था कि वह लेट हो रही थी और उसे सिर्फ दो और चीजें ही लेनी थी और घर जाना था क्योंकि मेहमान लंच पर आने वाले थे। लेकिन अपनी बेटी की मांग पर सख्ती से 'ना' कहने या उसकी मांग के आगे झुक जाने के बजाय उसने अपने काम को रोकने और बेटी से बात करने का फैसला किया।वह थोड़ा झुकी और समायरा की आंखों में आंखें डालकर बोली 'बताओ बच्चा' (सख्त स्वर में), ईमानदारी से बताओ (करुण स्वर में) तुम्हें इस मिठाई की जरूरत है (सामान्य स्वर में) या...तुम बस इसे लेना चाहती हो? (जिज्ञासु स्वर में, जैसे मां को जवाब पता नहीं)।' समायरा शर्माती सी उसके कंधे पर टिक गई, और धीमे स्वर में दूसरे बच्चे की ओर अंगुली करते हुए बोली 'उसके पास ऐसी मिठाई है'।अब इस मोलभाव में मां का पक्ष मजबूत था। अमृता ने कहा, 'कोई बात नहीं, तुम्हें खाने के लिए मिठाई चाहिए। हमारे फ्रिज में रखीं हैं। हम घर जा रहे हैं, यदि तब भी

तुम्हें लगे कि ये खानी है, तुम हमेशा ले सकती हो। पर सिर्फ इसलिए कि किसी दूसरे के पास यह है, इसका मतलब यह नहीं कि हमारे पास भी वही होनी चाहिए।'स्टोर में कोई नहीं जानता कि समायरा इन गहरे शब्दों को समझ पाई या नहीं, लेकिन दूसरे बच्चे की मां अमृता के पास आई और उसकी तारीफ की। अमृता ने जल्दी से वो चीजें ली, जो वो चाहती थी और समायरा भी एक मेमने की तरह मां के पीछे खुशी-खुशी, नाचती हुई चलती दिख रही थी।समायरा के पिता समीर और मां अमृता से ही उसे अपना नाम मिला। दोनों ही बैंकर हैं और ऊंचे पद पर हैं और मुम्बई की सबसे पॉश कॉलोनी में रहते हैं, इसलिए उनके लिए अफॉर्डेबिलिटी कभी कोई मसला नहीं रहा। फिर भी समायरा को वह सब कुछ नहीं मिलता, जो वह चाहती है।यही उनकी परवरिश की खूबसूरती है। दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली समायरा के दादा-दादी ने इस रविवार को मुझे और मेरी पत्नी को दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया। इसी कारण मैं इस वाकिये के बारे में जान पाया।अमृता ने कहा,'माता-पिता बच्चों के सुखद बचपन के निर्माण के लिए नियमित प्रयास करते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि बढ़ते बच्चों की जरूरतों का ध्यान रखा जाए और वो सबकुछ दिया जाए, जिसकी उन्हें जरूरत है। लेकिन ठीक उसी समय, इच्छाओं व सनक के बीच महीन रेखा होती है, और पैरेंन्ट्स को चाहिए कि वे अपने बच्चों को इस अंतर के बारे में समझाने की जिम्मेदारी लें।जब उन्हें सब मिल जाता है तो एक समय पर वह बहुत सी चीजों के प्रति लालची हो जाते हैं। यह जरूरी है कि वे बड़े होने पर आवश्यकता और चाहत के बीच के अंतर को समझे। यह सब बताते हुए अमृता ने ये भी कहा कि मैं खुद को कभी नहीं रोकती, मैं बेटी की जरूरतें पूरी करती हूं, उसके बचपन में चमक बिखेरने वाले गिफ्ट देती हूं और उसे उनका आनंद लेने देती हूं।लेकिन सिर्फ माता-पिता ही यह जानते हैं कि कब बच्चा थोड़ा जिद्दी हो रहा है और यही वह समय होता है जब बच्चों को यह सीख देनी होती है कि 'अपनी जरूरतों को जानो'। समायरा के पैरेंट्स से बातचीत में मुझे एहसास हुआ कि वे मेरी पीढ़ी की तुलना में अधिक बेहतर माता-पिता हैं। उसी समय मैंने निर्णय किया कि अगली 'गुड पैरेंटिंग' सेमिनार में उन्हें बुलाया जाना चाहिए।फंडा यह है कि जरूरतों को प्राथमिकता के स्तर पर तय करने से किसी बच्चे को यह समझने में सहायता मिलती है कि उसे किस चीज की जरूरत है और कौन-सी चीज सिर्फ उसकी चाहत है। इससे उनमें एहसानमंद होने और संतोष की भावना विकसित होती है। इससे बच्चा जिम्मेदारी, मुसीबतों से पार पाने की क्षमता और कठिन परिश्रम के महत्व जैसे जीवन के मूल्यवान सबक भी सीखता है।

अमेरिका को अपनी कम्पनी की तरह चला रहे हैं ट्रम्प

वॉल स्ट्रीट के विश्लेषकों ने यह मजाक करना शुरू कर दिया है कि ट्रम्प के व्यवहार को भांपने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप 'टाको ट्रेड' का अभ्यास करें। इसका अर्थ है 'ट्रम्प ऑलवेज चिकन आउट'। यानी जरूरत पड़ने पर ट्रम्प हमेशा बच निकलते हैं। इशारा यह है कि ट्रम्प चाहे जितने जोर-शोर से टैरिफ की घोषणा करें, वे देर-सबेर उससे मुकर जाएंगे।एक दिन वे यूक्रेन को अपने से दूर कर रहे होते हैं, अगले दिन यूक्रेन पर खनिज सौदे के लिए दवाब बना रहे होते हैं, फिर तीसरे दिन यूक्रेन फिर से उनकी योजनाओं में शामिल हो जाता है। एक दिन व्लादिमीर पुतिन ट्रम्प के दोस्त होते हैं, अगले ही दिन ट्रम्प उन्हें 'क्रेजी' बता देते हैं।एक दिन कनाडा अमेरिका का 51वां स्टेट होता है, अगले दिन वह टैरिफ का निशाना बन जाता है। एक दिन ट्रम्प कहते हैं कि वे सबसे अच्छे लोगों को नियुक्त करते हैं, अगले ही दिन नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल से 100 से अधिक विशेषज्ञों को निकाल दिया जाता है, जबकि उनमें से कई तो कुछ सप्ताह पहले ही भर्ती किए गए थे।यही बात इलॉन मस्क के बारे में भी कही जा सकती है। एक दिन वे वर्जीनिया गोल्फ क्लब में अपने मीमकॉइन के सबसे बड़े खरीदारों के लिए समारोह आयोजित करते हैं, जिन्होंने प्रेसिडेंशियल सील के पीछे खड़ा होकर उनकी बात सुनने का मौका पाने के? लिए 148 मिलियन डॉलर खर्च कर दिए थे। और व्हाइट हाउस

प्रवक्ता का कहना है कि यह भ्रष्टाचार नहीं है, क्योंकि राष्ट्रपति ने अपने निजी समय में इस आयोजन में हिस्सा लिया था।ट्रम्प फिलहाल अपनी निजी सनकों के आधार पर राज कर रहे हैं। उनकी सरपरस्ती में सरकारी एजेंसियों के बीच बहुत कम या नगण्य तालमेल नजर आता है। वे प्राधिकार की किसी वास्तविक सीमा का सम्मान नहीं करते, जिसमें उनके गोल्फ के साथी (स्टीव विट्कॉफ) विदेश मंत्री की तरह काम करने लगते हैं और उनके विदेश मंत्री मार्को रूबियो पनामा में उनके राजदूत की भूमिका निभाने लगते हैं।जो भी उन्हें रोकने की कोशिश करता है, वे उसे कोर्ट में जाने के लिए मजबूर करते हैं। उनकी कार्यशैली ऐसी है कि कानूनी जिम्मेदारियों और निजी समृद्धता के बीच की मर्यादाएं गड्डमड्ड हो गई हैं। यह सब हमें क्या बताता है? यह नहीं कि हम एक पारम्परिक अमेरिकी प्रशासन द्वारा शासित नहीं हो रहे हैं। बल्कि यह कि हम पर ट्रम्प ऑर्गेनाइजेशन इनकॉर्पोरेशन का राज है!अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प खुद को ऐसे लोगों से घिरा हुआ रखते थे, जो उन्हें किसी सम्भावित नुकसान से बचा सकें। लेकिन अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने अपने चारों ओर सिर्फ और सिर्फ चाटुकारों की फौज जमा कर रखी है।पहले कार्यकाल में उन्होंने अराजकतापूर्ण शैली से ही सही, लेकिन मानकों के अनुरूप शासन किया था। लेकिन दूसरे कार्यकाल में वे बिना किसी रोकटोक के अमेरिकी सरकार को इस तरह से चला रहे हैं, जैसे कि वे अपनी निजी कम्पनी को चला रहे हों। केवल बाजार और अदालतें ही उन्हें रोकने में सक्षम हैं। इसमें बहुत हद तक डेमोक्रेट्स की अपनी कमजोरी का भी योगदान है।पद सम्भालने के कुछ ही हफ्तों बाद ट्रंप ने ऑटो इंडस्ट्री से कोई गंभीर सलाह-मशविरा किए बिना ही ग्लोबल टैरिफ की कई घोषणाएं कर दीं। इसी बीच, उन्हें पता चला कि लोकप्रिय फोर्ड एफ-150 के केवल एक-तिहाई पुर्जे ही अमेरिका में बनते हैं और इन्हें कभी भी बहुत जल्दी नहीं बदला जा सकता। टैरिफ घोषणाओं से ऑटो इंडस्ट्री को बड़ा धक्का पहुंचा और फोर्ड, जनरल मोटर्स और स्टेलेंटिस जैसी कंपनियों ने घोषणा की कि टैरिफ को लेकर असमंजस और सप्लाई-चेन गड़बड़ाने की संभावना के चलते वे इस साल की शेष अवधि के लिए आय के पूर्वानुमान नहीं बता सकतीं। फिर जैसा कि पूर्वानुमान था, चीन ने ट्रम्प द्वारा 145 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर प्रतिक्रिया दी। टाइम्स के बीजिंग संवाददाता कीथ ब्राडशर ने अपनी हाल की रिपोर्ट में बताया है कि बीजिंग ने अचानक से रेयर अर्थ मैग्नेट का निर्यात रोक दिया है, जो अमेरिका में निर्मित होने वाली कारों, ड्रोन्स, रोबोट और मिसाइल में काम आता है। अब ट्रम्प यदि चीन पर लगाए टैरिफ पर कोई सौदेबाजी नहीं कर पाते हैं तो अमेरिकी कार फैक्ट्रियों को आगामी दिनों या हफ्तों में उत्पादन में कटौती करना पड़ सकती है। आपको क्या लगता है इस बात की कितनी सम्भावना है कि ट्रम्प ने चीन पर टैरिफ लगाने के बाद होने वाले परिणामों से निपटने के बारे में पहले से सोच लिया होगा? मैं शर्तिया कहता हूं कि कतई नहीं। उन्होंने बस मनमानी की है। अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प खुद को ऐसे लोगों से घिरा हुआ रखते थे, जो उन्हें किसी सम्भावित नुकसान से बचा सकें। लेकिन दूसरे कार्यकाल में उन्होंने अपने चारों ओर सिर्फ चाटुकारों की फौज जमा कर रखी है।

देश में गरीबी घट रही है और इस पर दुनिया की नजर है

क्या भारत में गरीबी दर घट रही है? और अगर ऐसा है, तो की है।इसमें कहा गया है कि भारत

सरकार अभी भी 80 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? पहले सवाल का जवाब है-हां, भारत में गरीबी दर वाकई घट रही है, और पहले से कहीं ज्यादा तेजी से। आरबीआई के पूर्व गवर्नर सी. रंगराजन की अध्यक्षता वाली समिति की नई रिपोर्ट के अनुसार गरीबी दर 2011-12 में 29.5फीसदी थी, जो 2023-24 में घटकर 4.9फीसदी हो गई है। यह एक असाधारण गिरावट है। रंगराजन कहते हैं गिरावट की दर पिछले 12 साल की अवधि में 2.02फीसदी प्रति वर्ष रही है।तब सवाल उठता है कि अगर पिछले 12 सालों में गरीबी में इतनी नाटकीय गिरावट आई है, तो सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 806.7 मिलियन भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? इसका जवाब आंशिक रूप से राजनीतिक और आंशिक रूप से वैज्ञानिक है। मुफ्त खाद्यान्न योजना को गरीबों के वोटों के लिए शुरू किया गया था, लेकिन यह पोषण संबंधी सप्लीमेंट के लिए भी थी।सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) एक प्रसिद्ध पत्रिका डाउन टु अर्थ प्रकाशित करता है। इसने एक रिपोर्ट का हवाला दिया कि भारत में हर साल 17 लाख से ज्यादा लोगों की कुपोषण से मृत्यु हो जाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 71फीसदी भारतीय पौष्टिक भोजन नहीं खरीद सकते।हालांकि गरीबी दर गिरकर 4.9फीसदी हो गई है, लेकिन पोषण एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। गरीब भारतीयों का एक बड़ा हिस्सा पौष्टिक आहार नहीं खरीद सकता। इसलिए मुफ्त खाद्यान्न सहायता दी जाती है। बचे हुए पैसों को ज्यादा पौष्टिक भोजन पर लगाया जा सकता है।जैसा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी सेनेटर एलिसा स्लोटकिन से कहा- सेनेटर, आपने कहा कि लोकतंत्र आपकी मेज पर भोजन नहीं लाता। वास्तव में, दुनिया के जिस हिस्से में मैं रहता हूं, वहां ऐसा होता है। आज चूंकि हम एक लोकतांत्रिक समाज हैं, इसलिए हम 800 मिलियन से ज्यादा लोगों को पोषण-सहायता और भोजन देते हैं।विश्व बैंक ने भी भारतीय गरीबी में गिरावट की पुष्टि की है। इंडियन एक्सप्रेस में लिखते हुए सी. रंगराजन और एस. महेंद्र देव (प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष) ने बताया कि विश्व बैंक ने हाल ही में 100 से अधिक विकासशील देशों के लिए गरीबी और समानता संबंधी संक्षिप्त रिपोर्ट जारी ने पिछले दशक में गरीबी में उल्लेखनीय कमी की है। अत्यधिक गरीबी (क्रय शक्ति समता के संदर्भ में प्रतिदिन 2.15 डॉलर से कम पर जीवन यापन करना) 2011-12 में 16.2फीसदी से घटकर 2022-23 में 2.3फीसदी हो गई। इस अवधि में 17 करोड़ से अधिक लोग अत्यधिक गरीबी की स्थिति से ऊपर उठ गए।निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए गरीबी रेखा के मानदंड से नीचे के लोगों की संख्या (प्रतिदिन 3.65 डॉलर) 61.8फीसदी से घटकर 28.1फीसदी हो गई। यदि गरीबी को परिभाषित करने के लिए घरेलू आय का कट-ऑफ स्तर बढ़ा दिया जाए, तो गरीबी दर तेजी से बढ़कर 28.1फीसदी हो जाती है। यह लगभग 50 करोड़ भारतीयों का जनसांख्यिकीय समूह है, जिसे पोषण संबंधी सहायता की आवश्यकता है।प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत अतिरिक्त 30 करोड़ और लोगों को शामिल किया गया है, ताकि स्पष्ट चुनावी लाभ के साथ व्यापक जनसांख्यिकीय समूह तक भी पहुंचा जा सके। भारत में गरीबी के निरंतर प्रसार के बावजूद गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में कमी देखी जा सकती है।1947 में स्वतंत्रता के बाद से भारत में अकाल नहीं पड़ा है। जबकि ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के 190 वर्षों के दौरान 31 बड़े अकाल पड़े थे, जिनमें से आखिरी 1943 का बंगाल अकाल था। उसमें 30 लाख लोग मारे गए थे।रंगराजन गरीबी दर में गिरावट को जीडीपी में वृद्धि से सही ढंग से जोड़ते हैं। वे लिखते हैं कि गरीबी का निर्धारण जीडीपी वृद्धि, कीमतों और सेफ्टी नेट जैसे फैक्टर्स से होता है। जीडीपी वृद्धि 2022-23 में 7.6इ से बढ़कर 2023-24 में 9.2फीसदी हो गई, यानी एक वर्ष में 1.6फीसदी की वृद्धि।उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) 2022-23 में 6.7फीसदी से घटकर 2023-24 में 5.4फीसदी हो गया यानी 1.3फीसदी अंकों की गिरावट। हालांकि इसी अवधि के दौरान खाद्य मुद्रास्फीति 6.6फीसदी से बढ़कर 7.5फीसदी हो गई है। ऐसे में लगता नहीं कि अगले चरण में कल्याणकारी कार्यक्रमों में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होगा।भारत की कम प्रति व्यक्ति आय (2,900 डॉलर) की ओर इशारा किया जाता है। पर इसकी सही माप क्रय शक्ति समता पर आधारित है। मुंबई में 500 रु. में हवाई अड्डे से शहर तक पहुंचा जा सकता है, टोक्यो में 5,000 रु. लगते हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

बड़ा दिल रखने के लिए पैसा नहीं, मंशा चाहिए!

'इंडिया का आखिरी होटल है। आइए, थोड़ा चाय-समोसा लीजिए, कोल्ड ड्रिंक पीजिए। अभी कार्यक्रम शुरू होने में काफी समय है।' मैं इस जगह पर कई बार आया हूं, लेकिन ये शब्द कभी नहीं सुने।

इसलिए मैं इस आवाज को लगाने वाले बख्शीश सिंह से मिलने के लिए कार से उतरा, जो अपने बड़े भाई के नाम से 'बलजीत फूड कॉर्नर' नामक ढाबा चलाते हैं।मैंने चारों ओर निगाह डाली। वह झूठ नहीं बोल रहे थे। वास्तव में उनका ढाबा भारत और पाकिस्तान की सीमा को बांटने वाली जीरो माइल पर बने लोहे के विशाल गेट से पहले आखिरी था, इस गेट की सुरक्षा हमारी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) करती है। चाय की चुस्की लेते हुए लोग, दोनों देशों को विभाजित करने वाले लोहे के दो मजबूत दरवाजों से पहले बने कड़ी सुरक्षा वाले कॉन्क्रीट के गेट देख सकते हैं।इस शनिवार की शाम को मैं 'सीमित हो गई' बीटिंग रिट्रीट समारोह को देखने के लिए वाघा-अटारी सीमा पर था। पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा कारणों से 12 दिन निलंबित रहा ये समारोह 20 मई 2025 को फिर से बहाल हुआ था।मैं इस प्रतिष्ठित समारोह को देखना चाहता था, हालांकि इसमें अब लोहे के दरवाजे बंद ही रहते हैं और बीएसएफ तथा पाकिस्तानी रेंजरों के बीच पारंपरिक तौर पर होने वाली हाथ मिलाने की प्रक्रिया भी बंद कर दी गई है।सीमा से 300 फीट दूर खड़े होकर बख्शीश द्वारा परोसी गई चाय का स्वाद लेते हुए मैं ग्राहकों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता देख रहा था। वह दिन में महज 2 से 3 घंटे ही व्यापार करते हैं, जब भीड़ बीटिंग रिट्रीट में देशभक्ति भरे नजारे को देखने आती है और सूर्यास्त के साथ झंडा उतरते ही वापस लौट जाती है।वह जानते हैं यहां उन्हीं ग्राहकों के दोबारा आने की संभावना बहुत कम है। पर फिर भी अपनी सफेद दाढ़ी के पीछे चमकते दांतों वाली चौड़ी मुस्कान व सत्कार के साथ ग्राहकों को प्रभावित करने का कोई मौका वह नहीं चूकते। हालांकि उनकी यह अस्थाई दुकान, खाने की जरूरी चीजें बेचने वाली आखिरी ईटरी है, फिर भी मैंने उन्हें कोई भी सामान महंगे दामों पर बेचते हुए नहीं देखा।ये देखकर भरोसा कितना बढ़ जाता है, जब बख्शीश का परिवार हर गिलास को चमकाने में गर्व का अनुभव करता है! चूंकि उनके ढाबे में डिस्पोजेबल गिलास का उपयोग नहीं होता, इसलिए उनका परिवार चाय के हर गिलास को बड़े धैर्य से साफ कर रहा था। यहां तक कि वह खुद पर्यटकों से कह रहे थे कि वे उनसे खरीदी पानी की खाली बोतलें यहां-वहां फेंककर गंदगी न रें।बीएसएफ के जवान भी लोगों से गंदगी नहीं फैलाने का आग्रह कर रहे थे। यकीन मानिए बख्शीश सिंह ज्यादा कमाई नहीं कर रहे थे। उनके और उनके घरवालों के कपड़े इस बात का सुबूत थे कि वे बस गुजारा चला रहे थे, लेकिन देश के प्रति उनका प्यार और देशवासियों के प्रति भाईचारा एक अलग ही स्तर पर था।उनके व्यापारिक कौशल में दया की एक मोटी पर्त थी, जो आम तौर पर स्वर्ण मंदिर कहे जाने वाले श्रीहरमिन्दर साहिब के 'लंगर' में दिखती है। जबकि गृहस्थी के गुजारे के लिए लाभ कमाने की मंशा बहुत कम दिख रही थी। ग्राहकों के पास भले ही बिल चुकाते वक्त पांच रुपए के छुट्टे नहीं हों, तब भी वह उसी मुस्कान के साथ उनको बाय बोल रहे थे।यह देखकर मुझे देश के बड़े हवाई अड्डों पर स्थित 'वांगो' जैसे चमक-धमक वाले रेस्तरां याद आ गए, जिनके डिस्प्ले बोर्ड पर लिखा होता है कि वे गर्म कॉफी पीतल के गिलास में परोसते हैं, जबकि वास्तव में वे इसे प्लास्टिक के गिलास में देते हैं। जिससे फिल्टर कॉफी नुकसानदेह हो जाती है।ग्राहकों के पास जब छुट्टे नहीं हों तो काउंटर पर बैठे कर्मचारी एक रुपया भी नहीं छोड़ते, जबकि वह जानते हैं कि उन्होंने कॉफी के लिए बेहद अजीब-सा 231 रुपए का दाम रखा है। मैंने कई बार ऐसे बुजुर्गों को वहां से नाराज होकर जाते देखा है, जो ऑनलाइन भुगतान के अभ्यस्त नहीं होते। उन बुजुर्गों के पास एक रुपया छुट्टा नहीं होता था और वह 240 रुपए देकर 9 रुपए की टिप भी नहीं देना चाहते थे।फंडा यह है कि बड़ा दिल रखने के लिए बड़े बटुए की जरूरत नहीं। इसके लिए महज एक छोटा-सा इरादा ही काफी है।

विपक्षी दलों में भी कुछ अच्छे चेहरे उभरकर सामने आए हैं

पहलगाम के बाद जो हालात बने, उन्होंने भारत में विभिन्न दलों में उभर रहे नए नेतृत्व को सामने ला दिया है। ऑपरेशन सिंदूर पर 'ग्लोबल-आउटरीच' के लिए सात प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने वाले या इसका हिस्सा रहे अधिकांश लोग काफी समय से राजनीति के क्षेत्र में हैं।वे अपनी-अपनी पार्टियों में नेतृत्व की दूसरी या तीसरी पंक्ति के नेता रहे हैं। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी जैसे कुछ ने तो अपनी पार्टियों का नेतृत्व भी किया है।

लेकिन पिछले हफ्तेभर में जिस तरह से उन्होंने विश्व की राजधानियों में भारत की पोजिशन को स्पष्ट शब्दों में सामने रखा, उससे देश ने अचानक उन्हें नई नजर से देखा है। इसने भारत की संसद में मौजूद प्रतिभा को भी रेखांकित किया है।देश ने इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। इस आउटरीच-कार्यक्रम की अन्य उपलब्धियां चाहे जो हों, लेकिन इतना तो तय है कि इसने भारत में एक नए राजनीतिक नेतृत्व को उभरता हुआ दिखाया है।इन विपक्षी नेताओं ने विदेश में भारतीय राष्ट्रवाद को अलग-अलग तरीकों से व्यक्त किया। ओवैसी- जो भारत के अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं- ने पाकिस्तान को कड़ी भाषा में आड़े हाथों लिया।यहां तक कि उन्होंने पाकिस्तान द्वारा जारी की गई फर्जी तस्वीरों का जिक्र करते हुए कहा कि नकल के लिए भी अकल चाहिए! प्रियंका चतुर्वेदी पर भारत एकजुट है, जबकि पाकिस्तान आतंकवादी हमले के माध्यम से देश में साम्प्रदायिक तनाव बढ़ाने की उम्मीद कर रहा था।जम्मू और कश्मीर भी शेष भारत के साथ मजबूती से खड़ा रहा। विपक्ष को भी इस कवायद से फायदा हुआ है, क्योंकि उसके नेता सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं की तुलना में अधिक उभरकर सामने आए हैं- चाहे वे कांग्रेस से डॉ. शशि थरूर, सलमान खुर्शीद, मनीष तिवारी, आनंद शर्मा हों। या अन्य दलों से असदुद्दीन ओवैसी, सुप्रिया सुले या कनिमोझी।जहां तक कांग्रेस नेताओं का सवाल है, एक और निहित संदेश सामने आया कि सिर्फ गांधी परिवार ही कांग्रेस का नेतृत्व नहीं कर सकता। भारत की सबसे पुरानी पार्टी में अभी भी प्रतिभाओं का खजाना है, उसके पास अनुभवी नेता हैं, जो जटिल मुद्दों को समझने और नेतृत्व देने में सक्षम हैं।यह देखना बाकी है कि क्या सरकार ऐसे और कूटनीतिक प्रयासों में विपक्षी नेताओं का इस्तेमाल करना जारी रखेगी। हालांकि अधिकांश देशों ने पहलगाम आतंकवाद की निंदा की, लेकिन शायद ही कोई देश पाकिस्तान के खिलाफ खुलकर भारत के साथ खड़ा हुआ।भारत का सदाबहार मित्र रूस भी दोनों तरफ से खेलता हुआ नजर आया। लेकिन कुछ देशों के साथ मुद्दों को सुलझाने के लिए ट्रैक-टू प्रयासों में भारत की अनुभवी और मुखर आवाजों का उपयोग करने की गुंजाइश आगे भी बन सकती है, क्योंकि विपक्षी नेताओं ने दिखाया है कि अगर उन्हें ऐसी भूमिका निभाने के लिए कहा गया तो वे पीछे नहीं रहेंगे।पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद (कांग्रेस) ने तो एक कदम आगे बढ़कर अनुच्छेद 370 को हटाने तक का समर्थन किया। उन्होंने कहा अनुच्छेद 370 से यह धारणा बनती थी कि कश्मीर अलग है। इससे उनकी अपनी पार्टी में नाराजगी पैदा हो गई, जिसने इस मुद्दे पर अस्पष्ट रुख अपनाया है।डॉ. शशि थरूर तो सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के स्टार के रूप में उभरे। जहां उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन करके और आतंकवाद के प्रति भारत की प्रतिक्रिया के इस न्यू-नॉर्मल की सराहना करके खूब वाहवाही बटोरी, लेकिन उनकी पार्टी इससे नाराज है और अब उनके राजनीतिक भविष्य के बारे में सवाल पूछे जाने लगे हैं।देश ने विभिन्न विपक्षी दलों के इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। एक नया राजनीतिक नेतृत्व उभरता नजर आया है। (ये लेखिका के अपने विचार हैं।)

'दुनिया की छत' पर चीन की हरकतें सबके लिए खतरनाक

तिब्बत के पठार पर विशाल ग्लेशियल-रिजर्व्स हैं, जो दुनिया में ताजे पानी के सबसे बड़े भंडारों में से एक हैं। यह दस प्रमुख एशियाई नदी-प्रणालियों का उद्गम भी है- जिनमें चीन की येलो और यांग्त्से, दक्षिण-पूर्व एशिया की मेकांग, साल्विन और इरावदी और भारत की सिंधु और ब्रह्मपुत्र नदियां शामिल हैं।ये वैश्विक आबादी के लगभग 20इ हिस्से को पानी की आपूर्ति करती हैं। लेकिन आज यही पठार एक आसन्न पर्यावरणीय संकट का साक्षी बन रहा है, जो पूरे एशियाई महाद्वीप की जल सुरक्षा, पारिस्थितिक संतुलन और भू-राजनीतिक स्थिरता को खतरे में डाल सकता है।पिछले दो दशकों से चीन तिब्बती पठार पर केंद्रित एक आक्रामक बांध निर्माण अभियान में लगा हुआ है। चीन की सरकार ने इसके निचले हिस्से के किसी भी देश के साथ जल-साझाकरण संधि पर बातचीत करने से इनकार कर दिया है। इससे इन देशों को चीन की सनक के परिणाम भुगतने होंगे। पठार की सीमा के पास चीन द्वारा निर्मित भीमकाय-बांधों ने पहले ही मेकांग नदी में पानी के स्तर को अभूतपूर्व रूप से कम कर दिया है, जिसका कंबोडिया, लाओस, थाईलैंड और वियतनाम में मत्स्य-पालन और आजीविका पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है।जैसे-जैसे दक्षिणी वियतनाम में मेकांग डेल्टा पीछे हट रहा है, चावल के किसानों को पारंपरिक आजीविका छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। फिर भी चीन की बांध बनाने की महत्वाकांक्षाएं बढ़ती जा रही हैं। यांग्त्से नदी पर बना थ्री गॉर्जेस डैम दुनिया का सबसे बड़ा बांध है।लेकिन वह भी चीन द्वारा तिब्बती पठार के भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी (उसे वहां यारलुंग जंगबो कहा जाता है) पर बनाए जा रहे बांध के सामने बौना साबित होगा। अगर यह परियोजना पूरी हो जाती है, तो इससे भारत और बांग्लादेश में पानी के प्रवाह में भारी बदलाव आएगा, क्षेत्र की खाद्य सुरक्षा और पारिस्थितिक संतुलन को खतरा होगा और निचले इलाकों के देशों पर चीन का भू-राजनीतिक प्रभाव बढ़ेगा। पानी के हथियारीकरण का खतरा मंडरा रहा है।दरअसल, पानी तेजी से नया तेल बनता जा रहा है- यानी ऐसा रणनीतिक संसाधन, जो संघर्षों को बढ़ावा दे सकता है। देशों के भीतर और उनके बीच पानी के विवाद पहले ही तेज होते जा रहे हैं। चीन की नजर तिब्बत की खनिज-समृद्ध भूमि- जिसमें लीथियम, सोना, तांबा जैसे महत्वपूर्ण संसाधन हैं- पर भी है। वह वहां पर जंगलों की कटाई कर रहा है और विषाक्त उत्सर्जन में योगदान दे रहा है। उसकी ये तमाम गतिविधियां तिब्बती पठार के सैन्यीकरण के लिए कवर प्रदान कर रही हैं।चीन वहां पर जो विनाश-लीला कर रहा है, उसके पूरे ब्योरे जानना असंभव है। यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की नजरों से बहुत दूर है, और स्थानीय तिब्बती समुदायों की आवाजों को दबा दिया जाता है। इस सबसे वहां का पारिस्थितिक तंत्र लगातार कमजोर होता जा रहा है। तिब्बती पठार वैश्विक औसत से दोगुनी गति से गर्म हो रहा है और उसकी बर्फ ध्रुवों की तुलना में तेजी से पिघल रही है। इसके दूरगामी निहितार्थ हैं। तिब्बती पठार एशियाई जलवायु, मौसम और मानसून के पैटर्न को गहराई से प्रभावित करता है। इसका क्षरण सूखे और बाढ़ को बढ़ाएगा, जैव विविधता के नुकसान को बढ़ाएगा, कृषि के पतन में योगदान देगा और एशिया और उसके बाहर बड़े पैमाने पर पलायन को बढ़ावा देगा।इन तमाम जोखिमों के बावजूद वैश्विक जलवायु मंचों से लेकर संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक जैसी बहुपक्षीय संस्थाओं तक- अंतरराष्ट्रीय समुदाय तिब्बत को लेकर पूरी तरह से चुप है।इसका कारण अज्ञानता नहीं, बल्कि डर है। क्योंकि चीन अपने प्रभाव का इस्तेमाल 'दुनिया की छत' पर अपनी गतिविधियों की सार्थक आलोचना को दबाने के लिए करता है। जबकि दुनिया के देशों को तिब्बती पठार पर चीन की गतिविधियों के बारे में पारदर्शिता के लिए लगातार दबाव डालना चाहिए। विशेष रूप से, चीन को अपने रियल-टाइम हाइड्रोलॉजिकल डेटा को साझा करने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए और उसे अपनी परियोजनाओं को अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करना चाहिए।स्वतंत्र पर्यावरण शोधकर्ताओं को महत्वपूर्ण डेटा एकत्र करने और निष्पक्ष विश्लेषण के लिए पठार तक बेरोकटोक पहुंच प्रदान की जानी चाहिए। चीन को तिब्बतियों के अधिकारों के उल्लंघन के लिए भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। 2000 से लगभग दस लाख तिब्बतियों को अपनी पैतृक भूमि से जबरन विस्थापित किया गया है।

अतीत का झरोखा

राबड़ी सीएम बनीं, 9वें दिन 34 सवर्ण भूमिहारों का कत्ल,लाशें देख हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार को हार्ट अटैक,मुख्यमंत्री बोलीं-वे लोग हमारे वोटर नहीं

पटना। ये कहानी है 18 मार्च 1999 की। अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे। बिहार में राबड़ी देवी को दूसरी बार मुख्यमंत्री बने 9 दिन ही हुए थे। अरवल जिले में एक

गांव है सेनारी। तब ये गांव जहानाबाद में पड़ता था। रात के 7.30 बजे थे। करीब 400-500 लोगों की भीड़ बंदूक और देसी हथियार लिए गांव की ओर तेजी से बढ़ रही थी। कुछ लोग पुलिस की वर्दी में थे और कुछ ने लुंगी बनियान पहन रखी थी। गांव से करीब 2 किलोमीटर पहले सहरसा नाम की पुलिस चौकी थी। थाने में हल्की लाइट जल रही थी। 5-6 जवान इधर-उधर टहल रहे थी। भीड़ में शामिल लंबे कद काठी का एक आदमी बोला- 'आधे लोग यहीं रुक जाओ। थाने को घेर लो।' ये आदमी इस भीड़ का कमांडर था। करीब 200 लोगों ने थाने को घेर लिया और बाकी गांव की तरफ चल दिए। कुछ ही देर में भीड़ सेनारी पहुंच गई। आधे लोग गांव के बाहर ही ठहर गए और आधे 20-30 लोगों का गुट बनाकर गांव में घुस गए। एक घर के बाहर 5 लोग बैठकर बातें कर रहे थे। अचानक हथियारबंद लोगों को देखकर भागने लगे। पुलिस की वर्दी पहना एक अधेड़ बोला- 'भागो मत, हम कुछ नहीं करेंगे। बस ठाकुरबाड़ी का रास्ता बता दो।' 20-25 साल का एक लड़का डरते हुए बोला- 'चलो हम रास्ता दिखा देते हैं।' अधेड़ बोला- 'सब साथ चलो ना, वहां मिलकर भजन-कीर्तन करेंगे।' डरे सहमे पांचों लोग इनके साथ चल दिए। कुछ ही देर में सभी ठाकुरबाड़ी पहुंच गए। अब कमांडर बोला- 'इनके हाथ बांध दो।' इतना सुनते ही पांचों समझ गए कि वे फंस चुके हैं। बचाओ, बचाओ... चिल्लाने लगे। तभी 30 साल के एक लड़के ने बंदूक तान दी- '@#$%@# ज्यादा चिल्लाया तो तुम्हारी खोपड़ी में गोली मार देंगे।' हमलावरों ने पांचों के हाथ बांधकर ठाकुरबाड़ी में बैठा दिया। इधर, हमलावरों के दूसरे गुट ने एक घर को घेर रखा था। जोर-जोर से दरवाजा पीट रहे थे, पर कोई आवाज नहीं आ रही थी। 40-45 साल का एक हमलावर गुस्से में बोला- 'टाइम खराब मत करो, डायनामाइट लगाकर उड़ा दो।' उन लोगों ने वैसा ही किया। जोरदार धमाका हुआ। दरवाजा और दो तरफ से दीवार ढह गईं। हमलावर अंदर घुसे। 70 साल की एक महिला पलंग पर लेटी थी। पीछे 30-35 साल का उसका बेटा खड़ा था। '@#$%#$% दरवाजा क्यों नहीं खोल रहा था।' ये कहते हुए हमलावर ने लड़के की छाती पर गड़ासा मार दिया। लड़का चीख उठा। हमलावर ने फिर से गड़ासा उठाया, तभी लड़के की मां उसके पैरों पर गिर पड़ी। बिलखते हुए बोली- 'हमरा बचवा के छोड़ द।' हमलावर ने महिला के सीने पर जोर से लात मारी। वो दूर जा गिरी। इसी बीच हमलावर ने लड़के की गर्दन पर कुल्हाड़ी मार दी। फिर उसे घसीटते हुए बाहर लेकर चले गए। महिला अंदर चीखती रह गई। अब हमलावर दूसरे घर में घुसे। एक महिला खाना पका रही थी। पास ही लालटेन की रोशन में 15 साल का उसका बेटा पढ़ाई कर रहा था। हमलावर ने जोर से थप्पड़ मारा, लड़का तखत से नीचे गिर गया। मां उसे बचाने दौड़ी, तो दूसरे हमलावर ने उसका बाल पकड़कर अपनी तरफ खींच लिया। गालों पर जोर का थप्पड़ मारते हुए बोला- 'क्ष्क्ष् तू तो पेट से है ना, दूसरा बच्चा पैदा कर लेना।' महिला ने उसके हाथ में दांत से काट दिया। गुस्से में हाथ छुड़ाते हुए हमलावर ने उसके पेट पर कुल्हाड़ी मार दी। वो वहीं गिर पड़ी। हमलावर बोला- क्ष्क्ष् लो अब तुम्हारा वंश ही नहीं रहेगा।' फिर लड़के का हाथ बांधा और बाहर खींचते हुए ठाकुरबाड़ी की तरफ चल दिए। अब कमांडर बोला- 'अरे कोई थाने जाकर बता दो कि गांव में तैयारी हो गई है। वो लोग अपना काम शुरू कर दें।' 10-12 आदमी भागते हुए थाने के पास पहुंचे। अपने आदमियों से कहा- 'थाने पर हमला बोल दो। देखना कोई पुलिस वाला गांव नहीं पहुंचना चाहिए।' इधर, गांव में ठाकुरबाड़ी के पास 40-45 लोग लाइन में खड़े थे। सबके हाथ-पैर बंधे थे। 300 से ज्यादा हमलावरों ने उन्हें घेर रखा था। 'एमसीसी जिंदाबाद, रणवीर सेना मुर्दाबाद' के नारे लग रहे थे। एक हट्टा-कट्टा हमलावर बोला- 'एक-एक करके सबकी गर्दन काट दो। जल्दबाजी नहीं करना। आराम-आराम से मारना है। तड़पा तड़पाकर।' लाइन में खड़े सब एक दूसरे का मुंह देख रहे थे। 30 साल के एक शख्स ने तलवार उठाई और सबसे दाएं खड़े अधेड़ की गर्दन पर दे मारी। उसी लाइन में 25 साल का उसका बेटा भी था। पिता को देख वो चीख उठा। गाली देते हुए बोला- 'क्ष्क्ष् पहले मुझे काटो, बूढ़े को मारकर मर्दानगी क्यों दिखा रहा।' हमलावर बोला- 'क्ष्क्ष् घबराओ नहीं। तुम्हारी बारी भी आएगी। रणवीर सेना का साथ देने वालों को आसान मौत नहीं देंगे।' हमलावर आगे बढ़ा और 15 साल के एक लड़के की गर्दन पर गड़ासा दे मारा। उसकी आधी गर्दन कट गई। वह वहीं गिर पड़ा। खून के छींटे अगल-बगल खड़े लोगों पर पड़े। लाइन में खड़ा 45-50 साल का एक शख्स दहाड़ मारकर चीखने लगा- 'अरे मेरे बेटवा को काट दिया। मार दिया। इसने तुम्हारा क्या बिगाड़ा था।' 'चुप रह #$@^%$.' इतना कहते हुए हमलावर दनादन गड़ासा चलाने लगा। गांव चीखों से दहल गया। बेटे के सामने बाप की हत्या, बाप के सामने बेटे का कत्लष्ठ 10-12 लोगों की गर्दन काटने के बाद हमलावर थक गया। गड़ासा फेंकते हुए बोला- 'तुम सब मुंह क्यों देख रहा। सब मिलकर क्ष्क्ष् को काटो ना।' अब 15-20 हमलावर टूट पड़े। कोई गड़ासा तो कोई कुल्हाड़ी लेकर। गांव की महिलाएं ठाकुरबाड़ी की तरफ आना चाहती थीं, लेकिन हमलावर बार-बार उन्हें लाठी-डंडे से पीटकर भगा दे रहे थे। हमलावरों ने कुछ महिलाओं के साथ बदसलूकी भी की। किसी के निजी अंग में बंदूक से वार किया तो किसी के स्तन पर। कुछ ने महिलाओं की इज्जत भी लूटी। रात 12 बजे तक हमलावर गांव में तांडव मचाते रहे। फिर 'एमसीसी जिंदाबादष्ठ एमसीसी जिंदाबाद, रणवीर सेना मुर्दाबाद' का नारा लगाते हुए तेजी से निकल गए। रात के 12.15 बजे, जहानाबाद पुलिस मुख्यालय में फोन बजा- 'साहब मैं करपी थाना प्रभारी बोल रहा हूं। सेनारी गांव में हमला हो गया। फोर्स भेजिए।' फौरन जहानाबाद से पुलिस की कई टुकड़ियां सेनारी के लिए भेजी गईं। रास्ते में जगह-जगह डायनामाइट लगा रखे थे। रास्ते ब्लॉक कर रखे थे। तीन घंटे तक पुलिस और हमलावरों के बीच मुठभेड़ चलती रही। करीब 3 बजे करपी थाना प्रभारी जैसे-तैसे कुछ पुलिस वालों के साथ सेनारी पहुंचे। ठाकुरबाड़ी के पास चीख-पुकार मची थी। थाना

प्रभारी जमुना सिंह ने टॉर्च जलाया- हर तरफ लाशें ही लाशें दिख रही थीं। कंठ से रिसता खून का फौव्वारा, पेट से निकली आतें। लग रहा था जैसे कोई बूचड़खाना हो। थाना प्रभारी सिहर गए। वो टॉर्च जलाते हुए लाशों के पास पहुंचे। 34 लोगों की कटी-फटी लाश मिलीं। आंखों और पेट में गोली मारी गई थी। 6 लोग लहूलुहान मिले। उनके शरीर में हरकतें हो रही थीं। थाना प्रभारी ने सिपाहियों से कहा- 'जल्दी गाड़ी बुलाओ। इन्हें अस्पताल ले जाओ।' पुलिस को लाशों के बीच कुछ पर्चे मिले। जिस पर लिखा था- 'गरीब भूमिहार भाइयोंष्ठरणवीर सेना या जातपात के फेरे में न पड़ें, अमीरी गरीबी की लड़ाई में कूद पड़ें। लक्ष्मणपुर बाथे, शंकर बिगहा व नारायणपुर नरसंहार का ही परिणाम है सेनारी घटना। ष्ठएमसीसी जिंदाबाद।' ये सेनारी नरसंहार था। 34 लोगों का कत्ल हुआ था। सभी के सभी भूमिहार थे। आरोप माओवादी संगठन एमसीसी यानी माओइस्ट कम्युनिस्ट सेंटर पर लगा। थाना प्रभारी जमुना सिंह ने पूछा- 'किसी ने हत्यारों को देखा क्या?' भीड़ में खड़ी एक महिला चिल्लाते हुए बोली- 'मैंने अपनी आंखों से देखा है। मेरे पति-बेटे को मार दिया उन लोगों ने।' थाना प्रभारी- ' नाम क्या है तुम्हारा? आंसू पोछते हुए महिला बोली- चिंतामणी। क्या देखा पूरी बात बताओष्ठ बिलखते हुए चिंतामणी बोलने लगीं- ' रात के 8 बज रहे थे। छत पर बेटा लालटेन जलाकर पढ़ाई कर रहा था। मैं उसके पास ही बैठी थी। उसके पापा नीचे कमरे में चाय पी रहे थे। अचानक शोर सुनाई पड़ा। मैंने और बेटे ने छत से देखा- 20-25 लोग बगल के इंजीनियर साहब के घर के बाहर खड़े थे। दरवाजा खटखटा रहे थे। कोई दरवाजा नहीं खोल रहा था। बेटे ने कहा- 'उनके घर कोई पुरुष नहीं है।' भीड़ में से एक आदमी ने मेरे बेटे को बुला लिया। हमें लगा कि वे लोग किसी का पता पूछ रहे हैं। वो लालटेन लेकर नीचे उतरने लगा। मैं भी उसके साथ नीचे आ गई। दरवाजा खोलकर हम बाहर निकले। गांव के ही रामाशीष भुइयां, रामलखन भुइयां, साधु भुइयां, मुर्गी भुइयां सहित 15-20 लोग सामने खड़े थे। इनमें से ज्यादातर लोग मेरे गांव के ही थे। कुछ लोग लुंगी और बनियान पहने थे और कुछ लोग पुलिस की वर्दी में थे। अचानक मुर्गी भुइयां ने बेटे का हाथ पकड़कर खींच लिया। वे उसे घसीटते हुए गांव के उत्तर दिशा में ठाकुरबाड़ी की तरफ ले जाने लगे। मैं चीखने लगी। तभी मुझे गोली चलने की आवाज सुनाई दी। दर्जनों लोग 'एमसीसी जिंदाबाद, लालू यादव जिंदाबाद, रणवीर सेना जिंदाबाद का नारा लगाते हुए आ रहे थे। मैं समझ गई नक्सली गांव में आ गए हैं। इसी बीच उन लोगों ने मेरे पति को भी पकड़ लिया। दोनों को घसीटते हुए ले जाने लगे। मैं भी उनके पीछे-पीछे चल दी। मैंने देखा कि ठाकुरबाड़ी के पास सैकड़ों लोग जमा हुए थे। उनके हाथों में कुल्हाड़ी, गड़ासा और हसिया थे। सब नारा लगा रहे थे। उन लोगों ने पति और बेटे के हाथ-पैर बांध दिए। फिर लाइन में ले जाकर खड़ा कर दिया। इसी बीच एक आदमी ने पसुली से बेटे की गर्दन पर वार कर दिया। मैं उसे बचाने के लिए दौड़ी, तो उन लोगों ने धक्का दे दिया। मैं भूसे के ढेर पर जा गिरी। कुछ पल के लिए बेहोश सी हो गई। फिर सिर उठाकर देखा- एक अधेड़ ने पति की गर्दन पर जोर से गड़ासा मारा। वो चीख उठे। उसने फिर से गड़ासा मार दिया। वो वहीं गिर पड़े।' थाना प्रभारी- 'गड़ासा कौन मारा, पहचानते हो क्या?' चिंतामणी- 'हांष्ठ वो लोग टॉर्च जला रहे थे। दुखन राम था वो। मैंने चेहरा देख लिया था।' और क्या देखाष्ठ गहरी सांस लेते हुईं चिंतामणी बोलीं- 'एमसीसी वाले गांव के मर्दों को घसीटते हुए ला रहे थे और गला काटते जा रहे थे। दुखन राम और रमेश यादव, ये दो लोग ही ज्यादातर लोगों का गला काट रहे थे। इससे आगे देखने की मेरी हिम्मत नहीं हो सकी। मैं भागते हुए घर पहुंची। छाती पीट-पीटकर रोने लगी। दो-तीन घंटे बाद मुझे

जोरदार धमाके सुनाई दिए। वे लोग नारा लगा रहे थे- एमसीसी जिंदाबाद। लाल सलाम जिंदाबाद। फिर उनकी आवाज बंद हो गई। मैं समझ गई कि वे लोग चले गए।' बिहार के सीनियर जर्नलिस्ट श्रीकांत प्रत्यूष सुबह-सुबह सेनारी पहुंचे थे। वे याद करते हैं- 'मैं गांव पहुंचा तो भीड़ जुटी थी। ठाकुरबाड़ी के बाहर अधकटी लाशें बिखरी पड़ी थीं। लोग गुस्से में थे। महिलाएं छाती पीट-पीटकर रो रही थीं। जब लाशों की फोटो खींचने लगा, तो दर्जनों लोग खुद के ऊपर कपड़े डालकर लाशों के बीच लेट गए। एक बुजुर्ग ने गुस्से में कहा- '30-35 लाशों की फोटो मत लो। जितने लोग लेटे हैं सबकी फोटो खींचो। लोगों को पता तो चले कि यहां कितना बड़ा नरसंहार हुआ है।' वे लोग बहुत गुस्से में थे। उन्हें समझाना या मना करना मुमकिन नहीं था। मैंने सबकी फोटो खींची। लोगों से बात की, फिर पटना आ गया। हालांकि मैंने 34 लोगों के नरसंहार की ही खबर प्रकाशित की।' 19 मार्च 1999 को सुबह करीब 10 बजे एसआई जमुना सिंह ने 38 लोगों के खिलाफ हत्या, अपहरण, आगजनी जैसी धाराओं में केस दर्ज किया। पुलिस लाशें उठाना चाहती थी, लेकिन गांव वाले तैयार नहीं हुए। भीड़ ने पुलिस को घेर लिया। लोग एमसीसी और लालू यादव के खिलाफ नारा लगाने लगे। पुलिस से कहने लगे- 'हमें राइफल चाहिए, राइफल। हम लोग खुद सुरक्षा करेंगे। कोई प्रशासन नहीं है यहां। प्रशासन मुर्दा है मुर्दा।' 19 मार्च को ही पटना हाईकोर्ट के तत्कालीन रजिस्ट्रार पद्मनारायण सिंह सेनारी पहुंचे। यहां उनके परिवार के 8 लोग मारे गए थे। अपने परिवार वालों की लाशें देखकर उन्हें हार्ट अटैक आ गया। कुछ ही देर बाद उनकी मौत हो गई। गांव वाले और नाराज हो गए। कुछ देर बाद अटल सरकार में मंत्री रहे जॉर्ज फर्नांडिस, यशवंत सिन्हा और नीतीश कुमार सेनारी पहुंचे। तीनों नेताओं ने गांव के लोगों को समझाया-बुझाया, तब जाकर वे लोग माने। शाम 4 बजे लाशों का पोस्टमॉर्टम शुरू हुआ। पुलिस ने मौके से खून के थक्के, खून से सनी मिट्टी, खून लगा फरसा और गड़ासा बरामद किया। जनवरी में शंकर बिगहा और फरवरी में नारायणपुर नरसंहार के बाद केंद्र सरकार ने राबड़ी सरकार बर्खास्त कर दी थी, लेकिन राज्यसभा में बहुमत नहीं होने के चलते 8 मार्च को राष्ट्रपति शासन वापस ले लिया था। 9 मार्च को राबड़ी देवी फिर से सीएम बनीं और अब 9 दिन बाद ही सेनारी नरसंहार हो गया। बीजेपी, समता पार्टी और जनता दल के नेता राबड़ी देवी का इस्तीफा मांग रहे थे। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा- 'इस नरसंहार के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है। उसने एक ऐसे दल को सपोर्ट किया है, जो नरसंहारों के लिए जिम्मेदार है।'सरकार में शामिल होने के बाद भी कांग्रेस का एक गुट आरजेडी का विरोध कर रहा था। लेखक मृत्युंजय शर्मा अपनी किताब ब्रोकेन प्रॉमिसेज में लिखते हैं- 'जब लोगों ने राबड़ी देवी को सेनारी जाने के लिए कहा तो उन्होंने जवाब दिया- 'वो लोग हमारे वोटर्स नहीं हैं। मैं क्यों जाऊं वहां।' राबड़ी के इस बयान पर खूब बवाल हुआ। जनता दल के नेता रामविलास पासवान ने सेनारी से लौटने के बाद कहा- 'मुझे बहुत दुख है। मुख्यमंत्री राबड़ी देवी कहती हैं कि जो लोग वोट नहीं करते, उनके यहां क्यों जाना। उनका ये बयान

शर्मनाक है। लोकतंत्र के खिलाफ है।' 20 मार्च 1999 को बिहार के राज्यपाल जस्टिस बीएम लाल सेनारी पहुंचे। उनसे गांव वालों ने बंदूक की मांग की। वापस पटना लौटने के बाद राज्यपाल ने आदेश जारी किया कि गांव वालों को बंदूक का लाइसेंस दिया जाएगा। सेनारी नरसंहार में जख्मी हुए लोगों को प्रशासन ने गया के सरकारी अस्पताल के एक खास वार्ड में भर्ती कराया था। इसी वार्ड में एक महीना पहले हुए नारायणपुर नरसंहार के घायलों का इलाज किया जा रहा था। ये फैसला थोड़ा चौंकाने वाला था, क्योंकि नारायणपुर में रणवीर सेना ने नरसंहार किया था और सेनारी में एमसीसी ने।उस समय के अखबारों के मुताबिक नारायणपुर के घायलों को जब पता चला कि सेनारी के लोग भी यहां आ रहे हैं, तो वे डर गए। अस्पताल में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। नरसंहार के तीन महीने बाद यानी 16 जून 1999 को जहानाबाद पुलिस ने अपनी जांच रिपोर्ट जहानाबाद के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के सामने भेजा। 27 अक्टूबर 1999 को सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की गई। बाद में पुलिस ने दो और चार्जशीट दाखिल की। कुल 77 आरोपियों को ट्रायल के लिए भेजा गया। इनमें से 45 आरोपियों के खिलाफ सेशन कोर्ट में आरोप तय हुए। पत्रकार का माइक लेकर लालू बन गए रिपोर्टर, कहा- 'बोलने आता ही नहीं है' नरसंहार के कुछ महीने बाद लालू-राबड़ी जहानाबाद गए। दोनों ने कुल 6 रैलियां कीं। इस दौरान लालू ने एक पत्रकार के हाथ से माइक ले लिया। लालू ने रिपोर्टर के अंदाज में भीड़ से पूछा- बताओ कोई है डर है? ऐ कस के बोलिए कोई डर है? भीड़ से आवाज आई- जी ना, कोई डर नहीं है। लालू ने पूछा- उग्रपंथी के खिलाफ हो? भीड़ बोली- हां। उन्होंने फिर पूछा- रणवीर सेना के खिलाफ हो। भीड़ बोली- हां। लालू ने पत्रकार को माइक देते हुए कहा- 'बोलने आता ही नहीं है।' सेनारी नरसंहार के सात महीने बाद अक्टूबर 1999 में लोकसभा चुनाव हुए। तब बिहार में कुल 54 सीटें थीं। बीजेपी ने इनमें से 23 सीटें जीत ली। जदयू को 18 सीटें मिलीं और आरजेडी को 7 सीटें। जबकि कांग्रेस 4 सीटों पर सिमट गई। इससे एक साल पहले 1998 के लोकसभा चुनाव में आरजेडी को 17 सीटें मिली थीं। यानी 10 सीटें कम हो गईं। फरवरी-मार्च 2020 में बिहार में विधानसभा चुनाव हुए। कुल 324 सीटों में से आरजेडी को 124, बीजेपी को 67 और नीतीश की समता पार्टी को 34 और कांग्रेस को 23 सीटें मिलीं। किसी भी दल या गठबंधन के पास बहुमत नहीं था। राज्यपाल विनोद चंद्र पांडेय ने एनडीए को सरकार बनाने के लिए बुला लिया। नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने, लेकिन बहुमत नहीं होने के चलते 7 दिन के भीतर ही इस्तीफा देना पड़ा। आरजेडी ने कांग्रेस और निर्दलीय विधायकों के साथ मिलकर सरकार बनाई। राबड़ी देवी तीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं। समय के साथ बिहार में राजद और कांग्रेस की पकड़ ढीली पड़ती गई। फरवरी 2005 के विधानसभा चुनाव में कुल 243 सीटों में से आरजेडी को 75, नीतीश की जदयू को 55 और बीजेपी को 37 सीटें मिलीं। जबकि कांग्रेस 10 सीटों पर सिमट गई। सत्ता की चाबी नई नवेली रामविलास पासवान की लोजपा के हाथों में थी, जिसे 29 सीटें मिली थीं। पासवान ने किसी भी दल को समर्थन नहीं दिया। बिहार में राष्ट्रपति शासन लग गया। अक्टूबर-नवंबर 2005 में फिर से चुनाव हुए। इस बार बीजेपी-जदयू गठबंधन ने 243 सीटों में से 143 सीटें जीत लीं। जबकि आरजेडी को 54 और कांग्रेस को 9 सीटें मिलीं। नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने। इसके बाद बिहार की सत्ता हमेशा नीतीश के ही इर्द-गिर्द रही। सेनारी नरसंहार के 17 साल बाद यानी 27 अक्टूबर 2016 को जहानाबाद जिला अदालत ने 13 आरोपियों को दोषी करार दिया। 15 नवंबर 2016 को 10 आरोपियों को फांसी और 3 को उम्रकैद की सजा के साथ एक-एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया। तीन दिन बाद यानी 18 नवंबर को अदालत ने एक और आरोपी दुखन राम को भी फांसी की सजा सुना दी। इसके बाद आरोपियों ने पटना हाईकोर्ट से गुहार लगाई। नरसंहार के करीब 22 साल बाद यानी 21 मई 2021 को पटना हाईकोर्ट ने सभी 14 आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा- 'पुलिस की शुरुआती जांच रिपोर्ट में गवाहों के बयान और बाद की रिपोर्ट में गवाहों के बयान बहुत हद तक बदले हुए थे। घटना रात में हुई थी। अंधेरे में आरोपियों की पहचान करना संदेह के घेरे में है। जिन लोगों के खिलाफ ट्रायल चला, उनका नाम शुरुआती रिपोर्ट में नहीं था। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश करने से पहले पहचान के लिए परेड भी नहीं कराई। ऐसे में यह तय कर पाना मुश्किल है कि इन्हीं लोगों ने हत्या की है।' हाईकोर्ट के फैसले के बाद बिहार सरकार इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गई, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हो सकी है। (यह सच्ची कहानी पुलिस चार्जशीट, कोर्ट जजमेंट, गांव वालों के बयान, अलग-अलग किताबें और इंटरनेशल रिपोर्ट्स पर आधारित है। क्रिएटिव लिबर्टी का इस्तेमाल करते हुए इसे कहानी के रूप में लिखा गया है।) रेफरेंसः- Community Warriors: State, Peasants and Caste Armies in Bihar, Broken Promises Caste, Crime and Politics in Bihar

https://indiankanoon.org/doc/169568993/

https://www.bhaskar.com/bihar-election/news/senari-massacre-true-story-narsanhar-lalu-rabri-ranvir-sena-bihar-mcc-135947473.html

https://eparlib.sansad.in/bitstream/123456789/712886/1/843.pdf

एक चूक जिससे हरियाणा के नूंह में रातों-रात लखपति बने,मोबिक्विक एप की गड़बड़ी से हुआ, यूजर्स ने निकाले 40 करोड़

खास बात ये है कि ये सिर्फ हरियाणा के 3 जिलों नूंह, पलवल और गुरुग्राम में ही ऐसा हुआ। सबसे ज्यादा पैसा नूंह में निकाला गया। साइबर फ्रॉड के मामले में नूंह की तुलना वैसे ही जामताड़ा से होती है। झारखंड का जिला जामताड़ा ऑनलाइन साइबर क्राइम, खासकर 'फिशिंग' घोटालों के कारण पूरे देश में बदनाम है। यहां ओटीपी, यूपीआई, केवाईसी के जरिए फ्रॉड होते हैं। 12 सितंबर को इंटरनल ऑडिट में गड़बड़ी पकड़ी कंपनी के 12 सितंबर को हुए इंटरनल ऑडिट में यह मामला पकड़ में आया। खासकर इस वजह से कि हरियाणा के एक लिमिटेड एरिया में काफी ट्रांजैक्शन हुए थे। इसके तुरंत बाद कंपनी ने सिक्योरिटी के इंतजाम शुरू किए। उन खातों का रिकॉर्ड निकाला गया, जिनमें ट्रांजैक्शन हुए या पैसे निकाले गए। अपडेट के दौरान हुई उस ग्लिच को भी ठीक किया गया, जिसका फायदा कुछ लोगों ने उठाया। कंपनी ने 13 सितंबर को गुरुग्राम पुलिस से शिकायत की।साइबर फ्रॉड का भी अंदेशाष्ठक्योंकि अकेले नूंह में ही 30 करोड़ आए मोबिक्विक एप के जरिए हुए 40 करोड रुपए के अवैध ट्रांजैक्शन में से अकेले नूंह में ही 30 करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ है। बाकी 10 करोड़ रुपए गुरुग्राम और पलवल जिले में गए।इस जांच से जुड़े एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले में साइबर फ्रॉड के अंदेशे या कंपनी कर्मियों की मिलीभगत से भी पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता। इस एंगल से भी जांच हो रही है। इसके पीछे एक बड़ी वजह ये भी हो सकती है कि नूंह के करीब 80 फीसदी दुकानदार-व्यापारी मोबिक्विक एप का इस्तेमाल करते हैं। अभी तक 6 गिरफ्तार, खातों में 8 करोड़ फ्रीज कराए- गुरुग्राम पुलिस प्रवक्ता अशोक कुमार के मुताबिक अभी 6 गिरफ्तारियां हुई हैं। इनमें मेवात के गांव रेवासन का रेहान, गांव कामेडा का वकार यूनुस, गांव मरोड़ा का वकीम अकरम, कामेड़ा के मोहम्मद आमिर व मोहम्मद अंसार और पलवल के उटावड़ थाना क्षेत्र का मोहम्मद शकील शामिल हैं। ढाई

हजार खाते फ्रीज कराए गए हैं, इनमें 8 करोड़ की रकम है। अभी जांच चल रही है। अगर इस गड़बड़ी में मोबिक्विक कंपनी का कोई कर्मचारी शामिल पाया जाता है, तो उस पर भी कार्रवाई होगी। नूंह के ही 6 हजार खाते संदेह के घेरे में हैं।कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को ये 7 बातें स्पष्ट कीं इस वित्तीय अनियमितता को लेकर मोबिक्विक कंपनी सेक्रेटरी अंकिता शर्मा की ओर से 16 सितंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को 7 पॉइंट्स पर स्थिति स्पष्ट की गई। पहला- फ्रॉड का नेचर क्याः हरियाणा के सीमित क्षेत्र के कुछ रजिस्टर्ड मर्चेंट व यूजर्स ने आपस में मिलकर धोखे से कंपनी से पैसे ले लिए, ताकि उन्हें गलत तरीके से फायदा मिल सके। दूसरा- कंपनी पर असर क्याः कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जिन लोगों ने गलत तरीके से सेटलमेंट किया उनसे रिकवरी के प्रयास किए जा रहे हैं।तीसरा- ये हुआ कबः यह संभवत 11-12 सितंबर को हुआ। यह अनुमानित समय है। जांच चल रही है। चौथा- इसमें कौन शामिल हैः कंपनी के कुछ रजिस्टर्ड व्यापारी और यूजर, जो हरियाणा के कुछ चुनिंदा इलाकों से थे। इसमें कंपनी का कोई भी कर्मचारी, उच्च पदाधिकारी या अंदरूनी व्यक्ति शामिल नहीं था। पांचवां-अनुमानित कितनी रकम हैः प्रारंभिक जानकारी के आधार पर और जोखिम को कम करने के लिए रु40 करोड़ की राशि को लेकर एफआईआर दर्ज कराई गई। कंपनी ने लगभग रु14 करोड़ की राशि वापस ले ली है। अनुमानित कुल नुकसान रु26 करोड़ है। छठा- धोखाधड़ी, चूक या गिरफ्तारी की सूचना हैः हां, गुरुग्राम के थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। कुछ गिरफ्तारियां भी हुई हैं। सातवां- ऐसी धोखाधड़ी/चूक के बाद उठाए गए सुधारात्मक कदमः कानूनी प्रवर्तन एजेंसी ने उन सभी बैंक खातों पर डेबिट-फ्रीज और लीएन मार्क लगाकर सक्रिय कदम उठाए हैं, जहां अनधिकृत भुगतान किए गए थे। ग्राहकों से रिकवरी की जा रही है।- कंपनी के शेयरों पर भी पड़ा असर 17 सितंबर को मोबिक्विक के शेयरों में 2.4फीसदी की गिरावट आई, जो रु303.90 पर आ गए। कंपनी के शेयरों में यह गिरावट निवेशकों के बीच चिंता का संकेत है।

राहुल गांधी की फ्लाइट हुई कैंसिल गुजरात यात्रा हुई रद्द,दिल्ली में खराब मौसम के चलते यात्रा टली,अब कल आएंगे जूनागढ़

जूनागढ़। कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुरुवार को गुजरात के जूनागढ़ आने वाले थे। लेकिन, दिल्ली में खराब मौसम के चलते उनकी फ्लाइट कैंसिल हो गई। अब कांग्रेस नेता कल दोपहर को जूनागढ़ पहुंचेंगे। वे यहां पार्टी के जिला और शहर प्रमुखों से चर्चा करेंगे। जूनागढ़ में शहर और जिला कांग्रेस अध्यक्षों का प्रशिक्षण शिविर चल रहा है। इससे पहले राहुल गांधी 12 सितंबर को कैंप में शामिल हुए थे। राहुल गांधी दोपहर 1 बजे केशोद एयरपोर्ट पहुंचेंगे और यहां सड़क मार्ग से जूनागढ़ पहुंचेंगे। दोपहर 2 बजे वे भवनाथ की तलहटी में स्थित प्रेरणाधाम प्रशिक्षण शिविर में पहुंचेंगे। राहुल गांधी शाम 6 बजे तक कैंप में मौजूद रहेंगे। राहुल गांधी के साथ संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, मुकुल वासनिक, अजय माकन और अन्य नेता भी मौजूद रहेंगे। रात 8 बजे राहुल गांधी दिल्ली रवाना होंगे। 12 सितंबर के शिविर में राहुल गांधी ने कहा था कि कुश्ती में एक नियम होता है, जब विरोधी आपको हरा दे, तो आपको उसे हराना नहीं होता, बल्कि बचकर निकलना होता है। गुजरात भाजपा का गढ़ है, यहाँ भाजपा नेता आप पर चाहे जितना भी दांव लगा लें, आप शांति से निकल जाइए, बाकी रास्ता आसानी से मिल जाएगा। जूनागढ़ में भी राहुल गांधी ने वोट चोरी का मुद्दा उठाते हुए कहा था कि कहा कि मणिपुर का मुद्दा लंबे समय से चल रहा है। लेकिन अब देश का बड़ा मुद्दा वोट चोरी है। हरियाणा और महाराष्ट्र में जनादेश छीना गया। लोग अब हर जगह पीएम को 'वोट चोर' कहने लगे हैं। चुनावों में धांधली कर सरकारें बनाई जा रही हैं और जनता का विश्वास टूट रहा है। राहुल गांधी ने गुजरात कांग्रेस के नेताओं को यह भी भरोसा दिलाया है कि आपके लिए मैं बैठा हूं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हर विधानसभा क्षेत्र का दौरा करेंगे। जिलाध्यक्षों से संबंधित क्षेत्र के संबंध में जानकारी लेंगे। गुजरात में अपनी यात्रा के दौरान जिलाध्यक्षों के घर ही भोजन करेंगे और उनके साथ समय बिताएंगे। इसकी शुरुआत कहां से होगी और किस तरह सभी विधानसभा सीटों को कवर किया जाएगा, इसका रोड मैप अगले महीने तय किया जाएगा। 1995 से अब तक राज्य में सात विधानसभा चुनाव हो चुके हैं, यानी 1995, 1998, 2002, 2007, 2012 और 2017, 2022, और इन सभी चुनावों में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा है। इतना ही नहीं, 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस सभी 26 लोकसभा सीटों पर हार गई, हालाँकि 2024 के लोकसभा चुनावों में उसे जीतने के लिए एक सीट ज़रूर मिली।

9 साल की बेटी अलग कमरे में नहीं सोती,डरती और रोती है, उसे इंडीपेंडेंट कैसे बनाएं, हमसे अलग सोने की आदत कैसे डालें

नयी दिल्ली। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर से सवाल जवाब के माध्यम से. सवाल- मैं इंदौर का

रहने वाला हूं। मेरी 9 साल की बेटी है। वह रात में अकेले सोने से डरती है। वह अक्सर कहती है कि उसे अंधेरे से डर लगता है और वह सपना देखती है कि हम कहीं चले गए हैं। हमारा मानना है कि अब वह बड़ी हो गई है और उसे अलग कमरे में सोने की आदत डालनी चाहिए ताकि वह आत्मनिर्भर बन सके। हम उसकी भलाई चाहते हैं। लेकिन हमारे लिए यह तय कर पाना मुश्किल हो गया है कि आखिर किस उम्र में बच्चे को अकेले सोने के लिए तैयार करना चाहिए। हमारा डर यह भी है कि कहीं उसे अकेलापन न महसूस हो या यह

बदलाव उसके आत्मविश्वास को नुकसान न पहुंचा दे। कृपया मेरा मार्गदर्शन करें। जवाब- आपकी चिंता स्वाभाविक है। बहुत से पेरेंट्स को इस स्थिति का सामना करना पड़ता है। हालांकि इसमें बहुत चिंता करने की बात नहीं है। आपकी बेटी 9 साल की उम्र में भी आपके साथ ही सो रही है या रात में अकेले सोने से डरती है तो इसका मतलब है कि वह बचपन से ही आपके पास सोती आ रही है। यह उसके लिए सुरक्षा, सुकून और प्यार का प्रतीक बन चुका है, जो एक स्वाभाविक और सुंदर अनुभव है। लेकिन अब समय है कि प्यार के साथ-साथ उसमें धीरे-धीरे स्वतंत्रता के बीज भी बोए जाएं। हेल्दी पेरेंटिंग का मतलब है 'प्यार और स्वतंत्रता का संतुलन' बच्चे जैसे-जैसे बड़े होते हैं, खुद से खाना सीखते हैं, पॉटी-सुसु बताने लगते हैं, स्कूल जाते हैं और पानी की बोतल से खुद पानी पीना सीखते हैं। ये छोटी-छोटी चीजें आत्मनिर्भरता और स्वतंत्रता के संकेत हैं। वह समय के साथ छोटे-छोटे काम खुद से करना सीखते हैं, जबकि बचपन में ये सारे काम कोई बड़ा उनके लिए कर रहा था। इसी तरह से अकेले सोना भी उस स्वतंत्रता की दिशा में एक कदम है। बच्चे को बचपन से ही आत्मनिर्भर बनाना जरूरी- अगर बच्चे बढ़ती उम्र में भी हर काम के लिए पेरेंट्स पर निर्भर रहते हैं तो इसका मतलब है कि अब तक के पालन-पोषण में कुछ कमी रह गई है। कुल मिलाकर इस समय उन्हें स्वतंत्रता देने की जरूरत है। छोटे-छोटे कामों से इसकी शुरुआत करें। बच्चे की क्षमता के अनुसार जितने काम उसके दायरे में आते हैं, वे काम करने के लिए उसे प्रेरित करें। चाहे वह घर के काम हों या उसके खुद के काम। जैसेकि 'पानी का गिलास ला दो', 'अखबार दे दो' और 'ये पैकेट डस्टबिन में फेंक दो' वगैरह-वगैरह। ये काम देखने में छोटे लग सकते हैं, लेकिन इनसे बच्चा महसूस करता है कि वह परिवार का एक अहम हिस्सा है। जब वह कोई काम खुद करता है तो उसकी तारीफ करें और कहें, 'वाह! अब तो तुम बड़े हो गए हो।' इससे वह स्वाभाविक रूप से जिम्मेदारी लेना शुरू करता है। बच्चे में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए कुछ

और कदम उठा सकते हैं। कई बार माता-पिता प्यार में ऐसा व्यवहार करने लगते हैं, जो अनजाने में बच्चे को बहुत ज्यादा डिपेंडेंट बना देता है। जैसेकि- खाना भी मां ही खिलाएं, कपड़े भी मां ही पहनाएं, सामान भी कोई और उठाए, जिस चीज की जरूरत हो उसे बोलने से पहले ही पूरा कर दिया जाए। ऐसे में बच्चा हर छोटी-बड़ी चीज के लिए दूसरों पर निर्भर रहना सीख जाता है। इससे वह न जिम्मेदारी सीखता है, न निर्णय लेना, न धैर्य, न आत्मविश्वास। वह हर काम में किसी और की मदद ढूंढने लगता है। इसलिए पेरेंट्स को चाहिए कि वे बच्चे को बचपन से ही अपने छोटे-छोटे फैसले लेने दें, उसे अपने काम खुद करना सिखाएं। याद रखें कि हर बार आगे बढ़कर मदद करने से ज्यादा जरूरी उसे यह भरोसा देना है कि वह ये काम खुद भी कर सकता है। इन छोटे-छोटे कामों और बदलावों से बच्चे में जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है, जो उसे अकेले सोने के लिए प्रेरित करती है। इसके साथ ही माता-पिता को यह समझना चाहिए कि अकेले सोना भी आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनने की प्रक्रिया का एक अहम हिस्सा है। यह कोई सजा नहीं, बल्कि बच्चे के लिए खुद पर भरोसा करना सीखने का एक अवसर है। इसलिए जरूरी है कि पहले उसे मानसिक रूप से तैयार करें, प्यार और स्नेह के साथ प्रेरित करें और समय आने पर धीरे-धीरे सोने की यह स्वतंत्रता उसे सौंपें। इसके लिए धीरे-धीरे कोशिश करें और इस दौरान कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें। बच्चे को अचानक खुद से न करें दूर- बच्चे को अचानक अलग करना सही तरीका नहीं है। अगर उसे अचानक अकेले सोने के लिए मजबूर किया जाता है तो वह खुद को असुरक्षित, असहाय और अस्वीकृत महसूस कर सकता है। यह बदलाव उसके आत्मविश्वास को मजबूत करने के बजाय कमजोर कर सकता है। ऐसे में बच्चा या तो हर वक्त माता-पिता की छाया में रहना चाहेगा या फिर भीतर ही भीतर डर और चिंता को दबाकर जीना शुरू कर देगा। इसलिए जरूरी है कि यह बदलाव धीरे-धीरे, प्यार और समझदारी से किया जाए ताकि वह न सिर्फ अलग सोना सीखे, बल्कि खुद पर भरोसा करना भी। अंत में यही कहूंगी कि बच्चों को स्वतंत्र बनाना है तो पहले उन्हें सुरक्षित महसूस कराना होगा क्योंकि आत्मनिर्भरता वहीं पनपती है, जहां विश्वास और भावनात्मक जुड़ाव की जड़ें गहरी हों। इससे उसमें धीरे-धीरे अलग सोने की आदत विकसित होगी।

'मिराय' के लिए 8 महीने तक निंजा तलवारबाजी सीखी,एक्टर मनोज मांचू बोले- भगवान राम से लड़ने का किरदार आसान नहीं था

मुंबई। रॉकिंग स्टार मनोज मांचू इस बार एक खलनायक के रूप में दर्शकों को चौंका रहे हैं। उनकी फिल्म 'मिराय' 100 करोड़ रुपए से ऊपर का कलेक्शन कर चुकी है। हाल ही में उन्होंने अपने किरदार

और साउथ सिनेमा के बदलते परिदृश्य पर खुलकर बात करते हुए बताया कि 'मिराय' के लिए 8 महीने तक निंजा तलवारबाजी सीखी है। एक्टर ने बताया कि अब कोई साउथ या नॉर्थ नहीं रह गया, बल्कि सिर्फ सिनेमा है। 'मिराय' में आप पहली बार एक नकारात्मक किरदार में हैं। इसकी क्या खासियत है? यह किरदार सिर्फ इंसानों से नहीं, बल्कि सीधे भगवान राम से लड़ रहा है। 'रामा वर्सेस लामा' का यह कॉन्सेप्ट ही मुझे इस किरदार के लिए सबसे ज्यादा आकर्षित करने वाली बात थी। मैं खुद भगवान का बड़ा भक्त हूं और मुझे लगा कि एक अभिनेता के रूप में यह मेरे लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। ऐसी कहानियों से हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को बहुत कुछ सिखा सकते हैं। महावीर लामा या 'द ब्लैक स्वॉर्ड' के किरदार में आपके लिए सबसे बड़ी चुनौती क्या थी? शुरुआत में मेरे लिए यह बहुत मुश्किल था क्योंकि मुझे भगवान के खिलाफ बोलना था। मेरे किरदार का मानना है कि दुनिया में कोई भगवान नहीं है। वह एक ऐसी दुनिया बनाना चाहता है जहां कोई जाति, धर्म, या अमीर-गरीब का भेद न हो, जहां सब बराबर हों। मुझे डर था कि कहीं मैं अपनी बात रखते हुए भावनाओं को ठेस न पहुंचा दूं, लेकिन जब निर्देशक कार्तिक गट्टामनेनी सर ने मुझे पूरी कहानी और संवाद समझाए, तो मेरा डर खत्म हो गया। उन्होंने इसे बहुत सावधानी से संभाला, बिना किसी का अनादर किए। इस किरदार के लिए कोई खास ट्रेनिंग या तैयारी की? हां, मैंने 8 महीने तक तलवारबाजी की कड़ी ट्रेनिंग ली। मैं अपनी पिछली फिल्मों में भी असली स्टंट के लिए जाना जाता हूं, लेकिन इस फिल्म ने मुझे निंजा तलवारबाजी सीखने का मौका दिया। यह मेहनत रंग लाई और अब मेरे पास तलवार और लाठी चलाने जैसे दो नए हुनर हैं। यह मेरे द्वारा निभाए गए सबसे महान किरदारों में से एक है और मुझे उम्मीद है कि यह हमेशा मेरे फिल्म करियर में सबसे ऊपर रहेगा। मुझे उम्मीद है कि यह मुझे भविष्य में ऐसे और भी महान किरदार निभाने का मौका देगा। तेजा सज्जा के साथ काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा? हम दोनों ने ज्यादातर समय अलग-अलग ही काम किया, क्योंकि फिल्म में मेरे और तेजा के सीन अलग-अलग हैं। हम केवल क्लाइमैक्स और कुछ फाइट सीक्वेंस में ही साथ थे। हमारे बीच ज्यादा काम का संपर्क नहीं हुआ, लेकिन वो मेरे छोटे भाई जैसे हैं। पहले सुपरहीरो के लिए बॉडीबिल्डर जैसी फिजिक जरूरी मानी जाती थी, लेकिन अब तेजा जैसे एक्टर्स के साथ भी ऐसी कहानियां बन रही हैं? मुझे लगता है कि यह एक अच्छा बदलाव है। खासकर 'मिराय' में, हमारे निर्देशक ने जानबूझकर ऐसा किया ताकि दर्शक यह सोचें कि एक सामान्य लड़का, बिना किसी सुपरपावर के, एक शक्तिशाली किरदार को कैसे हरा सकता है। अगर हीरो भी बहुत ताकतवर होता, तो यह एक आसान लड़ाई लगती और दर्शकों को इतना रोमांच महसूस नहीं होता। यह 'अंडरडॉग' की जीत की कहानी है, जो हमेशा दर्शकों को पसंद आती है। यह हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि कैसे एक आम इंसान भी सुपरहीरो बन सकता है। हाल के वर्षों में साउथ सिनेमा का प्रभाव बहुत ज़्यादा बढ़ गया है। इसका मुख्य कारण क्या है? मुझे लगता है इसका मुख्य कारण लॉकडाउन है। लॉकडाउन से पहले, एस.एस. राजामौली की 'बाहुबली' ने सभी के लिए दरवाजे खोले थे। फिर 'कांतारा', 'पुष्पा', और 'केजीएफ' जैसी फिल्मों ने इसे और आगे बढ़ाया। लॉकडाउन के दौरान, जब लोग घर पर थे, उन्होंने सबटाइटल लगाकर दूसरी भाषाओं की फिल्में देखना शुरू कर दिया। इससे दर्शकों का नजरिया और भी बड़ा हो गया। आज के समय में हमारे दर्शक दुनिया भर की फिल्में देख रहे हैं, इसलिए अब सिनेमा के लिए कोई 'साउथ' या 'नॉर्थ' नहीं रह गया है, बल्कि सिर्फ 'सिनेमा' है। अब दर्शक बहुत खुले दिमाग के हैं और अगर कोई फिल्म अच्छी है, तो वह किसी भी भाषा में हिट हो सकती है। जैसे 'ओपेनहाइमर' और 'महावतार नरसिम्हा' जैसी फिल्मों ने दर्शकों को खूब चौकाया है यह दिखाता है कि भारतीय सिनेमा बहुत आगे जा रहा है। भविष्य में कैसी स्क्रिप्ट और किरदार की तलाश में हैं। ड्रीम डायरेक्टर्स कौन हैं?मैं एक अभिनेता हूं और मेरे लिए कोई सीमा नहीं है। आज भारतीय सिनेमा दुनिया भर में फैल गया है, इसलिए मैं किसी भी भाषा या किसी भी तरह के किरदार के लिए तैयार हूं। निर्देशकों में ऐसे बहुत सारे नाम हैं, जिनके साथ मैं काम करना चाहूंगा- जैसे कि राजामौली सर, सुकुमार सर, तमिल से वेट्रिमारन सर और प्रशांत नील। मैं एक्शन फिल्में पसंद करता हूं, इसलिए मैं इन एक्शन निर्देशकों का नाम ले रहा हूं।

योगी जी से मिले बिना फिल्म बना दी,प्रोड्यूसर बोले- किसी को 'प्रोपेगेंडा' मूवी लगी तो टिकट के पैसे वापस कर दूंगा

मुंबई। सीएम योगी आदित्यनाथ के जीवन पर बनी फिल्म 'अजेयः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी' 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म को लेकर प्रोड्यूसर-एक्टर अजय मेंगी ने बताया की योगी जी से मिले बिना ही पूरी फिल्म बना दी। अगर यह फिल्म किसी को 'प्रोपेगेंडा' लगती है तो उसके टिकट के पैसे वापस कर देंगे। सवाल- 'अजेयः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी' के बारे में क्या कहना चाहेंगे? जवाब- सम्राट सिनेमैटिक प्रोडक्शन के माध्यम से यहां की मिट्टी से जुड़ी कहानियां बताने आए हैं। ऋषि मुनि समाज के लिए क्या सुधार कर सकते हैं। जब मैंने पढ़ना शुरू किया तो सबसे बाद बदलाव मुझे उत्तर प्रदेश में नजर आया। आज से 7-8 साल पहले उत्तर प्रदेश इकोनॉमली आठवें पोजिशन में था। आज नंबर वन है। पहले क्राइम की वजह से महिलाएं खुलकर नहीं घूम पाती थीं। जब मैंने इसके बारे में पढ़ना शुरू किया तब समझ में आया कि कैसे उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ जी ने पूरी ईमानदारी और निष्ठा से काम किया है। इस फिल्म की कहानी शांतनु गुप्ता की किताब 'द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर' पर आधारित है। सवाल- इस फिल्म में दिनेश लाल यादव निरहुआ पत्रकार और अनंत जोशी, योगी जी

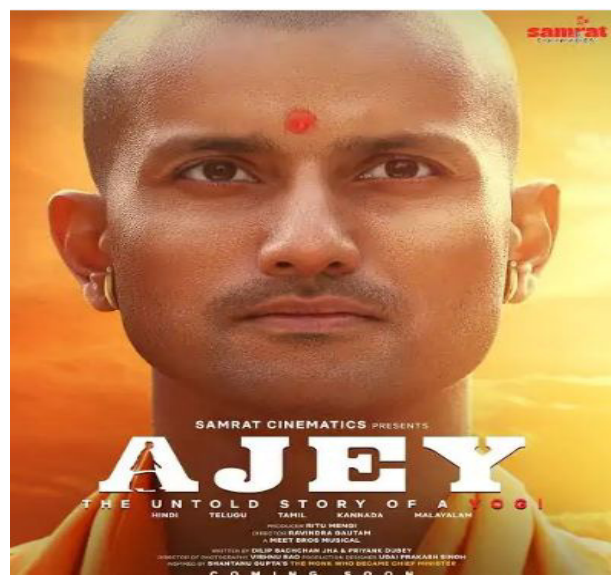

का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म की कास्टिंग किस तरह से हुई?जवाब- हम ऐसे ही किरदारों की तलाश में थे जो जमीन से जुड़े हुए हों। दिनेश लाल यादव जमीन से जुड़े हुए इंसान हैं। वह खुद खेतों में हल चला चुके हैं, उन्होंने कई तरह के संघर्ष किए हैं, इसलिए दर्शकों का प्यार उन्हें मिलता है। रही बात अनंत जोशी की, तो वह उत्तराखंड से हैं। उनका उनका व्यक्तित्व भी कुछ-कुछ वैसा ही है। फिल्म के बाकी सभी कलाकारों ने भी बहुत ही मेहनत की है। सवाल- आपकी फिल्म की रिलीज में काफी अड़चनें आईं, कभी सीबीएफसी से सर्टिफिकेट न मिलना, तो कभी कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाना। इस बारे में बताइए। वाब- हमने कभी योगी जी से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात नहीं की, बस उनकी किताब पढ़ी और फिल्म बनाने का निर्णय लिया। हमने इसके अधिकार लेखक शांतनु से ले लिए थे। लेकिन सीबीएफसी का कहना था कि हमें योगी जी से भी एनओसी लेना होगा, तभी फिल्म रिलीज हो सकती है। वहीं दूसरी ओर कोर्ट ने कहा कि इसकी आवश्यकता नहीं है। जब फिल्म एग्जामिनेशन कमेटी के पास गई, तो उन्होंने 29 कट बताए और रिवीजन कमेटी ने 31 कट सुझाए। फिर कोर्ट ने खुद फिल्म देखने का फैसला किया। यह देश में पहली बार हुआ कि किसी जज ने फिल्म देखकर अपना निर्णय सुनाया और फिल्म को रिलीज करने की अनुमति दी। सवाल- जब किसी राजनीतिक शख्सियत पर फिल्म बनती है तो उसे 'प्रोपेगेंडा' कहा जाता है। इस पर क्या कहेंगे? जवाब- मैं सिर्फ इतना कहूंगा कि अगर किसी ने ये फिल्म देखने के बाद इसे 'प्रोपेगेंडा' कहा, तो मैं उसके टिकट का पैसा वापस कर दूंगा। ये मेरा वादा है। यह फिल्म लोगों को किसी भी तरह का गलत संदेश नहीं देती, बल्कि प्रेरणा देती है। सवाल - क्या इस फिल्म का दूसरा पार्ट भी आएगा? और, क्या आप योगी आदित्यनाथ को ये फिल्म दिखाएंगे? जवाब -हमारी फिल्म में उनके जीवन का केवल एक छोटा सा हिस्सा दिखाया गया है। योगी जी इतने महान व्यक्ति हैं कि उनकी जिंदगी के कई पहलुओं पर फिल्में बन सकती हैं। अगर उन्हें कभी समय मिला, तो मैं जरूर चाहता हूं कि उन्हें फिल्म दिखाऊं। एक बात बता दूं कि आज तक मेरी कभी योगी जी से मुलाकात ही नहीं हुई। बिना उनसे मिले ही यह फिल्म बना दी।

बनारस में शुरू होगी फिल्म मिर्जापुर की शूटिंग,शरद शुक्ला का किरदार निभाने वाले एक्टर बोले- सीरीज के सीजन वन की स्टोरी पर आधारित होगी मूवी

मुंबई। इस महीने की आखिर से बनारस में मिर्जापुर फिल्म की शूटिंग शुरू हो रही है। यह देश का पहला ऐसा प्रोजेक्ट है, जो सेम टाइटिल, कलाकारों और किरदारों की वेब सीरीज से फिल्म में तब्दील हो रही है। इसमें एक अहम किरदार शरद शुक्ला का है, जिसकी सीधी जंग त्रिपाठी परिवारों के साथ है। साथ में टकराव गुड्डू पंडित और बबलू पंडित से भी है। शरद को अंजुम शर्मा ने प्ले किया है। अंजुम ने मिर्जापुर फिल्म को लेकर खास खास बातें साझा की हैं। पेश हैं प्रमुख अंशः- यह प्रयोग भारतीय सिने इतिहास में शायद पहली बार हो रहा है। इसके बारे में कुछ दिलचस्प बातें बता सकते हैं? बिल्कुल ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। निर्माताओं के लिए भी यह एक बहुत बड़ी चुनौती है, क्योंकि उनके पास कोई 'रेफरेंस पॉइंट' नहीं है। ऐसा कभी नहीं हुआ कि किसी इतने लोकप्रिय शो पर कोई फिल्म बनाई गई हो। तो क्या यह फिल्म मूल सीरीज के पहले दो सीजन की कहानियों को मिलाकर बनाई गई है? नहीं, ऐसा नहीं है। इसकी कहानी मुख्य रूप से सीजन 1 की टाइमलाइन पर आधारित होगी, लेकिन इसकी कहानी एकदम नई और अलग होगी। यह एक अलग समानांतर कहानी है। क्या यह नई कहानी सीज न 1 की कहानी से मेल खाएगी? नहीं, बिल्कुल नहीं। इसे इस तरह से लिखा गया है कि जब आप फिल्म देखेंगे, तो यह सीजन 1 की कहानी से बिल्कुल नहीं टकराएगी। ऐसा नहीं लगेगा कि 'अरे, वहां तो ऐसा हुआ था।' यह अपने आप में एक अलग कहानी है। उदाहरण के लिए, अगर सीजन 1 की कहानी में आपने सोमवार, बुधवार और शुक्रवार के घटनाक्रम देखे, तो यह फिल्म उसी हफ्ते की मंगलवार, गुरुवार और शनिवार की कहानी होगी। यानी, आप उसी समय में हैं, लेकिन एक अलग रास्ते पर गए हैं। लेकिन क्या किरदारों के नाम और उनकी पहचान वही रहेगी? हां, किरदार बिल्कुल वही रहेंगे। उनके नाम और पहचान में कोई बदलाव नहीं है। सिर्फ घटनाक्रम थोड़ा अलग होगा।तो इसका मतलब क्या यह जौनपुर और मिर्जापुर के बीच के संघर्ष पर केंद्रित होगी? हां, मोटे तौर पर कह सकते हैं कि यह कहानी मिर्जापुर बनाम जौनपुर के संघर्ष को बहुत ही प्रमुखता से दिखाएगी। इस फिल्म में जो भी नयापन आएगा, वह इसी पुराने विवाद से ही निकलेगा। जो मेरा किरदार शरद शुक्ला का है, उसके इर्द गिर्द भी कहानी काफी बड़े स्तर पर घूमती है। दरअसल मेकर्स फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी ने यही वजह भी जाहिर की थी मुझे फिल्म में कास्ट करने की। वर्ना वेब सीरीज के तीसरे सीजन में तो मेरा किरदार मर चुका था। पर फिल्म के लिए उसे वापस

लाया गया। क्या इस फिल्म में कोई नया, बड़ा किरदार भी है? हां, एक नया और दिलचस्प किरदार है, जो खलनायक जैसा है। वह भी इसी पुराने संघर्ष से जुड़ा हुआ है। यह मैं कह सकता हूं कि उसका जन्म भी उसी जौनपुर और मिर्जापुर के कॉन्फ्लिक्ट से होता है। जो रविकिशन प्ले कर रहें हैं। क्या यह नया किरदार आपके किरदार का कोई रिश्तेदार है? सीधे तौर पर रिश्तेदार तो नहीं है, लेकिन हां, उन किरदारों से उसका एक गहरा संबंध है। जब आप फ़िल्म देखेंगे, तो आपको समझ आएगा कि यह नयापन भी मौजूदा विवादों से ही निकल रहा है, ताकि दर्शक उससे जुड़ाव महसूस कर सकें। वेब सीरीज में काफी खुलकर खेलने की छूट होती है, फिल्म में सेंसरशिप का क्या असर होगा? क्या इसमें गाली-गलौज, हिंसा या बोल्ड सीन होंगे? हां, ये सब फिल्म के प्रारूप के हिसाब से ही होगा। मुझे पूरा यकीन है कि निर्माताओं ने इस बात का ध्यान रखा होगा। वैसे भी, मिर्जापुर सीजन दर सीजन थोड़ा कम होता गया। सीजन 3 में ये सब चीजें पहले से बहुत कम हो गई थीं।सीजन 3 में हिंसा की क्या वजह थी? क्या फिल्म में भी ऐसा होगा? सीजन 3 में हिंसा कम नहीं हुई थी, बल्कि उसका स्वरूप बदल गया था। सीजन 1 में हिंसा का उद्देश्य मजा लेना था, जहां किरदार हिंसा को एक खेल की तरह देखते थे। लेकिन सीजन 3 में वही हिंसा एक दुःख, दर्द और इंटेनसिटी को दिखाती थी। वह हल्केपन से नहीं, बल्कि गंभीरता से दिखाई गई। जहां तक फिल्म की बात है, उसमें सेंसरशिप होगी, तो यह जरूरी है कि उसे फिल्म के हिसाब से ही ढाला जाए। आप लोग फिल्म की शूटिंग कब शुरू कर रहे हैं और कहां? शूटिंग इस महीने, सितंबर के आखिरी हफ्ते (25 के आसपास) शुरू हो रही है। पहला और लंबा शेड्यूल बनारस में होगा, जिसके बाद मुंबई में कुछ इंडोर शूट होंगे। क्या आप लोगों की आपस में रीडिंग और लुक टेस्ट जैसी तैयारी हो चुकी है? हां, लुक टेस्ट और रीडिंग हो चुकी है। यह सब नए कलाकारों के साथ ज्यादा हुआ है। मेरे लिए तो मिर्जापुर का सेट घर वापसी जैसा है। प्रोड्यूसर्स से भी मैसेज आए हैं कि वे हमें इस सफर में दोबारा पाकर बहुत खुश हैं। क्या इस फिल्म में विक्रांत मैसी की जगह जितेंद्र कुमार (जीतू) का किरदार होगा? हां, फिल्म में जितेंद्र कुमार का किरदार है। विक्रांत और जीतू दोनों ही बहुत अच्छे कलाकार हैं, लेकिन मेरा जीतू के साथ ज्यादा संवाद नहीं है। पर मैं यह कह सकता हूं कि उनकी कास्टिंग बहुत अच्छी है। उनके चेहरे पर एक भोलापन है, जो एक 'आम आदमी' जैसा लगता है। जब वह और गुड्डू भैया एक साथ होंगे, तो एक बहुत अच्छा विरोधाभास देखने को मिलेगा। फिल्म में क्या गाने भी होंगे? हां, क्योंकि यह एक फिल्म है, इसमें गाने होंगे। संगीत एक ऐसा क्षेत्र है जिसे वेब सीरीज में ज्यादा नहीं खोजा गया था, लेकिन फिल्म में इसकी पूरी गुंजाइश है। यह मिर्जापुर की दुनिया में एक नई परत जोड़ेगा। क्या यह प्रयोग सफल होगा? क्या यह बड़े स्टार्स वाली फिल्मों का एक विकल्प बन सकता है? मुझे लगता है कि यह प्रयोग सफल हो सकता है। 'सैयारा' जैसी फिल्मों ने यह साबित किया है कि अगर कॉन्सेप्ट और कहानी अच्छी हो, तो दर्शक किसी भी कलाकार को स्वीकार करते हैं। दर्शक अब 'स्टार' से ज्यादा अच्छी कहानी और 'एक्सपीरियंस' चाहते हैं। यह एक नया रास्ता खोल सकता है, जहां कहानी और अभिनय को ज़्यादा महत्व मिले, न कि सिर्फ बड़े बजट और बड़े स्टार्स को। 'सैयारा' जैसी फिल्मों ने दर्शकों को बहुत ज्यादा जानकारी से 'लोड' नहीं किया। उन्होंने दर्शकों को खुद कहानी का अनुभव करने का मौका दिया। दर्शकों ने एक खाली पन्ने की तरह उसे देखा, और जब कहानी, संगीत और भावनात्मक पहलू ने उन्हें बांध लिया, तो उन्हें यह अनुभव बहुत पसंद आया। जब आप किसी चीज को बहुत ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर बेचते हैं, तो दर्शक उसे परखने लगते हैं, लेकिन अगर आप विनम्रता से एक दिलचस्प कहानी पेश करें, तो वे उसे दिल से देखते हैं।क्या नयापन है यहां फिल्म में? नयापन बहुत ज्यादा न हो, तो भी चलेगा, लेकिन कहानी दिलचस्प और सही तरीके से पेश की जानी चाहिए। यह स्वाद की बात है। जैसे हमें हमारी पसंदीदा डिश बार-बार पसंद आती है, वैसे ही दर्शक अच्छी कहानी को बार-बार देखना पसंद करते हैं, बशर्ते वह अच्छी बनी हो। 'मिर्जापुर' की सफलता भी यही है कि लोगों को उसके किरदार, कहानी और मसाला पसंद आया है। क्या आज के समय में सिर्फ एक स्टार पर कहानी या फिल्म टिकी रह सकती है? नहीं, अब वह दौर नहीं रहा। आज दर्शक फिल्म देखने से पहले ही रील और ट्रेलर में बहुत कुछ देख लेते हैं। उनकी भूख पहले ही खत्म हो जाती है। अगर उसके बाद भी वे कुछ देखना चाहते हैं, तो उन्हें कहानी में नयापन और प्रस्तुति में दम चाहिए। अब कहानी किसी एक स्टार पर नहीं टिकी रह सकती। यह 'स्टार कल्चर' को तोड़ने के लिए भी जरूरी है। क्या फिल्म में शरद शुक्ला का किरदार भी होगा? हां, मेरे किरदार (शरद शुक्ला) और कुछ अन्य किरदार भी फिल्म में हैं, क्योंकि उन्हें सीजन 3 में बहुत प्यार मिला। यह सिर्फ प्रशंसकों के प्यार के लिए है। मेरा फिल्म में एक बहुत ही दिलचस्प 'कैमियो' है। यह कहानी के लिए भी जरूरी है क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण मोड़ लाता है।क्या फिल्म में विजय वर्मा जैसे कलाकार भी हैं? नहीं, विजय वर्मा जैसे कलाकार इस फिल्म में नहीं हैं। यह फिल्म मुख्य रूप से जौनपुर और मिर्जापुर के बीच के संघर्ष पर केंद्रित रहेगी।

दिशा पाटनी के पिता योगी से बोले- थैंक्यू सर,घर पर फायरिंग करने वाले 2 बदमाश एनकाउंटर में ढेर, दो-दो गोलियां लगी

बरेली। बरेली में एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने वाले दोनों बदमाश बुधवार को एनकाउंटर में ढेर हो गए। इसके बाद अभिनेत्री के पिता और रिटायर्ड डीएसपी जगदीश सिंह पाटनी ने सीएम योगी से फोन पर बात की। जगदीश पाटनी ने बुधवार रात वीडियो जारी कर यह बात बताई। इसमें उन्होंने कहा- मैंने सीएम सर को थैंक्यू बोला। उनसे कहा कि यूपी पुलिस भयमुक्त समाज की परिकल्पना को साकार कर रही है। जगदीश पाटनी ने कहा- सीएम ने सोमवार सुबह फोन कर मुझे आश्वासन दिया था कि अपराधी चाहे पाताल में हों, यूपी पुलिस उन्हें खोजकर कार्रवाई करेगी। बुधवार शाम उस वादे को पूरा होते देखा। एसटीएफ ने बेहद कम समय में बदमाशों को पकड़ा और ढेर कर दिया। इसके लिए मैं सीएम और पुलिस का आभारी हूं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हरियाणा के रहने वाले बदमाश अरुण और रविंद्र को एनकाउंटर में 2-2 गोलियां सीने में लगीं। एक के सीने से गोली आर-पार हो गई। आज गाजियाबाद में दोनों के शवों का पोस्टमॉर्टम होगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने इसके लिए 3 डॉक्टरों का पैनल बनाया है।

पोस्टमॉर्टम की वीडियोग्राफी कराई जाएगी। गाजियाबाद पुलिस ने दोनों के परिवार को सूचना दे दी है, लेकिन अभी तक परिजन नहीं पहुंचे हैं। गुरुवार दोपहर मीडिया के सवाल- क्या अभी भी किसी तरह का डर या दहशत परिवार महसूस कर रहा? इस पर दिशा पाटनी के पिता जगदीश पाटनी ने कहा- जब यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डीजीपी सर मेरे साथ हैं। पूरे मामले का नेतृत्व कर रहे हैं, पूरा पुलिस प्रशासन मेरे साथ है तो डर किसी बात का नहीं है। निश्चित तौर पर अभी और बदमाश अंजाम तक पहुंचेंगे। जगदीश पाटनी ने कहा- मैं सबसे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ जी का आभार व्यक्त करता हूं। जैसा उन्होंने मुझे भरोसा दिया था, उसे पूरा किया है। उनकी जीरो टॉलरेंस की नीति पर पुलिस काम कर रही है। जब से योगीजी ने यूपी की कमान संभाली है, तब ये पूरा प्रदेश भयमुक्त है। लोग अमन-चैन से जी रहे हैं। अब कोई भी अपराधी प्रवृत्ति का व्यक्ति या तो हमारे प्रदेश में जमींदोज हो चुका है या पलायन कर चुका है। जगदीश पाटनी ने कहा- योगीजी ने जो समाज के लिए किया है, वो कोई नहीं कर सकता है। मैं और मेरा पूरा परिवार सदा उनका ऋणी रहेगा। उनके निर्देशन में यूपी पुलिस ने जो कार्रवाई की है, उसके लिए डीजीपी राजीव, एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश, एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा, डीआईजी अजय साहनी, एसएसपी बरेली अनुराग और पूरी टीम का आभार व्यक्त करता हूं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।